शर्मা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
वर्ष : 10 | अंक : 31 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 25 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लंबित पेंशन राशि को तत्काल जारी करने की मांग पेज 3
भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जा रहा : प्रधानमंत्री पेज 4
भाजपा धर्म के नाम पर जनता को करती है गुमराह : अखिलेश यादव पेज 5
पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों व कांग्रेस नेताओं सहित अट्ठारह लोगों ने... पेज 8

धेमाजी बम विस्फोट मामले में हाईकोर्ट से सभी छह लोग बरी

गुवाहाटी। गौहाटी हाई कोर्ट ने गुरुवार को 2004 के धेमाजी बम विस्फोट मामले में सभी छह आरोपियों को बरी कर दिया। हाई कोर्ट ने जिला और सत्र अदालत के फैसले को पलटते हुए यह आदेश जारी किया। न्यायमूर्ति माइकल जोथनखुमा और मृदुल कुमार की खंडपीठ ने धेमाजी जिला और सत्र अदालत के 2019 के आदेश को पलट दिया, जिसमें चार लोगों को आजीवन कारावास और दो अन्य को चार साल जेल की सजा सुनाई गई थी। हाई कोर्ट ने 24 जुलाई को छह आरोपियों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई पूरी करने के बाद यह फैसला सुनाया है। जिला और सत्र अदालत नेदीपांजलि बुढ़ागोहाई, मुही हैंडिक, जतिन दुओरा और लीला गोगोई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और प्रशांत भुइयां व हेमेन गोगोई को चार साल जेल की सजा सुनाई गई थी। बता दें कि असम के धेमाजी में 2004 में बम धमाका हुआ था। स्वतंत्रता दिवस के दिन हुए भीषण बम विस्फोट में 13 स्कूली बच्चों सहित 18 लोग मारे गए थे। यह विस्फोट स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान धेमाजी कॉलेज मैदान में हुआ था। आतंकवादी समूह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस पर लोगों का भरोसा होगा कम : भूपेन बोरा

नगांव (हिंस)। धेमाजी बम विस्फोट के सिलसिले में आज गौहाटी उच्च न्यायालय के आए फैसले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने प्रतिक्रिया दी है। नगांव -शेष पृष्ठ दो पर

रामलला मंदिर परिसर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर से एक हजार किलोमीटर की यात्रा पूरी कर 600 किलो वजनी नर्मदेश्वर शिवलिंग भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या पहुंच चुका है। राम मंदिर परिसर में रामलला के चारों ओर परकोटे में छह मंदिरों की स्थापना होनी है। इसमें एक शिव मंदिर में इस नर्मदेश्वर महादेव की स्थापना होगी। शिवलिंग के अयोध्या पहुंचने पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने आरती उतारी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को ट्वीट के माध्यम से इसकी -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम : रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य का दौरा

एजल (हि.स.)। मिजोरम की राजधानी एजल से लगभग 21 किमी दूर साइरंग को भैरवी (दक्षिणी असम में हैलाकांडी जिले की सीमा) से जोड़ने वाले कुरुंग नदी पर निर्माणाधीन रेल पुल के ढहने से अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री पू लालचामलियाना ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह हादसा बुधवार की सुबह करीब 11 बजे हुआ था। गुरुवार को एनडीआरएफ के प्रथम बल के इंस्पेक्टर अजय -शेष पृष्ठ दो पर

कलंकित भागचंद जैन को बचाने में चंद्र प्रकाश शर्मा के क्या हैं स्वार्थ

विहंगम योग के नाम पर चंदे के धंधे की पोल खुलने का सता रहा है डर

गुवाहाटी। गत 15 अगस्त को अमृत भोग भंडारा के नाम से तथाकथित दुकानदारी चलाने वाले भागचंद जैन को महानगर के फाटाशील आमबाड़ी स्थित महर्षि सदाफल देव विहंगम योग आश्रम से शराबखोरी और जिस्मफरोशी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। इस घटना से यह खुलासा हुआ था कि किस तरह कुछ लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए आश्रम की संपत्ति का सरेआम दुरुपयोग कर रहे थे। ये लोग आश्रम में चल रहे अनैतिक कार्यों की जानबूझकर अनदेखी कर रहे थे। जिस दिन भागचंद जैन को रंगे हाथों पकड़ा गया, उसी दिन से विहंगम योग के नाम पर चंदे का धंधा करने वाले चंद्र प्रकाश शर्मा और उसके कुछ साथी भागचंद जैन को बचाने में जुट गए। पहले तो आश्रम की इज्जत की दुहाई देकर उसे पुलिस के हवाले नहीं करने दिया गया, फिर जब इस घटना की खबर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक होने लगी तो खुद को आश्रम का कर्ताधर्ता बताने वाला चंद्र प्रकाश अपने व्हाट्सएप ग्रुप और अन्य जगहों से भागचंद से संबंधित खबरें और उन पर आने वाले कमेंट्स को डिलीट करना शुरू कर दिया। जब लोगों ने उसकी इन हरकतों पर सवाल खड़े किए तो उसने बेहूदे कुतर्क देकर सवाल उठाने वालों का मुंह बंद करने की असफल कोशिश की। यह बात अलग है कि इस पूरे प्रकरण में चंद्र प्रकाश शर्मा नाम का भागचंद जैन का हितेषी आम जनता के सामने पूरी तरह नंगा हो गया। लोगों को समझ में आ गया कि दाल में कुछ काला है। विहंगम योग के नाम पर चंदे की दुकान चलाने वाला यह व्यक्ति भागचंद जैन जैसे कलंकित को बचाने की बेशर्म कोशिश क्यों कर रहा है? उसे विहंगम योग आश्रम की गरिमा का ख्याल क्यों नहीं है, जैसे सवाल लोगों के दिमाग में जाने लगे। इस बीच उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की कहावत को सही साबित करते हुए चंद्र प्रकाश ने आश्रम को भागचंद जैन की काले कारनामों से मुक्त करने वाले राकेश शर्मा को ही विहंगम विरोधी कार्यों में लिप्त बता दिया। इतना ही नहीं, उन पर गुरुद्रोह का आरोप तक लगा दिया। यहां यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या आश्रम में चल रहे अनैतिक कार्यों पर से पर्दा हटाना विहंगम विरोधी कार्य है? क्या भागचंद जैन जैसे तत्वों से आश्रम को मुक्त करने की कोशिश करना गुरु द्रोह है? सवाल का जवाब निश्चित रूप से ना ही है। असल में सवाल तो यह उठाना चाहिए कि चंद्र प्रकाश शर्मा और उसके चेले चपाटी के साथ इंफाल के योगेंद्र गुप्ता गुरु और आश्रम के मान-सम्मान को दरकिनार कर भागचंद जैन जैसे अपराधी को बचाने में क्यों लगे हैं? क्या वहां भंडारे के नाम पर भी आर्थिक अनियमितताओं का खेल चल रहा था? क्या चंद्र प्रकाश शर्मा को विहंगम योग संस्थान के नाम पर चल रहे अपने चंदे के धंधे के बंद होने का डर सता रहा है? इन सब सवालों का विस्तार से जवाब अगले अंक में दिया जाएगा।

পূর্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

असम पुलिस की समीक्षा बैठक में सीएम भी

गुवाहाटी (हि.स.)। आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने असम पुलिस आवास निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान राज्य में 162 नए पुलिस स्टेशनों के निर्माण को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में असम पुलिस में किए जा रहे व्यापक पैमाने पर सुधार की भी समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने असम पुलिस द्वारा ड्रग्स समेत सभी प्रकार के अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान की सराहना की। बैठक में मुख्यमंत्री ने शहरी पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

भ्रष्टाचारमुक्त नियुक्तियां गर्व का विषय : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में हुई भ्रष्टाचारमुक्त नियुक्तियां उनके लिए गर्व का विषय है। जब तक वे जीएंगे तब तक उन्हें इस बात का गर्व रहेगा कि उन्होंने भ्रष्टाचारमुक्त तरीके से बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां उनके प्रतिभा के आधार पर दी थी। गुरुवार को यहां मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने विधायक रमाकांत देउरी के उस वक्तव्य को अपने लिए सर्टिफिकेट माना, जिसमें देउरी ने कहा है कि शर्मा के समय में वे विधायक होकर भी एक चपरासी को भी नौकरी नहीं दे सकते हैं, तो उन्हें विधायक बने रहने का क्या फायदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक देउरी की कही गई बातें उनके लिए एक सर्टिफिकेट है कि असम में बिना किसी पैरवी और भ्रष्टाचार के बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात सही है कि विधायक तो क्या मुख्यमंत्री भी आज चाहकर भी किसी को एक नौकरी नहीं दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें मुख्यमंत्री बनने के बाद कहा था कि असम में साफ-सुथरे तरीके से सरकारी नौकरियां युवाओं को मिलनी चाहिए। उसका शत-प्रतिशत पालन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने टेट परीक्षा के जरिए शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया था और अब तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों की नियुक्ति को वे स्वच्छ बना सके हैं, इसकी उन्हें खुशी है।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा में मिस्ड कॉल देकर कोई भी हो सकता है शामिल : हिमंत

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पुरानी भाजपा बनाम नई भाजपा की बहस को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस मुक्त भारत के लिए कोई भी व्यक्ति मिस्ड काल देकर भाजपा में शामिल हो सकता है। उन्होंने असम में भाजपा के कुछ पुराने नेताओं और हाल के दिनों में पार्टी में शामिल हुए लोगों के बीच खींचतान की खबरों के बीच यह टिप्पणी की। कहा कि उनके पूर्ववर्ती सर्वानंद सोनोवाल, -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रयान-3 की सफलता : नेहरू बनाम मोदी

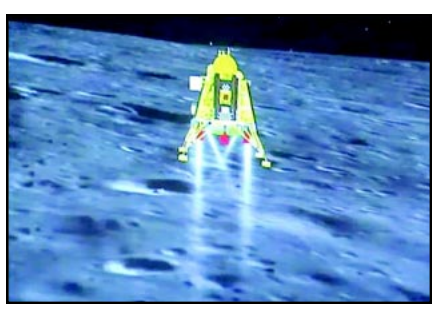

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 ने चांद पर कदम रखते ही नया इतिहास रच दिया है। भारत दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया। इस उपलब्धि के साथ ही भारत, अमेरिका, रूस और चीन के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गया, जिनके पास चंद्रमा की सतह पर अपना रोवर है। अंतरिक्ष अभियान में बड़ी छलांग लगाते हुए भारत का चंद्र मिशन चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा, जिससे देश चांद के इस क्षेत्र में उतरने वाला दुनिया का पहला तथा चंद्र सतह पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। अब भारत में इसको लेकर क्रेडिट वॉर शुरू हो गया है। कांग्रेस ने चंद्रयान की इस सफलता को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की दूरदर्शी सोच का नतीजा बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भारत, मोदी के नेतृत्व में सफलता की नई उपलब्धियां रच रहा है और अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री ने दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने पृथ्वी पर एक संकल्प लिया और चंद्रमा पर इसे पूरा किया। उन्होंने कहा कि भारत अब चांद पर है और अब *चंद्र पथ* पर चलने का समय है। मोदी ने कहा कि जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास -शेष पृष्ठ दो पर

सूर्ययान का लांच 2 सितंबर को

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) दो सितंबर 2023 को आदित्य-एल1 मिशन को लॉन्च करने जा रहा है। इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के डायरेक्टर नीलेश एम. देसाई ने जानकारी देते हुए बताया कि ये स्पेसक्राफ्ट लॉन्च के लिए तैयार है। सूर्य मिशन आदित्य-एलवी की लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से होगी। इससे पहले इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा था कि, सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 का मिशन जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। हम इसे सितंबर के पहले सप्ताह में लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। नीलेश एम. देसाई ने कहा कि आदित्य-एलवी 15 लाख किलोमीटर की यात्रा 127 -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

राजनीति का संबंध केवल अपने राज्य को समृद्धि प्रदान करने वाले मामलों से होता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

टीवीएस शोरूम में भीषण आग, 400 से अधिक दोपहिया खाक

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में गुरुवार को एक बाइक शोरूम में लगी भीषण आग में लगभग 400 से अधिक दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। हालांकि, आग में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। ऐसा संदेह है कि यह शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। पुलिस के मुताबिक, आग शोरूम की पहली मंजिल से शुरू हुई और जल्द ही बगल के गोदाम तक फैल गई। सुरक्षा कर्मियों ने अग्निशमन सेवा को सूचित किया और पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय पुरस्कार : आलिया भट्ट व कृति सेनन सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, अल्लू अर्जुन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म *रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट* ने गुरुवार को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता जबकि आलिया भट्ट ने *गंगूबाई काठियावाड़ी* और कृति सैनन ने *मिमी* में अपनी भूमिकाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को तेलुगु फिल्म *पुष्पा: द राइज (पार्ट 1)* के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार देने का फैसला किया गया है। फिल्म निर्माता केतन मेहता ने राष्ट्रीय पुरस्कार, 2021 के लिए 11 सदस्यीय जूरी की अध्यक्षता की। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मराठी फिल्म *गोदावरी* के लिए निखिल महाजन को दिया गया। हिंदी सिनेमा के लिए नेशनल अवॉर्ड हमेशा से ही अहम रहा है और आज यानी कि 24 अगस्त को 69वें नेशनल अवॉर्ड के विजेता की भी घोषणा कर दी गई है। इस बार संजय लीला भंसाली की *गंगुबाई काठियावाड़ी* और *आरआरआर* दोनों फिल्में ने खूब धूम मचाई। बेस्ट एक्ट्रेस के लिए इस बार एक नहीं, बल्कि 2 एक्ट्रेसेस की किस्मत का सितारा चमका। बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस आलिया भट्ट और कृति सेनन को जहां बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला वहीं बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड तेलुगु -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स समूह में चीन नहीं दिला सका पाकिस्तान को एंट्री

नई दिल्ली। ब्रिक्स समूह में 6 नए देशों को एंट्री मिली है। 1 जनवरी 2024 से आधिकारिक तौर पर यह छह नए देश ब्रिक्स समूह का हिस्सा हो जाएंगे। ब्रिक्स समूह में जो छह देश शामिल किए गए हैं। उनमें अर्जेंटीना, मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं। इसके साथ ही ब्रिक्स समूह की संख्या पांच से बढ़कर 11 हो जाएगी। इस बीच पाकिस्तान को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान ब्रिक्स देशों में शामिल होने की लगातार कोशिश करता रहा है। भारत ने उसका पुरजोर विरोध किया है, चीन पाकिस्तान को ब्रिक्स में शामिल करने की वकालत करता रहा है। कंगाली और राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा पाकिस्तान ब्रिक्स में शामिल होने की कोशिश करता आया है। हालांकि उसकी कोशिश अब तक तो नाकाम होती आई है। पाकिस्तान का खास दोस्त -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीमा विवाद : मिजोरम ने असम को गांवों की सूची सौंपी

एजल। मिजोरम सरकार ने गांवों की सूची और अन्य प्रासंगिक जानकारी सहित अपनी राज्य सीमा के संबंध में अपना दावा असम सरकार को सौंप दिया है, जैसा कि बुधवार को राज्य के गृह मंत्री लालचमलियाना ने घोषणा की थी। मिजोरम के तीन जिले, एजल, कोलासिब और ममित, असम के साथ 164.6 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं। जुलाई 2021 में सीमा विवाद के बाद, दोनों पड़ोसी राज्य शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए बातचीत में लगे हुए हैं। पिछले वर्ष नवंबर में गुवाहाटी में हुई पिछली सीमा वार्ता में, दोनों प्रतिनिधिमंडल इस बात पर सहमत हुए थे कि मिजोरम तीन महीने के भीतर गांवों की सूची, उनके क्षेत्र, भू-स्थानिक सीमा, निवासियों की जातीयता और अन्य प्रासंगिक जानकारी प्रदान करेगा। यह जानकारी मिजोरम के दावे का समर्थन करेगी, जिसकी जांच दोनों पक्षों की क्षेत्रीय समितियों द्वारा की जाएगी, जिसका उद्देश्य विवादास्पद सीमा मुद्दों का एक स्वीकार्य समाधान ढूंढना होगा। लालचामलियाना ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि मिजोरम सरकार ने अपने क्षेत्र, गांवों और उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों की जातीयता के संबंध में अपना दावा 13 फरवरी को असम सरकार को सौंप दिया था। इसके अलावा, मिजोरम सरकार ने असम सरकार को लिखा था, दावे पर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है और फिलहाल प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के सदस्य वनलालतनपुइया के एक सवाल का जवाब देते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जुलाई 2021 में गोलीबारी की घटना के बाद असम के साथ राज्य की सीमा पर कई स्थायी और अस्थायी सीमा चौकियां स्थापित की थीं। गोलीबारी की घटना के बाद से, मिजोरम और असम के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, प्रत्येक अपने-अपने राज्य के एक मंत्री के नेतृत्व में, सीमा विवाद को सुलझाने के लिए तीन दौर की वार्ता में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, दोनों राज्यों के बीच तीन आभासी मंत्री-स्तरीय बैठकें और जिला प्रशासन स्तर पर तीन दौर की बैठकें हो चुकी हैं। राज्य सरकार द्वारा लागू किए गए उपायों को रेखांकित करते हुए, लालचमलियाना ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा मुद्दे के समाधान के लिए जून 2021 में सभी राजनीतिक दलों और गैर सरकारी संगठनों को शामिल करते हुए एक सीमा समिति का गठन किया गया था। इसके अलावा, राज्य की सीमा से संबंधित प्रासंगिक जानकारी पर शोध करने और इकट्ठा करने के लिए चालू वर्ष के फरवरी में एक अध्ययन समूह की स्थापना की गई थी।

प्रशिक्षण कार्यशाला में मंत्री पीयूष ने लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सोशल मीडिया के जरिए इस आशय की जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि खानापाड़ा अनुसूचित जाति और पिछड़ा कल्याण निदेशक, सरकार के प्रबंधन के अधीन मैंने (मंत्री) प्रशासनिक पदाधिकारी प्रशिक्षण महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि विभिन्न कनेक्शन, जानकारी और विभिन्न तकनीकी कठिनाइयों के कारण, हमारे एससी, एसटी, ओबीसी छात्र अक्सर भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए जलपान से वंचित रहते हैं। आने वाले समय में छात्र वंचित न रहें, इसके लिए इस प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। ताकि विभाग के कर्मचारी इस विषय के निष्पादन में सूत्रधार के रूप में भूमिका निभाएंगे। आज के कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जनजातीय कार्य (मैदानी) विभाग के प्रधान सचिव मुकेश चंद्र साहू, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण निदेशक डॉ. कुलश्री नाथ, जनजातीय कार्य (मैदानी) विभाग के निदेशक भवानी प्रसाद शर्मा और विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

हिमाचल में बारिश का कहर, 24 घंटे में 109 घर गिरे, छह लोगों की मौत

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में बारिश से तबाही थम नहीं रही है। राज्य के अधिकांश भागों में गुरुवार को हालांकि बारिश से राहत मिली, लेकिन भूस्खलन और जमीन धंसने की घटनाओं ने लोगों को चिंता में डाल दिया। राज्य के विभिन्न जिलों में 24 घंटे के दौरान 109 घर गिर गए और छह लोगों की मौत हुई है। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में 109 घर धराशायी हुए, तो 211 घर दरारें आने से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। इनमें सोलन जिला में 24, शिमला व कुल्लू में सात-सात और मंडी में चार पक्के मकान गिरे। इसके अलावा तीन दुकानें और 265 पशुशाला भी ध्वस्त हो गईं। राज्य में वर्षा से जुड़े हादसों में छह लोगों की जान भी गई है। सोलन में दो और हमीरपुर,मंडी, शिमला व किन्नौर में एक-एक व्यक्ति की जान गई है। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने भारी तबाही मचाई है। मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी और अब तक मानसून सीजन में वर्षा से जुड़े हादसों में 367 लोगों की जान गई है और 40 लापता हैं। 343 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से 136 लोग मारे गए हैं। अन्य वर्षा जनित हादसों में 231 लोगों की मौत हुई। मानसून सीजन में 2346 मकान, 303 दुकानें और 5048 पशुशालाएं पूरी तरह धराशायी हुईं, जबकि 10135 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। बीते दो महीने में राज्य के 156 स्थानों पर भूस्खलन हुआ और 63 स्थानों पर बाढ़ आया। मानसून सीजन में प्रदेश के सरकारी विभागों को 8450 करोड़ का नुकसान आंका गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक राज्य में फिलहाल बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि अगले दो दिन यानी 25 व 26 अगस्त को राज्य में भारी वर्षा होने की आशंका है। इसे लेकर मैदानी व मध्यपर्वतीय इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि 27 से 30 अगस्त तक भी राज्य भर में मौसम खराब रहेगा। हालांकि इस दौरान भारी बारिश को लेकर कोई अलर्ट नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि बीते 24 घंटे में जोगेंद्रनगर में सबसे ज्यादा 150 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इसके अलावा पालमपुर में 140, नाहन में 90, शिमला में 80, पण्डोह धर्मशाला, संगजाह व राजगढ़ में 70-70, पच्छाद, सोलन, रोहड़ू व मंडी में 60-60 मिमी वर्षा रिकार्ड हुई है।

गोवा में लड़की ने चलाए लात-घूसे

पणजी। गोवा से एक बार फिर नशे में धुत टूरिस्ट्स का वीडियो सामने आया है। यहां एक कपल की दूसरे व्यक्ति से लड़ाई हो रही है। लड़ाई सिर्फ गाली-गलौज तक ही नहीं रही बल्कि कपल और दूसरे लड़कों के बीच जमकर लात-घूसे भी चले। बताया जा रहा है कि यह कपल एक शॉप पर गए थे जहां पर उनका एक कैशियर से किसी बात पर झगड़ा हो गया। जो टूरिस्ट बीच बचाव के लिए आए थे उन्होंने पुलिस में कपल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला उत्तर गोवा के बांदरेज का है। यहां पर पोरवोरिम में 20 अगस्त को देर रात तक एक कपल ने शराब के नशे में जमकर हंगामा किया। कपल का नाम जेसन और जेमिया बताया जा रहा है। वह गोवा के एक वाइन एंड डाइन शॉप पर गए थे। यहां पर उनका कैशियर के साथ झगड़ा हो गया। झगड़े के बीच में पास में ही खड़े एक अन्य टूरिस्ट ने बीच-बचाव कर झगड़े को शांत करने की कोशिश की। नशे में धुत कपल उस टूरिस्ट से ही भिड़ गया। आरोपी लड़की लगातार ही अपने बॉयफ्रेंड को पीछे करने के बाद खुद लड़ने के लिए आगे आ रही है। वह दूसरे लड़कों पर जमकर लात-घूसे चला रही है। वहीं दूसरे टूरिस्ट बार-बार लड़की को साइड करके उसके साथ वाले लड़के को पीट रहे हैं। एक दो बार नहीं कई बार मामला शांत होने के बाद लड़की ने फिर से शुरू किया और बहुत देर तक यह हाई वोल्टेज ड्रामा सड़क पर चलता रहा। कपल की और अन्य टूरिस्ट के बीच हुई इस लड़ाई में कपड़े तक फट गए।

मोरीगांव एमसीएच के निर्माणकार्य का मंत्री पीयूष ने लिया जायजा

मोरीगांव (हिंस)। राज्य के जल संसाधन, सूचना प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज राज्य के मोरीगांव में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का दौरा किया। निर्माण कार्य की प्रगति की इस दौरान उन्होंने समीक्षा की। इस कॉलेज के निर्माण में शामिल ठेकेदारों और अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि लगभग पंद्रह प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसका शेष काम अगले ढाई वर्षों में पूरा हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मोरीगांव जिले के एक बच्चे और जिले के विधायक के रूप में मोरीगांव के लोगों के साथ उनका लंबे समय से संजोया गया सपना साकार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए *मैं एक बार फिर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का आभार व्यक्त करता हूं।* निरीक्षण के दौरान मंत्री पीयूष के साथ असम राज्य परिवहन निगम के उपाध्यक्ष प्रणब ज्योति लहकर भी साथ रहे।

पृष्ठ एक का शेष

धेमाजी बम विस्फोट...

ऑफ असम (अल्फा) ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली थी। विस्फोट में मारे गए लोगों के अलावा लगभग 45 लोग घायल हो गए थे। इससे पहले कोर्ट ने 2019 में छह को दोषी करार दिया था और आठ को बरी कर दिया था। पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी, जिसमें 14 लोग गिरफ्तार हुए थे। 2019 में, धेमाजी जिला और सत्र अदालत ने छह लोगों को दोषी पाया और उन्हें प्रासंगिक आईपीसी धाराओं, जैसे धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) और 302 (हत्या), साथ ही गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया। इन 6 में से चार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और प्रत्येक पर 10,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। वहीं दो अन्य आरोपियों को दो-दो हजार रुपए अर्थदंड देने के साथ ही चार-चार साल के लिए जेल भेज दिया गया।

पुलिस पर लोगों ...

के राजीव भवन में मीडिया से बात करते हुए भूपेन बोरा ने कहा कि असम पुलिस और गृह विभाग इस मामले में पूरी तरह से विफल रहा है। उन्होंने कहा कि असम पुलिस दक्षता दिखाने में बुरी तरह विफल रही है। यह घटना किसी तरह की मैच फिक्सिंग की तरह है। गृह विभाग के प्रभारी मंत्री भी चुप हैं। असम पुलिस में लोगों का विश्वास अब खत्म हो जाएगा। क्योंकि, उचित पुलिस जांच का एक विशेष महत्व था।

रामलला मंदिर परिसर ...

जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्थित पवित्र ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर से सवा चार फुट ऊंचा शिवलिंग विशेष रथ द्वारा श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या पहुंच गया है। मन अति प्रसन्न है। अब इंतजार उस क्षण का है, जब इस शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा भगवान रामलला के मंदिर परिसर के शिव मंदिर में होगी।

मिजोरम : रेलवे बोर्ड ...

कुमार यादव ने बताया कि कल शाम स्थानीय लोगों की मदद से घटनास्थल से 18 शव बरामद किए गए थे। माना जा रहा है कि तीन से चार और व्यक्ति अभी भी लापता हैं। हादसे के वक्त से ही वो सभी मजदूर लापता हैं। उन्होंने बताया कि अंधेरे के कारण कल शाम बचाव अभियान रोक दिया गया था। आज सुबह से फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। बचाव कार्य में उत्खनन यंत्र, लोहे के पोल कटर का उपयोग किया जा रहा है। एक शव भारी स्टील फ्रेम में फंस मिला। जिसे निकालने के लिए गैस वेल्डिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया। एनडीआरएफ ने बताया है कि बचाव अभियान के दौरान गुरुवार को चार शव और बरामद किए गए। दूसरी ओर, मंत्री पू लालचमलियाना ने कहा कि जिला सामान्य और पुलिस प्रशासन की देखरेख में त्वरित प्रतिक्रिया टीम, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीएसएफ और यंग मिजो एसोसिएशन की साइरंग शाखा ने बचाव अभियान चलाया था। उन्होंने बताया कि ज्यादातर पीड़ित पश्चिम बंगाल के मालदह जिले के रहने वाले थे। उनमें से कुछ मालदा के इंग्लिशबाजार ब्लॉक, गाजोल, कालियाचक आदि के कुछ सुदूर गांवों के निवासी हैं। हालांकि, मंत्री ने पत्रकारों को मृतक श्रमिकों के नाम बताने से इनकार कर दिया और कहा कि उनके परिवारों को संबंधित जिला प्रशासन के माध्यम से इस दुखद दुर्घटना के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है। इस बीच गुरुवार को भारतीय रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य आरएन सोनकर ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। और हादसे के कारणों का आकलन किया है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में भैरवी-साइरंग नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी गई थी। पूरे प्रोजेक्ट की लंबाई 51.38 किमी है। परियोजना की लागत 5521.45 करोड़ रुपए आकी गयी। मंजूरी मिलने के बावजूद प्रोजेक्ट क्रियान्वित नहीं हो पा रहा था। भैरवी-साइरंग ब्रॉड गेज लाइन परियोजना के निर्माण के लिए 487.47 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। रेल विभाग के सूत्रों के अनुसार केंद्र में सरकार बदलने के बाद हालिया वित्तीय वर्ष के बजट में भैरवी-साइरंग रेलवे परियोजना के लिए लगभग 1,500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। रेल मंत्रालय ने काम में तेजी लाने के लिए बड़ी धनराशि आवंटित की है। मालूम हो कि एबीसीआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनी है।

असम पुलिस की ...

स्टेशनों में कर्मियों के लिए आवास की सुविधा के साथ ही पुलिसकर्मियों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं को लेकर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री के साथ इस बैठक में असम पुलिस के महानिदेशक जीपी सिंह, राज्य के स्पेशल डीजीपी हरदीप सिंह के साथ ही असम पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद इस सिलसिले में असम पुलिस के स्पेशल डीजीपी हरदीप सिंह ने ट्वीट कर कहा कि अपने लीक से हटकर काम और रचनात्मकता पर चर्चा करना सम्मान की बात है, जिसने सोशल मीडिया और पुलिसिंग को नई परिभाषा दी है।

भाजपा में मिस्ड कॉल ...

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के अलावा वह स्वयं भी नई भाजपा के लोग हैं। भाजपा की असम इकाई में खींचतान से जुड़े सवाल पर कहा कि नई और पुरानी भाजपा जैसी कोई चीज नहीं है। यदि पार्टी ने उस तरह से सोचा होता तो क्या आपको लगता है कि सोनोवाल या मैं मुख्यमंत्री बन सकता था। भाजपा में शामिल होने से पहले शर्मा कांग्रेस का हिस्सा थे, जबकि सोनोवाल असम गण परिषद (एजीपी) से जुड़े हुए थे। उन्होंने दावा किया कि पुरानी और नई भाजपा वास्तव में एक कांग्रेस प्रायोजित खेल है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शब्दों को याद किया कि भाजपा में शामिल नये लोग पार्टी के साथ वैसे ही जुड़ गए हैं, जैसे चीनी चाय के साथ घुल-मिल जाती है।

चंद्रयान-3 की सफलता...

बनते हुए देखते हैं तो जीवन धन्य हो जाता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्रीय जीवन की चिरंजीव चेतना बन जाती है। उन्होंने कहा कि यह पल अविस्मरणीय है, यह क्षण अभूतपूर्व है, यह क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। यह क्षण नए भारत के जयघोष का है। यह क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। यह क्षण जीत के चंद्र पथ पर चलने का है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। ये क्षण भारत के उदयमान भाग्य के आह्वान का है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर चंद्रयान3 की सफल लैंडिंग के बाद बुधवार को एक पोस्ट किया था। जिसमें उसने कहा है कि चंद्रमा और उससे आगे तक भारत की यात्रा गर्व, दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता की कहानी है। यह स्वतंत्र भारत के पहले प्रधान मंत्री, जवाहरलाल नेहरू थे, जिनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और दूरदर्शिता ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान की नींव रखी। आज चंद्रयान-थ्री की सफलता उनके शुरुआती प्रयासों का ही परिणाम है। कांग्रेस ने बुधवार को तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 की सफल *लैंडिंग* की कामना करते हुए कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत वर्ष 1962 में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इंकोस्पार) के गठन के साथ शुरू हुई थी। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि चंद्रयान कार्यक्रम मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने शुरू किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आगे बढ़ाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा 23 फरवरी, 1962 को इंकोस्पार के गठन के साथ शुरू हुई। होमी भाभा और विक्रम साराभाई की दूरदर्शिता के साथ-साथ नेहरू के उत्साहजनक समर्थन को चलते यह संभव हुआ। उन्होंने एक खबर साझा कर कहा कि समिति में देश भर के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के शीर्ष वैज्ञानिक शामिल थे जो सहयोग और मिलकर काम करने की भावना से एक साथ आए थे। जे पी नड्डा ने चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की ओर जोर देकर कहा कि दुनिया अब भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक शक्ति के रूप में पहचान रही है। उन्होंने कहा कि भारत, मोदी के नेतृत्व में सफलता की नई उपलब्धियां रच रहा है और अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रहा है। उन्होंने इस अभियान की सफलता को *आत्मनिर्भर भारत* का सही मंत्र करार दिया। नड्डा ने कहा कि मोदी के अथक प्रयासों और हमारे वैज्ञानिकों की अपार क्षमता के बिना सफलता संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हम इस अविस्मरणीय क्षण के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दिल से प्रशंसा करते हैं। कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में इसरो के सफर के बारे में बताया है। कांग्रेस ने इसमें बताया है कि वर्ष 1962 में इन्कोस्पार बना। इसके बाद 1963 में पहला रॉकेट लॉन्च किया गया। सन् 1969 में इन्कोस्पार का नाम बदलकर इसरो रख दिया गया। वर्ष 1975 में पहला सैटेलाइट आर्यभट्ट अंतरिक्ष में भेजा गया। इसके बाद 1994 में पीएसएलवी को लॉन्च किया गया। साल 2008 में पहला चंद्रयान मिशन भेजा गया। 2013 में पहला मिशन मंगलयान लॉन्च किया गया। इतना ही नहीं वर्ष 2017 में 104 सैटेलाइट्स लॉन्च कर इसरो ने नया रिकॉर्ड भी बनाया था। साल 2019 में चंद्रयान-2 मिशन लॉन्च किया गया। हालांकि, चंद्रमा पर लैंडिंग करते वक्त चंद्रयान2 क्रैश हो गया और मिशन इनकंप्लीट रहा। इसके बाद 14 जुलाई 2023 को चंद्रयान-3 लॉन्च किया गया और 23 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया।

सूर्ययान का लांच...

दिन में पूरी करेगा। यह हैलो ऑर्बिट में तैनात किया जाएगा। जहां पर एलवी प्वाइंट होता है। यह प्वाइंट सूरज और धरती के बीच में स्थित होता है। लेकिन सूरज से धरती की दूरी की तुलना में मात्र 1 फीसदी है। इस मिशन को पीएसएलवी रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा। आदित्य-एल1 को लोग सूर्ययान भी बुला रहे है। आदित्य-एल1 भारत का पहला सोलर मिशन है। आदित्य-एल1 मिशन सतीश धवन स्पेस सेंटर में रखा गया है और यहां पर अब इसे रॉकेट में लगाया जाएगा। मिशन का सबसे महत्वपूर्ण पेलोड विजिबल लाइन एमिसन कोरोनाग्राफ है। इस पेलोड को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने बनाया है। सूर्ययान में सात पेलोड्स हैं, जिनमें से छह पेलोड्स इसरो और अन्य संस्थानों ने बनाया है। आदित्य-एल1 स्पेसक्राफ्ट को धरती और सूरज के बीच एल1 ऑर्बिट में रखा जाएगा। यानी सूरज और धरती के सिस्टम के बीच मौजूद पहला लैरेंजियन प्वाइंट। लैरेंजियन प्वाइंट असल में अंतरिक्ष का पार्किंग स्पेस है। जहां पर कई उपग्रह तैनात किए गए हैं। भारत का सूर्ययान धरती से करीब 15 लाख किमी. दूर स्थित इस प्वाइंट पर तैनात होगा। इस जगह से वह सूरज का अध्ययन करेगा। वह सूरज के करीब बिल्कुल भी नहीं जाएगा। बता दें कि, इससे पहले 23 अगस्त को शाम 6 बजकर चार मिनट पर इसरो ने चंद्रयान-3 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करवाकर इतिहास रच दिया। भारत चांद की सतह को छूने के मामले में चौथा देश बन गया है। इससे पहले अमेरिका, चीन और रशिया चांद की सतह को छूने में कामयाब हो चुका है। वहीं, भारत चंद्रयान-3 की चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड करवाने के मामले में पहला देश बन गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार : आलिया...

स्टार अल्लू अर्जुन के हाथ लगा।

बेस्ट एक्ट्रेस : आलिया भट्ट (गंगुबाई काठियावाड़ी), कृति सेनन (मिमि), बेस्ट एक्टर : अल्लू अर्जुन (पुष्पा), बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर : श्रेया घोषाल (तमिल), बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस : पल्लवी जोशी (द कश्मीर फाइल्स), बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर : पंकज त्रिपाठी (मिमी)।

बेस्ट फीचर फिल्म

बेस्ट मिशिंग फिल्म : बूम्बा राइड, बेस्ट आसामी फिल्म : अनूर, बेस्ट बंगाली फिल्म : कलकोक्खो-हाउस ऑफ टाइम, बेस्ट हिंदी फिल्म : सरदार उधम।

नेशनल फीचर फिल्म

बेस्ट गुजराती : छेल्लो शो, बेस्ट कन्नड़ फिल्म : 777 चार्ली, बेस्ट मैथिली फिल्म : समांतर, बेस्ट मराठी फिल्म : एकदा के जाला।

नॉन फीचर स्पेशल मेंशन

बाले बांगरा : अनिरुद्ध जातकर, करुवरई : श्रीकांत देवा, दे हिलींग टच : श्वेता कुमार दास, एक दुआ : राम कमल मुखर्जी।

बेस्ट नेरेशन व्यॉसऑवर

हटी बॉन्धू, कुल्हाड़ा कुमार भट्टाचार्यजी।

बेस्ट एडिटिंग

इफ मैमोरी सर्वस बी राइट (इंग्लिश) : अभरो बेनर्जी

क्रिटिक्स स्पेशल मेंशन

सुब्रमण्य बदूर : कन्नड़

बेस्ट फिल्म क्रिटिक

पुरुषोत्तम चार्युलु : तेलुगू

बेस्ट बुक ऑन सिनेमा

म्यूजिक लक्ष्मीकांत प्यारेलाल : द इंक्रेडिबली मेलोडियस जर्नी, ऑथर : राजीव विजयकर, पब्लिशर : रुपा पब्लिकेशन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

टेक्निकल अवॉर्ड्स

बेस्ट स्टंट : आरआरआर, बेस्ट कोरियोग्राफी : आरआरआर, बेस्ट स्पेशल इफेक्ट्स : आरआरआर, स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड : शेरशाह (डायरेक्टर विशनू वर्धन), बेस्ट लिरिक्स : कोंडा पोलम (लिरिसिस्ट चंद्र बोस), बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन : पुष्पा (देवी श्री प्रसाद), बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट : गंगूबाई काठियावाड़ी (प्रीतिशील सिंह डिसूजा), बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर : सरदार उधम (वीराकपूर ई), बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन : दिमित्री और मानसी, बेस्ट एडिटिंग : गंगूबाई काठियावाड़ी (संजय लीला भंसाली), बेस्ट स्क्रीनप्ले : नयातु (मलयालम) गंगुबाई काठियावाड़ी (हिंदी), बेस्ट सिनेमाटोग्राफी : सरदार उधम, बेस्ट फिल्म : रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट। पंकज त्रिपाठी को *मिमी* के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक कलाकार और पल्लवी जोशी को द *कश्मीर फाइल्स* के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। विवेक रंजन अग्निहोत्री के निर्देशन वाली द *कश्मीर फाइल्स* ने राष्ट्रीय एकीकरण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार भी जीता। दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार *आरआरआर* के तेलुगु संस्कार को दिया गया है।

ब्रिक्स समूह में ...

चीन ब्रिक्स समूह का एक अहम हिस्सा है। ऐसे में चीन अपने दोस्त पाकिस्तान को इस बार ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान समूह का हिस्सा बनाने की कोशिश करता रहा है। हालांकि भारत ब्रिक्स में पाकिस्तान की एंट्री नहीं चाहता है। पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आवेदन तो नहीं किया है, लेकिन उसने कई बार विभिन्न मंचों के माध्यम से इसका हिस्सा बनने की अपनी इच्छा जाहिर की है। पाकिस्तान ब्रिक्स में एंट्री के लिए क्यों बैचेन है, इसके पीछे कई कारण है। ब्रिक्स की मीटिंग से पहले चीन ने हमारे साथ बैठक की, लेकिन सिर्फ एक देश की वजह से पाकिस्तान इस संगठन की बैठक में शामिल नहीं हो पाया। 27 जून 2022 को ये बात पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कही थी। भले ही पाकिस्तान ने किसी देश का नाम नहीं लिया हो, लेकिन इशारा भारत की तरफ था। इस बयान के ठीक एक साल बाद अब एक बार फिर से पाकिस्तान ने ब्रिक्स (ब्रिक्स) में शामिल होने की इच्छा जताई थी। ये वही संगठन है जिसके मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में पाकिस्तान को आतंकवाद की मां बताया था। फाइनेंस सबसे बड़ी वजह है। ब्रिक्स सीधे तौर पर दुनिया का सबसे संपन्न माने जाने वाले आर्थिक संगठन जी7 को टक्कर देता है। जीडीपी पर क्रय शक्ति के मामले में चीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, भारत तीसरी, रूस छठी और ब्राजील आठवीं है। सारे ब्रिक्स देशों की दुनिया की जीडीपी में 31.5 फीसदी की हिस्सेदारी है। ऐसे में पाकिस्तान को इसमें शामिल करने से संगठन आर्थिक रूप से कमजोर होगा। पाकिस्तान के ब्रिक्स में शामिल होने से संगठन की हालत सार्क (सार्क) जैसे न हो जाए। दरअसल, सार्क संगठन साउथ एशियाई देशों में तालमेल बैठाने के लिए बनाया गया था। भारत, पाकिस्तान, अफागिस्तान, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका इसके सदस्य देश हैं। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सख्त मतभेदों की वजह से संगठन ठीक से काम नहीं कर पाता है। जिससे उसकी अहमियत पर सवाल खड़े होते हैं। तीसरी और आखिरी वजह पाकिस्तान की विदेश नीति है। जो कंक्रीट नहीं है। बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक पाकिस्तान इस्लाम के मान पर पार्टनर ढूंढता है। फिर उनसे मदद मांगता है। कई एक्सपर्ट्स पाकिस्तान को कर्ज जीवी यानी कर्ज के सहारे जीने वाले। ऐसे में उसे ब्रिक्स देशों में जगह नहीं मिल सकती है।

टीवीएस शोरूम में ...

अधिकारियों ने बताया कि प्री-फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर के कारण आग तेजी से फैली। चूंकि गोदाम में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन भी रखे हुए थे, इससे आग और अधिक फैल गई। शोरूम, गोदाम और सर्विस सेंटर एक ही जगह पर थे, इसलिए वहां बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन खड़े थे। यह विजयवाड़ा और संयुक्त कृष्णा जिले में टीवीएस वाहनों का मुख्य केंद्र था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों को संदेह है कि जब कुछ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को चार्ज किया जा रहा था, तो शॉर्ट सर्किट हुआ। जिला अग्निशमन अधिकारी सनकाराव ने कहा कि जब हम पहुंचे तो शोरूम पूरी तरह से आग और धुएं में डूबा हुआ था।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(7)

जेहि आश्रय सब लोक को, थाम प्रजापति धार।
रचना विविध प्रकार के, महिमा अपरम् पार॥ 15॥

शब्दार्थ : (आश्रय) आधार (थाम) खंभ, अबलंब, स्थिर (धार) प्रवाह धारण।

भाष्य : जिसके आधार पर समस्त लोकों को प्रजापति धारण कर या थामकर विविध प्रकार की रचना करता है। उसकी अपार महिमा है।

हिरणमयगर्भ रचना करे, जेहि आश्रित मम देव।
चेतन शब्द स्वरूप है, सब देवन का देव॥ 16॥

शब्दार्थ : (आश्रित) अवलंबित (हिरण्यगर्भ) प्रकाशमान अक्षर (चेतन शब्द) नि:शब्द, परम पुरुष।

भाष्य : जिसके आश्रित हो कर हिरण्यगर्भ समस्त सृष्टि की रचना करता है, वह मेरा चेतन देव शब्दस्वरूप है और सब देवों का देव है।

लंबित पेंशन राशि को तत्काल जारी करने की मांग

इटानगर (हिंस)। अखिल अरुणाचल प्रदेश दिव्यांगजन लाभार्थी समिति ने राज्य सरकार विशेषकर सामाजिक न्याय अधिकारिता और जनजातीय मामलों के विभाग (एसजेईटीए) को लंबित पेंशन राशि को तत्काल जारी करने की मांग करते हुए 14 दिनों का अल्टिटिमेटम दिया है। आज अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष निडो तेजी ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार उन्हें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के साथ-साथ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना भी दे रही है और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना भी सालाना देती है, जिसके तहत महीने में 1700, 1500 और 1300 रुपए का भुगतान होता है। यह रकम सामाजिक न्याय अधिकारिता और जनजातीय मामले विभाग (एसजेईटीए) के माध्यम से दिया जाता है, लेकिन पिछले पांच वर्षों से हम देख रहे है कि विभाग हमारी पेंशन राशि को उचित और व्यवस्थित रूप से जारी नहीं कर रहा है और आरटीआई दस्तावेजों के माध्यम से हमें पता चला है कि विभाग द्वारा वर्ष 2019 से 2022 तक उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्रस्तुत नहीं करने और लाभार्थी की सूची प्रस्तुत नहीं करने के कारण, केंद्र सरकार ने इन परियोजनाओं के लिए राज्य को धन का आवंटन नहीं किया है। जबकि, राज्य सरकार वर्ष 2020 -21 को छोड़कर अन्य वर्षों में सभी चार योजनाओं के लिए राशि भेज रही है। लेकिन वर्ष 2018-19 में विभाग ने विकलांग और विधवा व्यक्तियों को पेंशन वितरित की है, लेकिन वृद्धावस्था 60 से 79 वर्ष और वृद्धावस्था श्रेणी 80 वर्ष के लोगों को नहीं दी गई है। और 2019 -20 में 60 से 79 वर्ष की आयु और 80 वर्ष की आयु वर्ग के वृद्धों को वार्षिक पेंशन वितरित किया गया हैं, लेकिन विभाग ने विकलांगों और विधवा व्यक्तियों के पेंशन का वितरण नहीं किया और एवं वर्ष 2022-23 में संवितरण प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि हमने देखा और गणना की कि लगभग 200 करोड़ राशि अभी भी लंबित है और सभी चार योजनाओं का धन लाभार्थियों को वितरण करना है, हम आशा करते हैं कि सारी राशि विभाग में जमा है, इसलिए हमने राज्य सरकार और संबंधित विभाग से 14 दिनों के भीतर सभी लाभार्थियों को तुरंत राशि वितरित करने का अनुरोध किया, यदि ऐसा नहीं हुआ तो हम विभाग के खिलाफ लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस संबंध में राज्य के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया है और राज्य सरकार से अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है।

मंगलदै में फिर टूटा नोवा नदी का तटबंध

दरंग (हिंस)। मंगलदै में फिर से कमारपारा में नोवा नदी पर बना तटबंध टूट गया है। इसके चलते कमारपारा, गोसाईंगांव, कपालीबस्ती, मोवामारी समेत कई गांव जलमग्न हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि अभी एक माह पहले ही इस स्थान पर तटबंध टूटा था। उस समय जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका, चंद्र मोहन पटवारी ने निरीक्षण करने के बाद स्थानीय विधायकों और जिला प्रशासन के साथ बैठक की थी। इसके बाद टूटे तटबंध का पुनर्निर्माण किया गया था। जिससे स्थानीय लोगों के जान-माल की सुरक्षा हो सकी थी। लेकिन, बुधवार रात को एक बड़ा इलाका जलमग्न हो गया। क्योंकि, तटबंध फिर से उसी स्थान पर टूट गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि तटबंध फिर से उसी स्थान पर टूट गया, क्योंकि काम की गुणवत्ता ठीक नहीं थी। इसका निर्माण मंगलदै जल संसाधन विभाग द्वारा 30 लाख रुपए की लागत से किया गया था।

जरूरतमंद को लायंस उमंग ने दी सिलाई मशीन

कई स्थानों पर निशुल्क मधुमेह व उच्च रक्तचाप जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के साथ-साथ गरीबों को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग की ओर से जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन उपलब्ध कराई गई ताकि वह अपने परिवार का भरण पोषण अच्छी तरीके से कर सके क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में एक परिवार को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सिलाई मशीन दी गई, जिसमें जिलापाल प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका की ओर से आर्थिक सहयोग दिया गया। इसके अलावा क्लब की ओर से चार अलग-अलग स्थान पर निश्शुल्क मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप शिविरों का आयोजन किया गया। इनमें पहला शिविर नारंगी स्थित एचडीएफसी बैंक, द्वितीय नारंगी एलजी टावर, तृतीय निजरापार उन्नयन समिति व चतुर्थ क्रिया लक्ष्मी मंदिर पथ में आयोजित किया गया, जहां सैकड़ो की संख्या में लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। इस पूरे कार्यक्रमों को संपादित करने में क्लब की ओर से अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, संतोष मिंडा, कुसुम जैन, सरोज जालान, निभा सराफ, अंजू अग्रवाल, सविता गोयल सहित सभी सदस्ययाओ का भरपूर सहयोग रहा।

मछली पकड़ने गए युवक की तालाब में डूबकर मौत

नगांव (हिंस)। जिले के कोलियाबर के नलतली में आज मछली पकड़ने गए एक युवक की तालाब में डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान नलतली गांव के जगदीश दास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार जगदीश दास सुबह तालाब में मछली पकड़ने गया था। लेकिन, पानी अधिक होने की वजह से वह तालाब में डूब गया। युवक के डूबने की सूचना अविलंब थाने में दी गई। तत्काल ही घटनास्थल पर एसडीआरएफ की टीम के साथ पहुंचे पुलिस ने इस संदर्भ में तलाशी अभियान शुरू कर दी। काफी मशक्कत के बाद मृतक का शव एसडीआरएफ बल द्वारा बरामद किया गया। इस सिलसिले में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे के कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

मंत्री पीयूष ने किया जोनबिल मेला के गेस्ट हाउस का उद्घाटन

मोरीगांव (हिंस)। राज्य के जल संसाधन, सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज विश्व प्रसिद्ध जोनबिल मेला परिसर में नवनिर्मित गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया। इस आशय की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए देते हुए मंत्री ने कहा कि मैंने (मंत्री) वर्ष 2016-17 के लिए असम सरकार द्वारा आवंटित अनटाइड फंड से जोनबिल मेले में नवनिर्मित गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया। मुझे (मंत्री को) उम्मीद है कि आनेवाले दिनों में यह गेस्ट हाउस पर्यटकों और जोनबिल मेले के मेहमानों के लिए मददगार साबित होगा। इस कार्यक्रम में मध्य असम के तिवा राज्य के गोभा राजा दीपसिंह के साथ असम राज्य परिवहन निगम के उपाध्यक्ष प्रणब ज्योति लहकर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

राज्यपाल ने मालिनीथान मंदिर का किया दौरा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने आज लोवर सियांग जिले के लिकाबाली के मालिनीथान मंदिर का दौरा किया। उन्होंने खुदाई में मिले मंदिर के अवशेषों को देखा, जबकि अरुणाचल प्रदेश सरकार के अनुसंधान निदेशालय के अनुसंधान तकनीकी सहायक, बुरु ताकी ने उन्हें पुरातात्विक स्थल और नई खोजों के बारे में जानकारी दी। पुरातत्वविदों के अनुसार, ग्रेनाइट की मूर्तियां 14वीं शताब्दी के आसपास की मानी जाती हैं। संरक्षित मूर्तियों में से कुछ ऐरावत पर इंद्र, रथ पर सूर्य और भव्य नंदी बैल की हैं। देवी दुर्गा को समर्पित मंदिर की वास्तुकला पूर्वी भारत के मंदिरों के समान है राज्यपाल ने मंदिर परिसर में सरकारी अधिकारियों, मंदिर के पुजारियों और गांव बूढ़ा के साथ बातचीत की और मंदिर में प्रार्थना की। उन्होंने स्मारक की देखभाल करने वाली सोसायटी की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि मालिनीथान मंदिर एक पवित्र और संरक्षित स्मारक है। उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश में आने वाले पर्यटकों के लिए एक बड़ा पर्यटक आकर्षण है, साथ ही उन्होंने स्थानीय विधायक कार्डो न्याग्योर और उपायुक्त लोवर सियांग मार्टो रीबा को मंदिर परिसर को और अधिक सुंदर बनाने और मंदिर में आगंतुकों और भक्तों की संख्या बढ़ाने के लिए स्वच्छता बनाए रखने का सुझाव दिया।

बंगाईगांव रिफाइनरी की *आरोहण* योजना, छात्रों के लिए प्लांट प्रदर्शनी का आयोजन

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव रिफाइनरी ने जिला प्रशासन, चिरांग के सहयोग से *आरोहण* योजना के तहत कक्षा-नौवीं के छात्रों और मेंटर के लिए प्लांट की प्रदर्शनी का आयोजन किया। रिफाइनरी के सूत्रों ने आज बताया है कि बीते बुधवार की शाम को कार्यक्रम की शुरुआत डीजीएम (सुरक्षा) मुस्कान बोड़ो के स्वागत भाषण से हुई। चिरांग के अतिरिक्त जिला आयुक्त अरूप चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए रिफाइनरी प्रदर्शनी और भ्रमण से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। चौधरी ने आरोहण योजना के बारे में भी बताया, जिसका उद्देश्य छात्रों के लिए औद्योगिक प्रक्रिया पर ज्ञान को बढ़ाना है ताकि वे बेहतर शैक्षणिक करियर के लिए अपने आप को ढाल सकें। वरिष्ठ तकनीकी सेवा प्रबंधक नीरज बोरा ने छात्रों और मेंटर को रिफाइनरी प्रक्रिया प्रवाह और बंगाईगांव रिफाइनरी के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी। बोरा ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया। कार्यक्रम में जीएम (ईएमएस) केशव चंद्र दैमारी, चिरांग जिले के सहायक आयुक्त भास्कर डेका और बीटीआर और चिरांग जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। *आरोहण* असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। सुदूर, ग्रामीण और गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली छात्रों को उचित सलाह और निगरानी के लिए इस योजना को शुरू किया गया है।

मेघालय में पब्लिक हियरिंग के दौरान विरोध, लाठीचार्ज

जोवाई (मेघालय) (हिंस)। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स में मेघालय सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा संचालन के विस्तार के संबंध में एक सार्वजनिक सुनवाई के दौरान आज हिंसा भड़क उठी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। जानकारी के अनुसार, सुनवाई का दो गुटों द्वारा विरोध किया जा रहा था। मेघालय सीमेंट्स लिमिटेड को अपने सीमेंट क्लिंकराइजेशन प्लांट का विस्तार करने के लिए राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण से पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। हालांकि, दबाव समूहों ने कहा कि इसका एक बड़ा पर्यावरणीय प्रभाव होगा और जल स्रोत और खेत नष्ट हो जाएंगे। उनका कहना था कि सीमेंट फैक्ट्री के लगने से यहां का पर्यावरण पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। रहने लायक स्थिति नहीं बचेगी। वहीं, दूसरी ओर भूमिगत जल भी नष्ट हो जाएगा।

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से लेडी डॉक्टर का शव बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल के हॉस्टल से एक जूनियर लेडी डॉक्टर का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने आज मीडिया को बताया कि यह शव मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के कमरे में लटका हुआ बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार हॉस्टल में रहने वाली अन्य जूनियर डॉक्टरों ने मृतक डॉक्टर को लटकते हुए देखकर इसकी सूचना दी। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा। मृतक लेडी डॉक्टर का नाम दीया दैमारी बताया गया है। मृतक दैमारी नगांव मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में सर्जन थी। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मृतक महिला डॉक्टर का घर गुवाहाटी के बोरागांव में बताया गया है।

मायुमं रंगिया की अमृत शक्ति शाखा की स्थापना व शपथ विधि समारोह का आयोजन

रंगिया (विभास)। आज मारवाड़ी युवा मंच रंगिया अमृत शक्ति शाखा की विधिवत स्थापना व शपथ विधि समारोह का आयोजन स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर के प्रथम तल्ल गोयंका सत्संग हॉल में किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के मंडल जी के उपाध्यक्ष विनीत हरलालका ने की। सभा में मायुमं रंगिया के अध्यक्ष आशिक सुरेका, प्रांतीय संगठन विस्तार चेयरमैन सरजीत सिंह भारी, मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा, मंडलीय सहायक मंत्री दीपेश अग्रवाल, प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी सैंकी अग्रवाल, प्रांतीय रक्तदान संयोजक राहूल चमड़िया ने भाग लिया। सभा की उदघोषिता सुषमा सीकरिया ने श्री गणेश वंदना के बाद प्रदेशीय गीत के साथ की गई। सभी अतिथियो का अभिनंदन फूलाम दुपट्टा से किया गया। वही सभा में उपस्थित मायुमं रंगिया शाखा के पूर्व अध्यक्षजनों शंकरलाल शर्मा, महेश सीकरिया, पवन अग्रवाल, प्रद्युमन जैन, गोपाल जाजोदिया, अनुप जाजोदिया, कैलाश छित्रका, व जितेंद्र जाजोदिया के साथ संस्थापक सचिव प्रमोद अग्रवाल का दुपट्टा से अभिनंदन किया गया। सभा में उपाध्यक्ष श्री हरलालका ने मंडल में उनके कार्यकाल में प्रथम नव शाखा खुलने का बताते हुवे आगामी कार्यक्रम पर चर्चा व जानकारी दी तथा निरंतर कार्यशील रहकर राष्ट्रीय व प्रांतीय रिपोर्ट, मासिक कार्यकारिणी सभा, सदस्यो की ट्रेनिंग, सभी का सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद शपथ संचालन किया गया। प्रांतीय महामंत्री द्वारा सर्वप्रथम सभी को सदस्यतापाठ करवाया गया। इसके बाद अध्यक्षा ज्योति अग्रवाल, सचिव शिखा नथानी, कोषाध्यक्ष रिंकू जाजोदिया, उपाध्यक्ष पूजा सीकरिया, सह सचिव सुषमा सीकरिया, कार्यकारिणी सदस्य मोनिका अग्रवाल, दुर्गा जाजोदिया, मोनिका छित्रका, रेखा मौर को पद व गोपनीयता की शपथ पाठ करवाया गया। प्रांत की ओर से फूलाम गामोछा व नियुक्ति पत्र, मंच डायरी व बैच प्रदान किया गया। विभिन्न वक्ताओं ने अपने कथन में नयी समिति को बधाई देते हुवे सहयोग का आश्वासन दिया। प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने गुवाहाटी ग्रेटर के संस्थापक सचिव से आरंभ होकर आज प्रांतीय अध्यक्ष पद तक के सफर का उल्लेख कर एक लघुकथा के माध्यम से कार्य की महत्ता को बताया। सहयोग का आश्वासन के साथ मैं नही हम बनकर कार्य करने पर बल दिया। बेटी ब्याओ और बहू को पढ़ाओ मिशन पर प्रकाश देते हुवे आगामी नये प्रांतीय व राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रांतीय समिति में जितेन्द्र जाजोदिया को प्रकाशन समिति सदस्य तथा गोपाल जाजोदिया को कॉर्डिनेटर प्रांतीय सहयोग पत्र समिति एवं प्रांतीय मंडल जी हेतु कार्यकारिणी समिति सदस्य के रूप में नियुक्ति व शपथपाठ करवाया गया। सभासदो के वक्तव्य के बाद राष्ट्रीय गीत के साथ सभा समाप्त की गई।

हाटशिंगीमारी में 3 फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। जिले के हाटशिंगीमारी के फेकामारी में पुलिस ने तीन फर्जी पत्रकारों को गिरफ्तार किया है। फर्जी पत्रकारों को खारुवाबांधा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए फर्जी पत्रकारों में आखिरुल इस्लाम, जॉन बाबू और सुदीप महंत शामिल हैं। गिरफ्तार आखिरुल इस्लाम और जॉन बाबू ने खुद समाचार एंकर, पत्रकार और संपादक के रूप में पहचान पत्र बनाए थे। पुलिस ने चैनल के सीईओ के रूप में सुदीप महंत द्वारा बनाए गए पहचान पत्र जब्त कर लिया है। तीनों पर एक चैनल के नाम से पहचान पत्र बनाकर एक शिक्षक से पैसे मांगने का आरोप है। पुलिस ने शिक्षक की शिकायत के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस इन सभी से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है।

विश्वनाथ महकमाधिपति सभागृह में विद्यार्थियों का आरोहण कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। असम सरकार के आरोहण कार्यक्रम के अधीन में मुख्य परामर्शदाता के साथ आज विश्वनाथ प्रशासन के सौजन्य में छात्र - छात्राओं के मत विनिमय (वार्तालाप) और मध्याह्नभोजन का एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिश्वनाथ महकमाधिपति सभागृह में मत विनिमय कार्यक्रम(वर्तालाप) में विश्वनाथ अतिरिक्त जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव और अतिरिक्त जिला आयुक्त (शिक्षा) ध्रुवज्योति दास ने बिश्वनाथ शिक्षा प्रखंड के 33 छात्रों, छयदुवार शिक्षा प्रखण्ड के 47 छात्रों और बिहाली शिक्षा प्रखण्ड के 21 छात्रों के साथ पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विद्यार्थी के विभिन्न शैक्षणिक विषय में वार्तालाप हुए आज के इस विशेष कार्यक्रम में विश्वनाथ प्रशासन के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इधर इसके बाद इस कार्यक्रम बिश्वनाथ कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में छात्रों ने भाग लिया और शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

एमेजॉन इंडिया लगातार मशीन लर्निंग का भविष्य सुनिश्चित कर रहा है

मशीन लर्निंग समर स्कूल का तीसरा संस्करण किया लांच

गुवाहाटी। आज एमेजॉन इंडिया ने मशीन लर्निंग (एमएल) समर स्कूल का तीसरा संस्करण लॉन्च किया; यह एक इमर्सिव प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एमेजॉन के वैज्ञानिकों द्वारा मशीन लर्निंग टेक्नॉलॉजी सीखने का अवसर प्रदान करना और उन्हें मशीन लर्निंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए तैयार करना है। यह नि:शुल्क शैक्षणिक कोर्स सितंबर में चार वीकेंड्स तक आठ मॉड्यूल्स में चलाया जाएगा, और विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के मुख्य बिंदुओं को समझने व सीखने का अवसर देगा। इनमें सुपरवाईज़्ड लर्निंग, डीप न्यूरल नेटवर्क्स, प्रोबेबिलिस्टिक ग्राफिकल मॉडल्स, डायमेंशनलिटी रिडक्शन, और अनसुपरवाईज़्ड लर्निंग शामिल हैं, जो सैद्धांतिक अवधारणाओं और प्रायोगिक अनुप्रयोगों में मजबूत आधार बनाने पर केंद्रित हैं। एमेजॉन में वाईस प्रेसिडेंट-इंटरनेशनल मशीन लर्निंग, राजीव रस्तोगी ने कहा कि एमेजॉन मशीन लर्निंग समर स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों को एमएल टेक्नोलॉजी का एक मजबूत आधार प्रदान करना है ताकि वो एकेडमिक्स से ऊपर उठकर एमएल के क्षेत्र में अपना करियर बना सकें। हम प्रतिभागी विद्यार्थियों को मूलभूत तत्वों से लेकर अत्याधुनिक तकनीक तक विस्तृत विषयों का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करना चाहते है, ताकि आधुनिक मशीन लर्निंग की उनकी बुनियादी मजबूत बने। ट्यूटोरियल के सत्रों में सैद्धांतिक और प्रायोगिक ज्ञान के सत्र हैं, जो एमेजॉन में मशीन लर्निंग के वैज्ञानिकों द्वारा लिए जाते हैं, जो अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे इस प्रोग्राम को विद्यार्थियों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है, जिसने हमें इस प्रोग्राम को ज़्यादा मजबूत और उपयोगी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह प्रोग्राम मशीन लर्निंग में उत्कृष्टता का विकास करने और युवा प्रतिभाओं में एप्लाईड साईंस के कौशल का विकास करने का एक मंच है। सैद्धांतिक ज्ञान की पारंपरिक विधि से अलग, एमेजॉन के एमएल समर स्कूल में अनुप्रयोग पर केंद्रित अद्वितीय अध्ययन प्रणाली मिलती है। यहां विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान दिया जाता है, बल्कि वो प्रायोगिक अनुभव भी प्राप्त करते हैं, ताकि वो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। इस प्रोग्राम के विशेष पाठ्यक्रम में व्यावहारिक अनुप्रयोग विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ व्यवहारिक कौशल भी देते हैं। इसके अलावा, एमेजॉन का एमएल समर स्कूल विश्वविद्यालयों में विज्ञान के मौजूदा पाठ्यक्रम और उद्योग के रुझानों में तालमेल बिठाता है, और विभिन्न एमएल पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने को प्राथमिकता देता है। 2021 में अपने पायलट प्रोजेक्ट के बाद एमेजॉन एमएल समर स्कूल ने तेजी से विकास करते हुए असाधारण वृद्धि की है। इसके पहले प्रोग्राम में 3500 से ज़्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से सर्वोच्च 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रोग्राम में शामिल किया गया। इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, 2022 में इस प्रोग्राम में भारत में 17500 से ज़्यादा इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराए। इनमें से 2,880 विद्यार्थियों को इस प्रोग्राम में प्रवेश दिया गया। इस साल और ज़्यादा विस्तार करते हुए इस प्रोग्राम में भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान में पढ़ रहे इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को शामिल कुआ जा रहा है, जिससे कक्षा का आकार और ज़्यादा बड़ा होगा। मशीन लर्निंग समर स्कूल में भारत के किसी भी मान्यताप्राप्त संस्थान में पढ़ रहे और 2024 या 2025 में ग्रेजुएट हो रहे बैचलर/मास्टर्स/पीएचडी डिग्री के सभी विद्यार्थी हिस्सा ले सकते हैं। पात्र विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के मूलभूत सिद्धांतों और मैथ्स के बुनियादी तत्वों, जैसे प्रोबेबिलिटी, स्टेटिस्टिक्स, और लीनियर एलजेब्रा पर केंद्रित ऑनलाईन मूल्यांकन में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इस मूल्यांकन में सर्वोच्च 3000 विद्यार्थियों का नामांकन मशीन लर्निंग समर स्कूल के लिए किया जाएगा। ये विद्यार्थी चार वीकेंड्स तक क्लासरूम सत्रों में आठ मॉड्यूल पूरे करेंगे, हर सत्र के बाद एक लाईव प्रश्नोत्तर सत्र एमेजॉन के वैज्ञानिकों द्वारा लिया जाएगा। एमेजॉन एमएल समर स्कूल जैसे-जैसे अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, वैसे-वैसे एमेजॉन इंडिया मशीन लर्निंग में उत्कृष्टता का निर्माण करने और टेक्नोलॉजी उद्योग में भविष्य के नेतृत्वकर्ता तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। एमेजॉन एमएल समर स्कूल के बारे में ज़्यादा जानकारी के लिए क्लिक करें।

भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जा रहा : प्रधानमंत्री

- प्रधानमंत्री ने जी 20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि पिछले नौ साल में भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक आशावाद और विश्वास बढ़ा है। उसी के परिणाम स्वरूप आज भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री आज वीडियो लिंक के माध्यम से राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित जी 20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा, "हमने 2014 में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की यात्रा शुरू की।" उन्होंने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल के साथ देश में नीति स्थिरता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सरकार अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सभा को संबोधित करते हुए

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलाबी शहर जयपुर अपने गतिशील और उद्यमशील लोगों के लिए जाना जाता है। व्यापार ने विचारों, संस्कृतियों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है।

मोदी ने कहा, "व्यापार और वैश्विकरण ने करोड़ों लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है।" महामारी से लेकर भू-राजनीतिक तनाव तक मौजूदा वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि जी 20 देशों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने लचीली और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखला बनाने पर जोर दिया जो भविष्य के झटकों को झेल सके। प्रधानमंत्री ने "डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क" का उल्लेख करते हुए इसे एक गेम-चेंजर बताया जो डिजिटल मार्केटप्लेस इको-सिस्टम का लोकतंत्रीकरण करेगा। उन्होंने कहा, "हमने भुगतान प्रणालियों के लिए अपने एकीकृत भुगतान इंटरफेस के साथ पहले ही ऐसा कर लिया है।" डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं और ई-कॉमर्स के उपयोग से बाजार पहुंच बढ़ाने की क्षमता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि समूह "व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए उच्च-स्तरीय सिद्धांतों" पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ये सिद्धांत देशों को सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार उपायों को लागू करने और अनुपालन बोझ को कम करने में मदद कर सकते हैं। सीमा पार ई-कॉमर्स में वृद्धि की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने बड़े और छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का सुझाव दिया। उन्होंने उचित मूल्य खोज और शिकायत प्रबंधन तंत्र में उपभोक्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं में विश्वास बहाल करना एक परिवार के रूप में जी 20 सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वैश्विक व्यापार प्रणाली को धीरे-धीरे अधिक प्रतिनिधिक और समावेशी भविष्य में परिवर्तित करने को सुनिश्चित करने के लिए कार्य समूह सामूहिक रूप से आगे बढ़ेगा।

जी-20ः मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार गोलमेज सम्मेलन गांधीनगर में 27 से 29 अगस्त तक

गांधीनगर, (हि.स.)। जी-20 के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकारों का गोलमेज सम्मेलन 27 से 29 अगस्त तक गुजरात के गांधीनगर स्थित लीला होटल में आयोजित किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस बैठक में जी-20 के सदस्य देशों और कुछ विशेष आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि 27 अगस्त को लीला होटल में सउदी अरब, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के अधिकारियों के साथ तीन द्विपक्षीय बैठकें आयोजित होंगी। महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर (एमएमसीसी) के बोर्डरूम में चौथी द्विपक्षीय बैठक दोपहर 02.15 से 02.45 बजे के दौरान आयोजित होगी। इन बैठकों के सम्पन्न होने के बाद विदेशों से आए प्रतिनिधि गुजरात की समृद्ध विरासत का अनुभव लेने के लिए मेहसाणा ज़िले में मोढेरा स्थित सूर्य मंदिर की यात्रा करेंगे। 28 अगस्त को होटल लीला में वन हेल्थ विषय पर बैठक शुरू होगी। इसके बाद महात्मा मंदिर के बोर्डरूम में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकारों की बैठक शुरू होगी। गुजरात की ग्रामीण विकास विभाग की प्रधान सचिव मोना खंधार का स्वागत भाषण होगा। केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार अजय के. सूद भी बैठक को संबोधित करेंगे। इसके बाद बैठक का प्रथम सत्र आयोजित होगा। प्रथम सत्र का विषय अधिक बेहतर रोग नियंत्रण तथा महामारी की तैयारियों के लिए वन हेल्थ में व्याप्त अवसर है। अधिकारियों ने बताया कि बैठक का दूसरा सत्र विद्वान वैज्ञानिक ज्ञान के एक्सेस को विस्तृत करने के लिए वैश्विक प्रयासों को समन्वित करना विषय पर आयोजित होगा। भोजन एवं विश्राम के बाद तीसरा सत्र आयोजित होगा। यह सत्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में विविधता, समानता, समावेश तथा सुलभता विषय पर होगा। चौथा सत्र समावेशिता, सतत एवं कार्योन्मुखी वैश्विक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति संवाद के लिए एक संस्थागत प्रणाली विषय पर होगा। अजय के. सूद समापन सत्र को संबोधित करेंगे। एमएमसीसी परिसर में शाम 6 से 6.45 बजे तक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में देश-विदेश से पधारे प्रतिनिधियों के लिए समापन दिवस पर 29 अगस्त को तड़के विशेष हेरिटेज वॉक का भी आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री शिवराज का बड़ा ऐलान, पांढुर्णा बनेगा प्रदेश का 55वां जिला

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पांढुर्णा प्रदेश का 55वां जिला बनेगा। इस नवीन जिले में पांढुर्णा, सौंसर तहसील और नांदनवाड़ी उप तहसील को मिलाया जाएगा। इसके आलावा मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक की तर्ज पर जाम सावली हनुमान मंदिर में "श्री हनुमान लोक" का निर्माण किया जाएगा। लगभग 26.50 एकड़ क्षेत्र में प्रथम चरण में 35 करोड़ रुपये से अधिक लागत से "श्री हनुमान लोक" के निर्माण का कार्य आरंभ होगा। मुख्यमंत्री चौहान ने गुरुवार को छिंदवाड़ा जिले के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर जाम सावली में श्री हनुमान लोक का विधि-विधान से भूमि पूजन कर यह घोषणा की तथा मंदिर में श्री बजरंग बली के दर्शन पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की। इस मौके पर कृषि मंत्री तथा छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल साथ थे। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में बन रहे "श्री हनुमान लोक" में प्रथम चरण में मराठवाड़ा वास्तुकला से

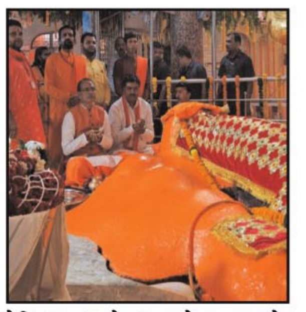

प्रेरित भव्य प्रवेश द्वार से भगवान के विराट स्वरूप की छवि दिखेगी। मुख्य प्रवेश द्वार से प्रथम प्रांगण तक 500 मीटर लंबा चिरंजीवी पथ बनेगा। चिरंजीवी पथ और प्रथम प्रांगण के 90 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में कलाकृतियों के माध्यम से अंजनी पुत्र हनुमान जी के बाल स्वरूप का मनोहारी चित्रण होगा। लगभग 62 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में मूर्तियों एवं कलाकृतियों के माध्यम से भक्त शिरोमणी हनुमान जी के भक्ति स्वरूप का चित्रण। रामलीला एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए जलाशय के तट पर 12 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में मुक्ताकाश मंच बनेगा। संजीवनी बूटी लाने वाले भगवान के संकटमोचक स्वरूप से प्रेरणा लेकर परिसर में आयुर्वेदिक चिकित्सालय बनाया जाएगा। श्री हनुमान लोक समीप बहने वाली नदी तट के सौंदर्यीकरण एवं लैंडस्केपिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं के बैठने आदि की व्यवस्था बनाई जाएगी। कम्युनिटी सेंटर, जन सुविधाएं, ट्रस्ट ऑफिस, प्रशासनिक कार्यालय एवं कंट्रोल रूम आदि 37 हजार वर्ग फुट में निर्मित किए जाएंगे। प्रसाद-पूजन सामग्री और भोजन आदि की व्यवस्था के लिए 120 दुकान एवं फूड कोर्ट बनेंगे। लगभग 400 चार पहिया एवं 400 दो पहिया वाहनों की क्षमता के लिए डेढ़ लाख वर्ग फुट क्षेत्र में पार्किंग विकसित की जाएगी। द्वितीय चरण में रामटेकरी पर्वत की परिक्रमा के लिए संजीवनी पथ का विकास, अष्टसिद्धि केंद्र एवं संस्कृत विद्यालय, योगशाला प्रवचन हॉल एवं ओपन एयर थियेटर, जाम नदी पर घाट निर्माण, वॉटर फ्रंट पाथ वे एवं सिटिंग एरिया, भक्त निवास, भोजनालय तथा गौशाला का निर्माण होगा।

अगले महीने लॉन्च होगा आदित्य मिशन : इसरो प्रमुख

नई दिल्ली, (हि.स.)। चंद्र मिशन की सफलता के बाद अब भारत जल्दी ही सूर्य के अध्ययन के सफर पर निकलेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) सूर्य के लिए आदित्य मिशन की तैयारी कर ली है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने गुरुवार को बताया कि आदित्य एल 1 सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष मिशन होगा। इसे अगले महीने यानी सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में लॉन्च किया जाएगा। इसका मकसद करीब से सूर्य का निरीक्षण, इसके वातावरण और चुंबकीय क्षेत्र के बारे में स्टडी करना है। एस सोमनाथ ने बताया कि सूर्य के लिए आदित्य मिशन सितंबर में लॉन्चिंग के लिए तैयार हो रहा है। इसके साथ

इसरो गगनयान पर भी तेजी से काम कर रहा है। कई परीक्षण के बाद संभवतः 2025 तक पहला मानवयुक्त मिशन पूरा किया जा सकता है। गगनयान मानवयुक्त अंतरिक्ष यान है, जिस पर इसरो कई सालों से काम कर रहा है।

कावेरी जल विवाद मामला : कर्नाटक ने सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु की मांग को बताया गलत

नई दिल्ली, (हि.स.)। कावेरी जल विवाद मामले में कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। कर्नाटक सरकार ने अपने हलफनामे में तमिलनाडु सरकार की अर्जी का विरोध करते हुए कहा है कि तमिलनाडु की मांग पूरी तरह से गलत है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस मामले पर सुनवाई के लिए बेंच गठित करने को कहा है। कर्नाटक सरकार का कहना है कि यह एक गलत धारणा पर आधारित है कि यह संकटग्रस्त साल नहीं है, बल्कि यह सामान्य बारिश का साल है। इस साल बारिश 25 फीसदी कम हुई है। यह पानी की कमी वाला साल है। जलाशयों का प्रवाह लगभग आधा हो गया है। ऐसे में तमिलनाडु हमें पानी छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। दरअसल, तमिलनाडु सरकार

ने अपनी याचिका में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुताबिक कर्नाटक सरकार पानी नहीं छोड़ रही है। कावेरी जल विवाद मामले पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी 2018 को कहा था कि कोई भी राज्य कावेरी नदी पर अपना दावा नहीं कर सकता है। तत्कालीन चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कावेरी वाटर ट्रिब्युनल के फैसले में संशोधन करते हुए आदेश दिया था कि कर्नाटक को 14.75 टीएमसी पानी ज्यादा मिलेगा, जबकि तमिलनाडु को 192 टीएमसी की जगह 177.25 टीएमसी पानी दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इसी फैसले को लागू करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल के पीएस का भी छिनेगा बड़ा घर

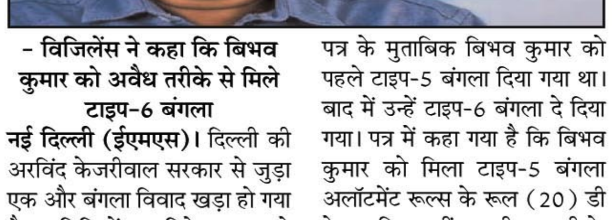

- विजिलेंस ने कहा कि बिभव कुमार को अवैध तरीके से मिले टाइप-6 बंगला

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार से जुड़ा एक और बंगला विवाद खड़ा हो गया है। विजिलेंस निदेशालय ने पीडब्ल्यूडी विभाग से कहा है कि हाउस अलाउटमेंट रूल्स का सही से पालन किया जाए और जो जिसके लिए हकदार है उसी श्रेणी का बंगला दिया जाए। विजिलेंस ने कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्राइवेट सेक्रेट्री बिभव कुमार को मौजूदा समय में अवैध तरीके से मिले टाइप-6 बंगले को रद्द करके टाइप-4 का बंगला आवंटित किया जाए। एक रिपोर्ट के मुताबिक विजिलेंस डिपार्टमेंट ने कहा है कि दिल्ली अलॉटमेंट ऑफ गवर्नमेंट रेजिडेंस, जनरल हाउजिंग पूल नियमों का उल्लंघन करते हुए कुमार को टाइप-6 बंगला दिया गया है, जबकि वह टाइप-4 बंगला पाने के हकदार हैं। पत्र के मुताबिक बिभव कुमार को पहले टाइप-5 बंगला दिया गया था। बाद में उन्हें टाइप-6 बंगला दे दिया गया। पत्र में कहा गया है कि बिभव कुमार को मिला टाइप-5 बंगला अलॉटमेंट रूल्स के रूल (20) डी के मुताबिक नहीं था। पीडब्ल्यूडी के सचिव ने 18 अगस्त 2016 को और बड़े बंगला आवंटित करने के लिए एलजी से मंजूरी मांगी थी। एलजी ने जवाब में नियम के मुताबिक ऐक्शन लेने को कहा था। बाद में कुमार को दिल्ली जल बोर्ड का टाइप-6 बंगला दे दिया गया, जबकि वह निकाय के पेरोल पर नहीं हैं। विजिलेंस विभाग ने कहा है कि एलजी ने टाइप-5 बंगले को भी मंजूरी नहीं दी थी। लेकिन अब उन्हें टाइप-6 बंगला दिया गया है, जो कि नियमों के खिलाफ है। विजिलेंस ने इस बंगले का आवंटन रद्द करते हुए टाइप-4 बंगला देने को कहा है। दिल्ली सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

तीनों सेनाओं के लिए 7,800 करोड़ रुपये से खरीदे जाएंगे हथियार, केंद्र सरकार की मंजूरी

- एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों के लिए खरीदे जाएंगे इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सुइट

- सेना के लिए 7.62७51 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) का प्रस्ताव आगे बढ़ा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए गुरुवार को लगभग 7,800 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। भारतीय वायु सेना की दक्षता बढ़ाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद को स्वीकृति दी गई है। सेना के लिए 7.62७51 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) खरीदने के प्रस्ताव को भी आगे बढ़ाया गया है। इसके अलावा भारतीय नौसेना के एमएच-60 आर हेलीकॉप्टरों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए हथियारों की खरीद होनी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 7,800 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) दी गई। भारतीय वायु सेना की दक्षता बढ़ाने के लिए डीएसी ने भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद और स्थापना के लिए एओएन प्रदान किया है, जिससे इन हेलीकॉप्टरों की

क्षमता और बेहतर होगी। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। डीएसी ने मशीनीकृत पैदल सेना और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद के लिए एओएन भी प्रदान किया है, जो मानवरहित निगरानी, गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की रसद डिलीवरी और युद्ध क्षेत्र में हताहतों की निकासी जैसे विभिन्न कार्यों को सक्षम करेगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना के एमएच-60 आर हेलीकॉप्टरों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने के मकसद से डीएसी ने हथियारों की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया है। भारतीय सेना के लिए 7.62७51 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) और ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी) की खरीद के प्रस्ताव को भी डीएसी ने आगे बढ़ा दिया है। सेना में एलएमजी के शामिल होने से पैदल सेना बलों की लड़ने की क्षमता बढ़ेगी और बीएलटी के शामिल होने से सशस्त्र बलों की आवाजाही में तेजी आएगी। 'प्रोजेक्ट शक्ति' के तहत भारतीय सेना के लिए मजबूत लैपटॉप और टैबलेट की खरीद के लिए भी मंजूरी दी गई है। ये सभी खरीद केवल स्वदेशी विक्रेताओं से की जाएंगी।

विधायकों को अयोग्य ठहराने का मामले में शिंदे गुट ने स्पीकर को भेजा 6000 पेज का जवाब

राहुल नार्वेकर ने कहा, सभी विधायकों से आमने-सामने बात करके नियमानुसार निर्णय लेंगे

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को कहा कि वे विधायकों की अयोग्यता के मामले में नियमानुसार निर्णय लेंगे। शिवसेना शिंदे गुट के 16 विधायकों ने छह हजार पन्नों का लिखित जवाब दाखिल किया है। इसकी छानबीन के बाद सभी विधायकों से आमने-सामने बात की जाएगी। शिवसेना से अलग होकर एकनाथ शिंदे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर राज्य में सत्ता स्थापित की और मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट की ओर से मुख्यमंत्री सहित 16 विधायकों को अयोग्य

ठहराए जाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका दाखिल की है। इसी मामले की सुनवाई विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष हो रही है। राहुल नार्वेपर पर उद्धव ठाकरे गुट ने इस मामले की सुनवाई में देरी का आरोप लगाया है। राहुल नार्वेकर ने पत्रकारों को बताया कि विधानसभा अध्यक्ष का पद निष्पक्ष है और वे विधायकों की अयोग्यता के मामले में नियमानुसार निर्णय लेंगे। इसलिए किसी को इस मामले में किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। इस मामले की सुनवाई प्रक्रिया के आधार पर चल रही है और कोई भी निर्णय कानून के अनुसार ही लिया जाएगा।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग से डब्ल्यूएफआई की सदस्यता रद्द होने पर केंद्र पर बरसीं ममता

कोलकाता, (हि.स.)। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) की ओर से भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) की सदस्यता रद्द किए जाने को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव में देरी की वजह से यह फैसला लिया है। इसके लिए ममता ने सीधे तौर पर केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे स्त्री विरोधी सरकार बताया है। ममता ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा है कि वह यह जानकर स्तब्ध हैं कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया है। यह पूरे देश के लिए बेहद शर्मिंदगी की बात है। केंद्र की भाजपा सरकार हमारी बहनों को स्त्रीद्वेष और असभ्य पुरुषवाद से परेशान करती रही हैं। भारत को उन लोगों के खिलाफ खड़ा

होना चाहिए और उन्हें दंडित करना चाहिए जिनमें कोई नैतिक संवेदना नहीं बची है और जो राष्ट्र की लड़ाकू बेटियों की गरिमा के लिए खड़े नहीं हो सकते हैं। हिसाब-किताब का दिन अब ज्यादा दूर नहीं है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएफआई की सदस्यता निर्धारित 45 दिन में चुनाव ना करवा पाने की वजह से रद्द हुई। डब्ल्यूएफआई के चुनाव 12 अगस्त को होने थे, मगर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने वोटिंग से ठीक एक दिन पहले चुनाव पर रोक लगा दी। इससे पहले यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई को 45 के अंदर चुनाव कराने के लिए कहा था, मगर काफी समय बीत जाने के बावजूद चुनाव नहीं हो पाए। ऐसे में वर्ल्ड रेसलिंग ने एक्शन लेते हुए भारतीय कुश्ती की सदस्यता रद्द कर दी।

हिमाचल को तमिलनाडु सरकार से मिली 10 करोड़ की आपदा मदद

- मानसून सीजन में भारी बारिश ने मचाई तबाही, दो महीने में 361 मौतें

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन में भारी बारिश ने भयंकर तबाही मचाई है। शिमला सहित कई जिलों में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। कई जगह बादल भी फटे। इस बीच आपदा से निपटने में हिमाचल प्रदेश को राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद अब तमिलनाडु सरकार से भी आर्थिक मदद मिली है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही के दृष्टिगत तमिलनाडु सरकार ने आपदा राहत कोष-2023 के लिए 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। सुक्खू ने इसके लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के योगदान से आपदा की इस घड़ी में जरूरतमंदों को मदद मिलेगी। उन्होंने आम जनता से आपदा राहत कोष-2023 में उदारतापूर्वक योगदान की अपील की ताकि प्रभावित परिवारों को अधिकतम राहत प्रदान की जा सके। हिमाचल प्रदेश सरकार ने हाल ही में आपदा में प्रभावितों की मदद के लिए आपदा राहत कोष का गठन किया है। अब तक आपदा राहत कोष में 114 करोड़ से अधिक की राशि एकत्रित की जा चुकी है। प्रदेश सरकार का दावा है कि हिमाचल में मानसूनी आपदा में 10 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। राज्य में पिछले 48 घण्टों के दौरान वर्षा से जुड़े विभिन्न हादसों में 14 लोग मारे गए हैं और छह लापता हैं। इस दौरान राज्य के 24 स्थानों पर भूस्खलन और तीन स्थानों पर बाढ़ की घटनाएं हुईं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में छह लोगों की जान गई, जबकि बारिश से जुड़े अन्य हादसों में आठ लोगों ने दम तोड़ा। मंडी जिला में पांच, कांगड़ा में तीन,

शिमला में तीन, सिरमौर, बिलासपुर व चम्बा में एक-एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। शिमला के ढली थाना अंतर्गत ब्लदयां में कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रही मजदूर दम्पति की मलबे की चपेट में आने से मौत हुई। इसके अलावा मशोबरा विकास खण्ड के डुमहर गांव में निमार्णाधीन गेट गिरने से पांच वर्षीय बालक की मौत हुई। बुधवार की शाम बालक घर के आंगन में खेल रहा था कि अचानक निमार्णाधीन गेट गिरने से उसके सर पर गहरी चोट लगी और अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मानसून सीजन में 2237 घर गिरे, 9924 घरों में दरारें - हिमाचल प्रदेश में मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी और अब तक मानसून सीजन में वर्षा से जुड़े हादसों में 361 लोगों की जान गई है और 40 लापता हैं। 342 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से 136 लोग मारे गए हैं। अन्य वर्षा जनित हादसों में 225 लोगों की मौत हुई। मानसून सीजन में 2237 मकान, 300 दुकानें और 4783 पशुशालाएं पूरी तरह धराशायी हुईं, जबकि 9924 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। बीते दो महीने में राज्य के 155 स्थानों पर भूस्खलन हुआ और 63 स्थानों पर बाढ़ आई। मानसून सीजन में प्रदेश के सरकारी विभागों को 8291 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है।

सत्ता के बिना बेचैन हैं अखिलेश : केशव प्रसाद मौर्या

–झांसी से काशी सहित पूरे भारत में फिर से कमल खिलाएंगे, मोदी को प्रधानमंत्री बनायेंगे

झांसी, (हि. स.)। अखिलेश यादव सत्ता के बिना बेचैन हैं। अब पिछड़ा वर्ग जाग गया है। पिछड़ा वर्ग अब उनके झांसे में आने वाला नहीं है। सपा सफा पार्टी हो गई है। अब सपा सैफई तक सीमित रह जाने वाली पार्टी बन गई है। यह बात सर्किट हाउस में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही। वह यहां बुंदेलखंड कांवड़ यात्रा में शामिल होने और कानपुर तथा झांसी नगर निगम के सभासदों के प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करने आए थे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रयास सबका साथ,सबका विकास है। यूपी की दृष्टि से 2024 में अब 73 से 80 सीटों तक पहुंचने में सफलता हासिल करेगी। झांसी व काशी समेत पूरी 80 की 80 सीटों पर उत्तर प्रदेश से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विजय मिलेगी। जिस तरह से राजस्थान,गुजरात, उत्तराखंड उन्हें प्रधानमंत्री बनने के लिए सहयोग देता है, उत्तर प्रदेश भी देगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सत्ता के बिना बेचैन हैं। जिस पिछड़ा वर्ग का अभी तक वह दुरुपयोग करते आए हैं, अब वह पिछड़ा वर्ग जाग गया है। सपा सैफई तक सिमट कर सफा पार्टी बन गई है। दूसरी ओर भाजपा 4 करोड़ गरीबों को आवास देकर, लाखों करोड़ों किसानों को किसान सम्मान निधि देते हुए सब का विकास चाहती है। 2047 तक का एजेंडा तय हो चुका है। यह सब यूं ही बातें करते रह जाएंगे। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता के लिए सभी वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब चंद्रयान-2 असफल हुआ था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों से कहा था-असफलता एक चुनौती है स्वीकार करो, क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तुष्टीकरण भारत छोड़ो और परिवार भारत छोड़ो पर काम कर रहे हैं। अखिलेश को भगवान सद्बुद्धि दे। चंद्रयान-3 के सफल होने का श्रेय किसी का नहीं बल्कि देश के 140 करोड लोगों का है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को 2 करोड़ लखपति दीदिया बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री लाल किले से कर चुके हैं। उसके तहत यहां पर समूहों को सशक्त बनाने का काम शुरू हो गया है। अमृत सरोवर को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि झांसी में अमृत सरोवरों पर बेहतरीन कार्य हुआ है। इसके लिए झांसीवासी बधाई के पात्र हैं और जो गांव अछूते हैं। उन्हें संतृप्त किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सावधान करते हुए कहा कि थाना, तहसील व ब्लॉक पर ठीक तरह से अधिकारी जनता की समस्याओं को यदि सुन लें तो कोई भी समस्या नहीं रहेगी। इसके लिए उन्होंने अधीनस्थों को निर्देशित भी किया। इस अवसर पर उनके साथ सांसद अनुराग शर्मा,जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम आदि तमाम अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा धर्म के नाम पर जनता को करती है गुमराह : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर जनता को गुमराह करती है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में कोई भी बड़ा काम नहीं किया है, जिसे लेकर जनता से वोट मांग सके। वह बुनियादी मुद्दों से भागती है। आज महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या बड़ा मुद्दा है। अखिलेश यादव ने आज दिल्ली में एक न्यूज चैनल से साक्षात्कार में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट है। समय आने पर सीटों के बंटवारे पर गठबंधन आपस में बैठकर फैसला कर लेगा। लोकसभा चुनाव में मुकाबला एक बहुत बुरी पार्टी से है। गठबंधन जनता के मुद्दों और विकास के लक्ष्य के साथ एकजुटता से भाजपा का मुकाबला करेगा और उसे हराएगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने जनता से सिर्फ झूठे वादे किये हैं। इस सरकार ने आम जनता को सिर्फ समस्याएं और दुश्वारियां ही दी हैं। उत्तर प्रदेश में बिजली का एक भी कारखाना नहीं लगाया। प्रदेश में बिजली संकट है। आज प्रदेश को जो बिजली मिल रही है, वह समाजवादी सरकार के दौरान बनाये गये पावर प्लांटों से मिल रही है। भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किये। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई, बेरोजगारी कम नहीं हुई। महंगाई का विरोध करने पर यह सरकार दुकानदारों को जेल भेज देती है। प्रधानमंत्री जी के लोकसभा क्षेत्र में टमाटर की महंगाई पर आवाज उठाने वाले दुकानदार और उसके बेटे को इस सरकार ने जेल भेज दिया था। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र विरोधी है।

जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म कर रही है। इस सरकार ने किसानों के लिए एक भी मंडी नहीं बनाई। इंवेस्टमेंट के नाम पर केवल इवेन्ट हुआ है। सरकार कह रही है कि 33 लाख करोड़ का एमओयू हुआ है। बड़े-बड़े सपने दिखा रही है लेकिन कोई भी निवेश जमीन पर नहीं उतरा है। गांव-गांव में बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे नौजवान

बेरोजगार हैं। आखिरकार भाजपा जनता को कब तक गुमराह करेगी। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने लाल किला से प्रधानमंत्री कोई बात कहते थे या घोषणा करते थे तो जनता को भरोसा रहता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। उत्तर प्रदेश में छुट्टा जानवरों की समस्या भाजपा सरकार की देन है। आज हर दिन प्रदेश में जानवरों के कारण किसी न किसी की मौत हो रही है। सड़क हो, या किसानों के खेत, हर जगह इनकी मौजूदगी है। प्रधानमंत्री ने भी इस समस्या के समाधान का वादा किया था लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। आज छुट्टा जानवर पूरे प्रदेश में बड़ी समस्या बन गए है। अखिलेश यादव ने कहा कि लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या हुई लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। किसानों को आज नहीं तो कल न्याय जरूर मिलेगा। और एक दिन भाजपा को किसानों के सामने झुकना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में ही प्रदेश में विकास के कार्य हुए थे। समाजवादियों ने उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बेहतरीन डिजाइन का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे दिया। इसी एक्सप्रेस-वे पर प्रधानमंत्री जहाज से उतरे थे। किसानों के लिए मंडियों का निर्माण किया। आज उत्तर प्रदेश के दूरदराज का किसान अपनी पैदावार लाकर बड़े बाजारों में बेच सकता है। इसी तरह से समाजवादी सरकार ने यूपी पुलिस को सबसे बेहतरीन रिस्पांस सिस्टम डायल 100 दिया। महिलाओं के लिए 1090 दिया। लेकिन भाजपा ने इन कार्यों को आगे बढ़ाने के बजाय नाम बदल कर बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों, डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों और नेताजी के संघर्षों पर चलते हुए अपने लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है। समाजवादी पार्टी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है।

हम बाबा साहब के विचारों पर चलने वालों से अपना रिश्ता और मजबूत कर रहे हैं। सभी लोग मिलकर भाजपा को हटाने का काम करेंगे। अयोध्या में राम मन्दिर के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि मन्दिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बन रहा है। मन्दिर सबका है। अयोध्या सबकी है, केवल भाजपा की नहीं। हम लोग भी पूजा करते हैं लेकिन उसका दिखावा नहीं करते हैं। हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं और बेटियों के साथ बेहद शर्मनाक घटनाएं हुई हैं। भाजपा ने महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा नहीं दी। महिलाएं भी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट डालेंगी।

लखनऊ विवि में उद्यम शुरू करने के तरीकों के बारे में दी जानकारी

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उद्यमिता के लिए संस्थागत समर्थन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीडबी के पूर्व जी.एम. आनंद प्रकाश श्रीवास्तव ने उद्यमशीलता के तत्वों, व्यवसाय के शुरू करने के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने विस्तार से बताया ककि सरकारी योजनाएं, उद्यमी की चुनौतियां और कैसे भारत ने दुनिया में 142वें स्थान से 63वें स्थान पर सुधार कर लिया। प्रोफेसर विनीता काचर ने उद्यमिता की भूमिका, समावेशन की समानता, व्यवसाय स्टार्ट-अप योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोई भी योजना शुरू करने से पहले उसके निगेटिव और पाजेटिव परफारमेंस पर विचार कर लेना चाहिए। इसके साथ ही यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उससे पहले कौन से उद्यम असफल रहे और उसके कारण क्या थे। कार्यक्रम के दूसरे वक्ता वरुण गुप्ता, केंद्र प्रभारी, एफडीडीआई, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, रायबरेली ने उद्यमिता, उद्यम कौशल, कंपनी का पंजीकरण, कर पंजीकरण के बारे में बताया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन, छात्रों द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलगीत गायन और सम्मानित प्रोफेसर विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस के स्वागत भाषण के साथ हुई।

जनप्रतिनिधियों से अच्छा संवाद और समन्वय स्थापित करें विभाग : वीरेन्द्र सिंह

मेरठ, (हि.स.)। विधान परिषद की विधायी समाधिकार समिति की बैठक गुरुवार को आयुक्त सभागार में हुई। समिति के सभापति वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि विभागों को जनप्रतिनिधियों से अच्छा संवाद और समन्वय स्थापित करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेकर उन पर अमल किया जाए। सभापति वीरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में पंचायती राज, ग्राम्य विकास, नियोजन, विद्युत, पर्यटन, सिंचाई, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा आदि विभागों की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा विभागीय प्रगति एवं जनप्रतिनिधियों से वर्ष 2021 से अब तक प्राप्त प्रस्ताव एवं उन पर की गई कार्रवाई से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि विभिन्न विभागीय योजनाओं के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों से लगातार संवाद स्थापित कर प्राप्त सुझावों के अनुसार कार्यवाही की गई है। समय-समय पर जनपद स्तरीय बैठक में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए विभागों की योजनाओं के संबंध में प्रत्यक्ष रूप से फीडबैक प्राप्त किया जाता है एवं किसी विभागीय कार्य में अवगत कराये जाने पर त्वरित गति से कार्रवाई की जाती है। सभापति द्वारा सिंचाई विभाग, ऊर्जा विभाग, लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति तथा जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्ताव तथा उस पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा विकास कार्यों से संबंधित समस्त विभाग जनप्रतिनिधियों से लगातार समन्वय बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि सीधे जनता से जुड़े होते हैं। जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास, पुलिस एवं प्रशासनिक कार्यों से संबंधित पत्राचार पर कार्रवाई की जाए। सभापति ने कहा कि प्रत्येक जनपद में अच्छा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। समस्त विभागों का जनप्रतिनिधियों से अच्छा संवाद एवं समन्वय स्थापित रहेगा तो जनपद में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

उप्र में दिव्यांग को शादी प्रोत्साहन के लिए रजिस्ट्रेशन की बाध्यता खत्म : नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ, (हि.स.)। शादी प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत दिव्यांग दम्पती को शादी प्रोत्साहन योजना के तहत 35 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी, परन्तु दिव्यांग दम्पत्ति को शादी का पंजीकरण करना आवश्यक था। इससे दिव्यांगजनों पर अतिरिक्त व्यय भार पड़ रहा था तथा कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता था। इसलिये दिव्यांग दम्पत्ति को शादी प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करने के लिये रजिस्ट्रेशन की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया है। यह बातें पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कही। वह गुरुवार को सचिवालय स्थित सभागार में प्रेसवार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मोबाइल कोर्ट के माध्यम से विभिन्न जनपदों में राज्य दिव्यांग आयुक्त द्वारा दिव्यांगजनों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी आदि जनपदों में मोबाइल कोर्ट के माध्यम से दिव्यांगजनों की समस्याओं को सुना जा रहा है। मोबाइल कोर्ट व्यवस्था दिव्यांगजनों के लिये बहुत ही उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि डा0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ में छात्राओं की बढ़ती हुई संख्या को दृष्टिगत रखते हुए 48 करोड़ रुपये की लागत से नवीन महिला छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। महिला छात्रावास बन जाने से प्रदेश भर की दिव्यांग छात्रों को और अधिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि डा0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के विभिन्न पाठ्यक्रमों बी0टेक0, बी0बी0ए0, एम0सी0ए0 आदि में अध्ययनरत कुल 112 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट सेल के माध्यम से विभिन्न कॉरपोरेट कम्पनियों में प्लेसमेंट कराकर एक बड़ी शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित समस्त 16 विशेष विद्यालयों को अपनी उच्च स्तरीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण व्यवस्था सहित कैम्पस की उच्च स्तर प्रबन्ध प्रणाली के लिये वित्तीय वर्ष 2022-23 आई0एस0ओ0 90012015 प्रमाणीकरण प्रदान किया गया है। इन विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये स्मार्ट क्लासेज की व्यवस्था की गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीब छात्रों को छात्रवृत्ति हेतु बजट में अतिरिक्त इस वर्ष 435 करोड़ की व्यवस्था की गई है व अन्य कार्यो के लिये 167 करोड़ की बजट में वृद्धि की गई है। शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत अन्य पिछड़े वर्ग के गरीब छात्र व छात्राओं के लिये आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2023-24 में ऐसे छात्रावासों के अनुरक्षण हेतु विशेष प्रयास कर 1.25 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था पहली बार करायी गई है।

इलाके सील, नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज : एसपी

पलामू, (हि.स.)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने छह वर्ष बाद अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करा दी है। जिले के छतरपुर और हुसैनाबाद के सीमावर्ती छतरपुर थाना क्षेत्र के हरदिया घाटी में एक साथ आठ वाहनों को फूंककर नयी एसपी रीष्मा रमेशन को चुनौती दे दी है। घटना के बाद निर्माण कार्य बंद है और कर्मियों में दहशत व्याप्त है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2017-18 में माओवादियों ने हुसैनाबाद के तत्कालीन थाना प्रभारी राजेश प्रसाद रजक की टीम को बारूदी सुरंग विस्फोट कर उड़ा दिया था। इस घटना में कई पुलिस जवानों की मौत हो गई थी, जबकि कुछ जख्मी भी हुए थे। उस घटना के बाद इस इलाके में माओवादियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। 2017-18 की इस घटना के बाद झारखंड के पुलिस महानिदेशक के द्वारा इस क्षेत्र का जायजा लिया गया था और सड़क निर्माण की जरूरत पर बल दिया गया था। डीजीपी ने इस संबंध में मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सड़क निर्माण कराने का आग्रह किया था। इस आलोक में सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई और निर्माण कार्य शुरू हुआ। इसके लिए हुसैनाबाद के महुदंड में पुलिस पिकेट की स्थापना हुई थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची एसपी रीष्मा रमेशन ने करीब एक से डेढ़ घंटे तक घटनास्थल का जायजा लिया। इस क्रम में जब कुछ पत्रकार मौके पर कवरेज के लिए पहुंचे तो उन्हें घटनास्थल पर जाने से रोक दिया गया। हालांकि बाद में कुछ पत्रकार कवरेज के लिए मौके पर पहुंच गए और कवरेज किया। घटनास्थल के बाद एसपी छतरपुर थाना पहुंची और कई घंटे तक छतरपुर, हुसैनाबाद के अलावा अन्य थाना पुलिस के साथ बैठक की। बैठक में छतरपुर और हुसैनाबाद के एसडीपीओ अजय कुमार और पूज्य प्रकाश भी थे। एसपी ने बैठक में नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने छतरपुर, हुसैनाबाद, पांडू, हैदरनगर, मोहम्मदगंज, पिपरा, नावाबाजार एवं हरिहरगंज के सीमावर्ती इलाके को सील कर कार्रवाई करने की बात कही।

ये वाहन जलकर हुए क्षतिग्रस्त – नक्सलियों ने आठ वाहननों को जलाकर क्षतिग्रस्त किया है। इन वाहनों में तीन हाइवा, एक लोडर, एक टैज्क्टर, एक ग्रेडर, एक बाइक और एक मिक्सचर मशीन शामिल है। वाहनों को जलाने के लिए माओवादी अपने साथ डब्बे में भरकर पेट्रोल लेकर आए थे। साथ ही जूट की बोरी भी साथ में लाया था। शाम 4.20 बजे घटनास्थल पर दस्तक देने के बाद करीब डेढ़ घंटे तक माओवादियों का दस्ता यहां जमा रहा और अंत में माओवादी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए निकल गया।

13 किलोमीटर बन रही है सड़क – जिस सड़क पर आगजनी हुई, उसका निर्माण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से कालापहाड़-महुदंड रोड 13.6 किलोमीटर तक बनाई जा रही है। करीब 40 प्रतिशत सड़क का निर्माण हो चुका है। इस सड़क में लगे वाहन शाम 5 बजे तक निर्माण कार्य करते थे और फिर लठैया पिकेट में लग जाते थे। यही कारण है कि माओवादियों ने इस घटना को चार बजे के आसपास अंजाम दिया। इस घटना से संवेदक को करोड़ो का नुकसान हुआ है।

सुदूरवर्ती क्षेत्र है हरदिया घाटी – जिस जगह पर माओवादियों ने अग्निकांड को अंजाम दिया वह इलाका काफी सुदूरवर्ती है। छतरपुर से जहां 20 किलोमीटर दूर है, वहीं हुसैनाबाद से 18 किलोमीटर और पांडू से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद नक्सलियों ने सबसे पहले आग लगाई और फिर वहां मौजूद मुंशी बबलू पटेल, विजय यादव एवं एक हाइवा मालिक को कब्जे में लेकर उनकी पिटाई भी की। सड़क का निर्माण स्वास्तिक इंटरप्राइजेज नामक कंपनी करा रही है। इसके संवेदक अजीत सिंह ने बताया कि कुछ माह पहले धमकी भरा फोन आया था। इसे हल्के में लिया, जिससे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।

हाई कोर्ट ने डीजीपी से पूछा, अपराध पर नियंत्रण क्यों नहीं

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में भू-माफियाओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस स्वर्गीय एमवाई इकबाल की रांची स्थित जमीन पर बने बाउंड्री वॉल को तोड़े जाने के स्वतः संज्ञान मामले की गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाई कोर्ट में डीजीपी अजय कुमार सिंह उपस्थित रहे। हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने गुरुवार को मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने डीजीपी को चार सप्ताह में व्यक्तिगत तौर पर शपथ पत्र दाखिल कर भू-माफियाओं पर नकेल कसने एवं क्राइम कंट्रोल के लिए किए गए उपायों को बताने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने उनसे मौखिक पूछा कि राज्य में क्राइम का ग्राफ क्यों बढ़ रहा है। क्राइम कंट्रोल क्यों नहीं हो पा रहा है। रात में पीसीआर वैन भी कम दिखते हैं, जिससे छिनैती की घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। राज्य सरकार ने शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि जमीन हड़पने वालों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। वैसे भू-माफियाओं जिनके खिलाफ पांच से ज्यादा केस हैं, उन्हें जिला बदर किया जाएगा। जिन भू-माफियाओं के

खिलाफ चार केस विभिन्न स्थानों में दर्ज हैं, उन्हें प्रत्येक 15 दिनों में थाना में हाजिरी लगानी होगी। साथ ही जिन भू-माफियाओं के खिलाफ तीन केस थानों में दर्ज हैं, उन्हें बांड भरवा कर चेतावनी दी जाएगी। आने वाले समय में तीन तरह के क्राइम, जिसमें एसटी-एससी, महिला उत्पीड़न एवं जमीन हड़पने वाले भू-माफिया के मामले शामिल हैं, के निष्पादन के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (एसआईटी) बनाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बीते 25 जून को चर्च रोड के विक्रांत चौक (डॉक्टर फतेहउल्लाह रोड) के सामने स्थित सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस स्वर्गीय एमवाई इकबाल की जमीन पर बने बाउंड्री वॉल को भू-माफिया ने तोड़ दिया था। वहां तैनात गार्डों ने बाद में भू-माफिया को वहां से खदेड़ दिया। साथ ही लोअर बाजार पुलिस को इसकी सूचना दी थी।

प्रदेश में अमन-चैन और कानून का राज स्थापित करना है तो हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना होगा : बाबूलाल

देवघर, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के दौरान देवघर में गुरुवार को हेमंत सरकार पर जमकर हमला किया। भारी बारिश के बावजूद जनसभा में हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा कि कांग्रेस-जेएमएम और राजद की सरकार में आपराधिक की घटनाओं ने झकझोर दिया है। प्रदेश में अमन चैन और कानून का राज स्थापित करना है तो हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। मरांडी ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार की स्थिति बद से बदतर हो गई है। थाना, ब्लॉक, अंचल व जिला कार्यालयों में बिना पैसे दिये कोई भी काम नहीं होता है। हेमंत सरकार ट्रांसफर-पोस्टिंग व विकास योजनाओं में पैसे लेना छोड़ देगी तो अफसरों में हिम्मत नहीं की वे पैसे मांगें। खुद मुख्यमंत्री ने जमीन घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जेएमएम और राजद परिवारवाद, तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं। जबतक यह राजनीति होगी झारखंड की जनता को कभी न्याय नहीं

मिलेगा। इस राजनीति समाप्त करना है तो भाजपा की सरकार बनानी होगी। यही संकल्प दिलाने आया हूं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के तुष्टिकरण नीति के कारण संथाल परगना की डेमोग्राफी चेंज हो गई है।

भाजपा की सरकार घुसपैठियों के साथ उन्हें बसाने वालों को भी नहीं छोड़ेगी। मरांडी ने सर्वप्रथम चांद पर चन्द्रयान-3 पहुंचने पर वैज्ञानिकों व प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष में विश्वगुरु बना। इसके पूर्व अटल बिहारी वाजपेयी ने परमाणु परीक्षण करके देश की शान बढ़ाई थी। भाजपा की सरकार में विकास की चर्चा होती है जबकि कांग्रेस जेएमएम, राजद की सरकार में लूट और भ्रष्टाचार की चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में फंसे मुख्यमंत्री ईडी से बचने के लिए और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए करोड़ों रुपए से महंगे वकील रख कर सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे। राज्य के खान खनिज और गरीबों की जमीन लूटने वाले को जेल जाने से कोई नहीं बचा सकता।

मुख्यमंत्री से मिले विधायक कुंदन कुमार, शुष्क बंदरगाह सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंदन कुमार ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर संपूर्ण जिले के विकास से संबंधित कई गंभीर मसलों पर बातचीत की। मुलाकात में मुख्य रूप से वाहनों के ठहराव, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। कुंदन कुमार ने मुख्यमंत्री को बताया कि बेगूसराय जिले में हो रहे औद्योगिक विस्तार में भारी वाहनों के आवागमन समेत उनके ठहराव को लेकर कोई स्थाई व्यवस्था नहीं रहने के कारण लोगों को जान माल की क्षति का सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटनाओं में इजाफे की वजह से लोगों में भय का माहौल है। वाहनों के स्थाई ठहराव के लिए शुष्क बंदरगाह निर्माण की दिशा में सार्थक पहल करें। जिससे आम जनमानस के जानमाल की क्षति को रोका जा सके। मुलाकात में बेगूसराय विधानसभा समेत संपूर्ण जिले के विद्यालयों को जर्जर भवन के पुनर्निर्माण को भी प्राथमिकता देने की अपील की गई। जिससे बच्चों के पठन-पाठन का कार्य सुचारू रूप से हो सके। बेगूसराय जिले में मेडिकल कॉलेज

अस्पताल के बंद निर्माण कार्य को गति देने एवं वीरपुर प्रखंड में स्थित ऐतिहासिक काली मंदिर एवं बसहा स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का मुद्दा उठाया गया। इसके साथ ही वीरपुर प्रखंड के नौला पंचायत को भगवानपुर थाना से अलग कर वीरपुर थाना में शामिल करने की मांग किया गया है। मुलाकात के बाद विधायक कुंदन कुमार ने कहा है कि जनमानस की सुविधा के लिए ऐसे ज्वलंत एवं गंभीर मुद्दे का निपटारा निश्चित तौर पर आवश्यक है। इसके लिए मेरा प्रयास विभिन्न माध्यमों के जरिए जारी रहेगा और बेगूसराय में सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री के माध्यम से हमने विकास के इन मुद्दों पर उनका ध्यान आकृष्ट किया है। आशा है कि वह इन बिंदुओं पर सार्थक पहल एवं प्रयास करेंगे। जिससे आम जनजीवन सुगम होगा। कुंदन कुमार ने कहा कि बेगूसराय के विकास के लिए मैं किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हूं। जनता ने मुझे बेगूसराय के विकास के लिए विधायक बनाया है और विकास के कार्यों के लिए मेरा संघर्ष जारी रहेगा।

उप-मुख्य पार्षद ने बीहट नगर परिषद की कार्यशैली पर जताया एतराज

बेगूसराय, (हि.स.)। नगर परिषद बीहट के उप-मुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार ने गुरुवार को अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर नगर परिषद के कार्यशैली पर खासा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि नगर के जनप्रतिनिधियों ने 13 जनवरी को शपथ लिया, तब से लेकर आज तक कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जनता इंतजार कर रही है कि उनके वार्ड में विकास का कार्य हो लेकिन कोई योजना तक नहीं बन रही है। उन्होंने कहा कि बीहट के नगर परिषद के अस्तित्व में आने के बाद कई तरह के टैक्स का भुगतान करना पड़ रहा है लेकिन व्यवस्था में सुधार के नाम पर प्रशासन मौन है। वार्ड पार्षद नालों के ढक्कन की मरम्मत नहीं करा पा रहे हैं, लाइट की व्यवस्था नहीं हो पा रही है आवास योजना का राशि दिलाने में नाकाम हैं। यहां तक कि आधार कार्ड सुधार का काम तक नहीं करा पा रहे हैं। ऋषिकेश कुमार ने कहा कि आठ महीने से सिर्फ सफाई का कार्य चल रहा है, वह भी नाम मात्र के लिए। पार्षद एवं उप मुख्य पार्षद की बात कोई नहीं सुनते। सफाई जमादार इलाके का दौरा नहीं करते। पूरे नगर परिषद में सफाई सहित अन्य कार्य अवरुद्ध है। कचड़ा उठाने के काम आनेवानली छोटी बड़ी गाड़ियां, जेसीबी और ट्रैक्टर परिषद परिसर में खड़े कर दिए गए हैं। इतनी गाड़ियां होने के बाद भी हर घर से कचड़ा नहीं उठ रहा है।

नगर परिषद परिसर अंधेरे में तब्दील हो चुका है, बारिश की वजह से पानी और कीचड़ सड़क पर जमा है। पर्व, त्योहार और विपरीत मौसम में कीटनाशक का छिड़काव नहीं हो रहा है है। जल नल की योजना का भी समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। मानदेय नहीं मिलने के कारण ऑपरेटर पानी चलाना भी कर देते हैं। उप मुख्य पार्षद ने साफ सफाई में बाधा डालने के लिए सफाई जमादार मो. नदीम जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत डीएम से भी की गई है।

मधेपुरा के डॉ. सुमंत राव राष्ट्रीय जनता दल शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश के प्रवक्ता नियुक्त

सहरसा/मधेपुरा, (हि.स.)। मधेपुरा भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के आरएम कॉलेज सहरसा में राजनीति विज्ञान विभाग के अतिथि सहायक प्राध्यापक डॉ. सुमंत राव उर्फ बब्लु सम्राट को राष्ट्रीय जनता दल के शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है। शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कुमार राय ने प्रदेश प्रवक्ता का एक मनोनयन से संबंधित पत्र जारी करते हुए यह जानकारी साझा किया है। डाक्टर सुमंत राव छात्र जीवन से ही राजद से जुड़े रहे है। पटना विश्वविद्यालय के संघर्षशील छात्र नेता में इनका नाम सबसे ऊपर रहा है। धरना, प्रदर्शन और आंदोलन के माध्यम से छात्र राजनीति में काफी लोकप्रिय रहे डाक्टर सुमंत मूल रूप से सहरसा जिला के सौर बाजार प्रखंड के ग्राम-पंचायत चंदौर के निवासी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ विगत एक दशक से जन सेव द डेमोक्रेसी अभियान के माध्यम से पूरे बिहार में काफी सक्रिय रहे हैं। डॉ.सुमंत राव पटना विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार से मास्टर डिग्री के साथ-साथ पटना लॉ कॉलेज

से विधि स्नातक भी है। प्रदेश अध्यक्ष कुमार राय ने बताया कि डॉ.सुमंत राव शिक्षक प्रकोष्ठ को पूरे बिहार में मजबूती के साथ संगठन और शिक्षकों की समस्या का समाधान करने का कार्य करेंगे। इनके मनोयन पर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री श्री श्याम रजक, टीपी कॉलेज मधेपुरा के डॉ. ब्रजेश सिंह, डॉ. संतोष कुमार सेठी, पार्वती साइंस कॉलेज, मधेपुरा के डॉ. अरुण प्रसाद अमन, कॉमर्स कॉलेज, मधेपुरा के साधना कुमारी, डॉ.नूरुद्दीन, आर.एम.कॉलेज, सहरसा के डॉ. स्वेता शरण, डॉ. अक्षय कुमार चौधरी, डॉ. राजू कुलकर्णी, डॉ.वीणा कुमारी मिश्रा, दिपेश कुमार, डॉ.डेजी कुमारी, डॉ.सुमित सिंह, डॉ.बिलो राम, डॉ.अखिलेश कुमार मिश्रा, डॉ. कमलाकांत झा, डॉ. रेणु कुमारी, डॉ. ललन कुमार, डॉ. आलोक झा, डॉ. अरूप श्रीवास्तव, पीजी सेंटर सहरसा में कार्यरत डॉ. हर्षवर्धन सिंह, डॉ. कविता सिंह, पटना विश्वविद्यालय के डॉ. विद्यानंद विधाता, डॉ. मंजीत कुमार, डॉ. विवेक कुमार ने बधाई दिए है। डाक्टर सुमंत की नियुक्ति से अतिथि सहायक प्राध्यापक संघ में खुशी की लहर है उन्हें उम्मीद है कि उनकी समस्याओं को दूर करने में उनकी ओर से सकारात्मक प्रयास होगा। जेएसडी के तिरहुत प्रमंडल के कार्यकारी अधिकारी अरविंद तिवारी, शिवहर के जिला प्रबंधक सुंदरम सिंह, हाजीपुर अनुमंडल सचिव अभिषेक यादव,भारतीय छात्र युवा एकता मंच के प्रवक्ता चंदन कुमार ठाकुर, प्रियरंजन ठाकुर,पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रणव कुमार, सुधीर कुमार, नीतीश चंद्रवंशी, संतोष कुमार पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के शोधार्थी सौरभ सुमन समेत कई सामाजिक कार्यकताओं ने भी बधाई दी है।

संपादकीय

इसरो की अंतरिक्ष आर्थिकी

इसरो अपनी स्थापना के करीब 61 सालों में भारतीय अंतरिक्ष गतिविधियों का सूत्रधार रहा है। यदि आज दुनिया भर में 'चंद्रयान-3' की चर्चा है और वह कौतुहल-सा बना है, तो उसमें इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तमाम इकाइयों की अनथक मेहनत और अत्याधुनिक विज्ञानी तथा प्रौद्योगिकीय मेधा का ही योगदान है। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया था कि हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन इसरो के सीमित आर्थिक संसाधनों की भी चर्चा की जानी चाहिए। इसरो से अपेक्षाएं हैं कि वह 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का आधार बने, लेकिन अमरीका, रूस, चीन, जापान आदि देशों की तुलना में इसरो के संसाधन 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान हैं। यदि अमरीका में नासा का बजट 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, तो इसरो का बजट 2023-24 में 12,544 करोड़ रुपए तय किया गया था। लक्ष्य एक समान हैं कि चांद पर पांव रखें। सूर्य का मिशन 'आदित्य एल-1' कामयाब रहे और 'गगनयान' के जरिए मानव को अंतरिक्ष की सैर कराई जाए। हालांकि यह कैसे और कब संभव होगा, रोबोट पर परीक्षण करने के बाद ही इसरो और उसके वैज्ञानिक किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकेंगे। बहरहाल इसरो के बजट का संदर्भ है, तो पहला सवाल यह किया जा सकता है कि 2022-23 के बजटीय आवंटन से करीब 8 फीसदी कम क्यों किया गया? हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। आजकल प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के दावे करने लगे हैं। भारत सरकार का लक्ष्य है कि इसरो विश्व की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में देश की हिस्सेदारी बढ़ाए। फिलहाल यह मात्र 2 फीसदी है, लेकिन बजट को लेकर सरकार की चिंता गंभीर नहीं है। वित्त वर्ष 2021-22 में भी बजट 12,474 करोड़ रुपए था। आखिर यह ठहराव-सा क्यों है? अर्थव्यवस्था का संदर्भ है, तो आज करीब 150 निजी स्टार्टअप अंतरिक्ष गतिविधियों को लेकर काम कर रहे हैं। वे इसरो की विज्ञानी एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञताओं के साथ-साथ उसके बुनियादी ढांचे और डाटा का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या इन गतिविधियों से हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा नहीं मिलता? वैसे अंतरिक्ष गतिविधियों की हमारी अपनी सरकारी विरासत भी है, जिसके तहत पीएसएलवी, जीएसएलवी, एसएसएलवी के जरिए भारत सेटेलाइट लॉन्च करता रहा है। यह इसरो की रोजी-रोटी भी है। भारत जुलाई, 2023 तक 36 देशों के 431 सेटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेज चुका है। इस काम के जरिए हमने जुलाई, 2022 तक 22.30 करोड़ डॉलर कमाए हैं। भारत दुनिया के 10 देशों में एक है, जो रॉकेट लॉन्च करने में सक्षम है। हम 15 शीर्ष देशों में सम्मिलित देश हैं, जिसके अनेक उपग्रह अंतरिक्ष की विभिन्न कक्षाओं में स्थित हैं, लेकिन वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी मात्र 2 फीसदी है। भारत का लक्ष्य दशक के अंत तक 9 फीसदी का है। एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी का आकलन है कि 2040 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 40 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। यही नहीं, भारत की क्षमता 100 अरब डॉलर की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तक पहुंचने की है, लेकिन उसमें सरकार का सहयोग और समर्थन बेहद जरूरी है। उसके लिए इसरो का पर्याप्त बजट और वैज्ञानिक भी बेहद अनिवार्य हैं, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी नवाचार किया जा रहा है। वह परिवर्तनकारी है, सिर्फ गिनती के तौर पर विस्तार नहीं पा रहा है। सालों गुजर गए हैं, लेकिन इसरो अपने श्रम-बल और कार्यबल को बढ़ा कर ताकतवर नहीं बना सका है, क्योंकि उसके आर्थिक संसाधन सीमित हैं। यह भी गौरतलब तथ्य है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विज्ञान पर पीएचडी करने वाले शोधार्थियों का गिनती भी लगातार घट रही है। यदि ऐसे ही रुझान मौजूद रहे, तो हम महत्वाकांक्षी मिशन को कामयाबी के साथ पूरा करने में नाकाम रहेंगे और अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय भी हासिल नहीं कर सकेंगे। 'चंद्रयान-3' के ऐतिहासिक अवसर पर कमोबेश प्रधानमंत्री और कैबिनेट को गंभीर मंथन जरूर करना चाहिए। अंतरिक्ष अनुसंधान पर हमारा कुल खर्च अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है, इसलिए इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

आज दुनिया भर में 'चंद्रयान-3' की चर्चा है और वह कौतुहल-सा बना है, तो उसमें इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तमाम इकाइयों की अनथक मेहनत और अत्याधुनिक विज्ञानी तथा प्रौद्योगिकीय मेधा का ही योगदान है। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया था कि हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन इसरो के सीमित आर्थिक संसाधनों की भी चर्चा की जानी चाहिए। इसरो से अपेक्षाएं हैं कि वह 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का आधार बने, लेकिन अमरीका, रूस, चीन, जापान आदि देशों की तुलना में इसरो के संसाधन 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान हैं। यदि अमरीका में नासा का बजट 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, तो इसरो का बजट 2023-24 में 12,544 करोड़ रुपए तय किया गया था। लक्ष्य एक समान हैं कि चांद पर पांव रखें। सूर्य का मिशन 'आदित्य एल-1' कामयाब रहे और 'गगनयान' के जरिए मानव को अंतरिक्ष की सैर कराई जाए। हालांकि यह कैसे और कब संभव होगा, रोबोट पर परीक्षण करने के बाद ही इसरो और उसके वैज्ञानिक किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकेंगे।

कुछ अलग

आपदा के आर्थिक सबक

बरसात की विभीषिका में भी हिमाचल की प्राथमिकताओं में विषय सरकार को अपने आगोश में समेट कर रखना चाहते हैं। हमने हिमाचल को सदा घोषणाओं के इंतजार में खड़ा कर दिया और यही चाहते हैं कि मंत्रिमंडल जब बैठे तो सिर्फ खुशखबरी दे या राष्ट्रीय-राज्यीय पर्व मनाएं तो इसके फलक पर सरकारी खजाना कुर्बान हो जाए। पिछले दशकों में सरकारों के फैसलों पर गौर करें, तो कमोबेश हर बार मंत्रिमंडल अपनी लिखावट में वही शब्द दोहराता है यानी सरकारी सेवा की शर्तों में नरमी, वेतन या मानदेय में बढ़ोतरी तथा जनता के लिए शुल्क में कटौतियां ही सामने आती हैं। क्या हिमाचल बिगड़े हुए सालों का हिसाब इतना बुरा है कि इन्हें दिनों के गिनती में सुधारते-सुधारते सदियां बीत जाएंगी। जिस प्रदेश में जनता का कर अदायगी से कोई लेना-देना नहीं, जहां हर साल घाटे के बजट का उत्पादन कर्जदार बना रहा हो, वहां आपदा के दौरान भी सत्ता के फैसलों में अगर दिहाड़ी व मानदेय ही बढ़ रहा हो, वहां स्वावलंबन के सरोकार शायद ही कभी पैदा होंगे। हमने दो हिमाचल बना दिए हैं। एक सरकारी हिमाचल जहां हर सत्ता को उदारता से कर्ज लेकर शाबाशी बटोरनी है। सरकारों के पास केवल सरकारी कर्मचारी हैं और उनकी वेतन विसंगतियों के चक्रव्यूह से निकलने के लिए केवल पांच साल होते हैं। हमने इस चक्रव्यूह से न तो सरकारों को और न ही प्रदेश को बाहर निकलते हुए देखा है। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा की अति व्यस्तता में हमने समाज को जरूर इस हालात में पहुंचा दिया कि जहां राज्य सिर्फ कर्ज भरता रहेगा। एक दूसरा हिमाचल नागरिकों की निजी आर्थिक क्षमता, उपभोक्ता क्षमता और निजी क्षेत्र के प्रदर्शन से साबित कर रहा है कि भविष्य कैसे रूपांतरित हो सकता है। राष्ट्रीय उपभोक्ता मामलों के सर्वेक्षण बताते हैं कि हिमाचल के लोग अपनी व्यय क्षमता से किस तरह बड़े राज्यों को चकमा दे रहे हैं। निजी क्षेत्र में स्वरोजगार ढूंढ रहे युवाओं ने विकल्प तलाश लिए हैं, फिर भी सत्ता के फैसलों का भ्रम या मोहजाल उन्हें भटका रहा है, क्योंकि सरकारी नौकरी को यहां हमेशा तरकारी की तरह पेश किया जाता है। सरकारों को पहले हिमाचल में खुद को तसदीक करना होता है, इसलिए कर्मचारियों या पेंशनधारकों के करीब साढ़े चार लाख लोगों को संवारते-संवारते गैर सरकारी क्षेत्र के पच्चीस लाख लोगों की अनदेखी हो जाती है। ऐसे में आपदा के इस दौर में सरकार के फैसलों में इक नई फाइल खुलनी चाहिए। वर्षों से सरकार से वांछित पा रहे नागरिक क्या यह नहीं समझ सकते कि आपदा की इस घड़ी में उन्हें अपने राज्य को लौटाने का वक्त आ गया है। क्या हम शेष बचे वित्तीय वर्ष के पूर्व प्रस्तावित बजटीय प्रावधानों से, सर्वप्रथम वर्षा और बाढ़ के जख्मों को मरहम लगाने के लिए तैयार नहीं हो सकते। क्या नागरिक समाज अपनी ओर से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कुछ खर्च वहन नहीं कर सकता। क्या तुरंत प्रभाव से सरकारी बसों में पचास प्रतिशत छूट के महिला किराए को अब हटा देना चाहिए। क्या मुफ्त बिजली की सीमा को हटाकर पूरी दरें लागू नहीं कर देनी चाहिएं। समय आ गया है जब प्रदेश के आर्थिक वजूद में जनता अपना अस्तित्व कायम करे, वरना दस हजार करोड़ बहा देने के बावजूद मंत्रिमंडल की बैठक को मनरेगा और मिड डे मील वर्करों की दिहाड़ी बढ़ाने की चिंता कहीं अधिक रहेगी।

दादी – नानी की कहानी में बताया गया था कि कोसो दूर चंदा मामा रहते है

पूर्णा नगरी में जन्मा आदित्य का चन्द्रयान 3 में योगदान

रामकिशोर पंवार

चंदा मामा की कहानी और जिस नदी के किनारे उसका जन्म हुआ उस नदी का भी चांद से रिश्ता था। तीन रिश्तो को एक डोर से बांधने का काम किया चन्द्रपुत्री पूर्णा नदी की जन्मभूमि भैसदेही जो प्राचिन काल में राजा गय की राजधानी महिषमति के नाम से जानी पहचानी जाती थी। इस महिषमति जो अब भैसदेही कहलाती है। यहां के एक शिक्षक श्री सी.बी. बारस्कर के पुत्र जिसका नाम भगवान भास्कर के एक नामो में एक नाम आदित्य रखा गया था। उस सूर्य ने चांद तक पहुंचे चन्द्रयान 3 की सफलता में अपना योगदान दिया है।

बचपन में जब चांद को देखा था तब उसकी नानी – दादी की सुनी कहानी उसे याद थी। उसे दादी – नानी की कहानी में बताया गया था कि कोसो दूर चंदा मामा रहते है। चंदा मामा की कहानी और जिस नदी के किनारे उसका जन्म हुआ उस नदी का भी चांद से रिश्ता था। तीन रिश्तो को एक डोर से बांधने का काम किया चन्द्रपुत्री पूर्णा नदी की जन्मभूमि भैसदेही जो प्राचिन काल में राजा गय की राजधानी महिषमति के नाम से जानी पहचानी जाती थी। इस महिषमति जो अब भैसदेही कहलाती है। यहां के एक शिक्षक श्री सी.बी. बारस्कर के पुत्र जिसका नाम भगवान भास्कर के एक नामो में एक नाम आदित्य रखा गया था। उस सूर्य ने चांद तक पहुंचे चन्द्रयान 3 की सफलता में अपना योगदान दिया है। आज चांद की जमीन को चुमा चुमने वाला चन्द्रयान 3 का मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य बैतूल जिले की पूर्णा नगरी से भी नाता जुड़ गया है। चंद्रयान 3 की सफलता में जिस भारतीय वैज्ञानिक डॉ. आदित्य बारस्कर का नाम आ रहा है वह इस समय वायरलेस बिजली पैदा करने पर काम कर रहे हैं। डां आदित्य बारस्कर दुनिया के शीर्ष 100 एयरोस्पेस और विमानन पेशेवरों में से एक हैं। अधिकांश लोग चार साल में अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करते हैं, जापान के प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक डॉ.आदित्य बारस्कर को अपना स्नातक पूरा करने के लिए दो अतिरिक्त साल लगे। मेरे पास बहुत सारे बैकलॉग थे, और मुझे अपनी डिग्री प्राप्त करने से पहले सभी पेपर क्लियर करने में थोड़ा समय लगा। डा बारस्कर के अनुसार अन्य छात्र इस स्थिति से निराश हो गए होंगे, लेकिन डॉ. बारस्कर ने इन काले बादलों में भी उम्मीद की किरण दिखी। डां बारस्कर कहते है कि यह मेरे लिए सीखने की अवधि थी। वैश्विक भारतीय, जोड़ते हुए, मैंने यह देखना शुरू कर दिया कि मैं आगे क्या करना चाहता हूँ, और अपने करियर पथ पर अधिक विचार कर रहा हूँ। तब मुझे एहसास हुआ कि अंतरिक्ष विज्ञान मेरा परम प्रेम है और मैंने इस उद्योग में काम करने के लिए अपने कौशल को विकसित करना शुरू किया। मैं कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स से काफी प्रेरित था। जापान SKY Perfect JSAT Corporation में दुनिया की पहली लेजर आधारित मलबा हटाने की परियोजना के मुख्य वैज्ञानिक और मिशन डिज़ाइनर डॉ. बारस्कर ने निश्चित रूप से अंतरिक्ष विज्ञान उद्योग में एक लंबा सफर तय किया है। वैज्ञानिक, जो अंतरिक्ष में बिजली पैदा करने पर काम कर रहा है, जिसे किसी भी तार का उपयोग किए बिना पृथ्वी पर वितरित किया जा सकता है, माईक्रोसैटेलाइट डिजाइनिंग, कृषि और मत्स्य स्वचालन प्रयोगशाला और पार्किंग प्रबंधन प्रणालियों

पर काम करने वाले व्यवसायों में एक क्रमिक उद्यमी और निवेशक भी है। दिलचस्प बात यह है कि वैज्ञानिक अंतरिक्ष जंक से निपटने के लिए तकनीक विकसित करने पर भी काम कर रहे हैं, जो पुराने उपग्रहों, रॉकेट फ्यूज़लेज और इसी तरह के द्वारा बनाए गए हैं। एक छोटे से कस्बे में एक मध्यवर्गीय परिवार में पैदा होने के बावजूद डॉ. बारस्कर के बड़े सपने थे। डां बारस्कर मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के एक बहुत छोटे शहर भैसदेही जो भगवान चन्द्रदेव की पुत्री पूर्णा की जन्मभूमि कहताती है वहां से आते है। उनके अनुसार मुझे कोई फैंसी शिक्षा नहीं मिली और मैंने बैतूल के जवाहर नवोदय विद्यालय प्रभात पटट्न में पढ़ाई की। लेकिन मैं महत्वाकांक्षी था। इसलिए, स्कूल खत्म करने के बाद, मैं महाराष्ट्र चला गया, जहाँ मैंने जलगाँव में श्रमसाधना बॉम्बे ट्रस्ट, कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई की। डां. आदित्य बारस्कर के अनुसार कॉलेज के दौरान था कि उन्हें दूसरे वर्ष में एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जिसे पेपर लिखने का कोई आभास नहीं था, उसके बावजूद उसने डिजिटल संचार को अपने विषय के रूप में चुना। यह वास्तव में मुझे कभी – कभी चकित करता है कि एक लड़के से जिसका पहला पेपर बहुत खराब था, मैंने एक वैज्ञानिक बनने की यात्रा की है जिसके कागजात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्धृत किए जाते हैं। कॉलेज में रहते हुए ही जापान में एक प्राकृतिक आपदा ने उन्हें वायरलेस इलेक्ट्रिसिटी तकनीक की ओर देखने के लिए मजबूर किया। मार्च 2011 में, जापान तोहोकू भूकंप और सूनामी से प्रभावित हुआ था, जिसके परिणाम स्वरूप फुकुशिमा परमाणु आपदा हुई थी। चूंकि परमाणु संयंत्र ने बिजली उत्पन्न की, दुर्घटना से कई इलाकों के लिए ऊर्जा की हानि हुई। आपदा के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या का जिक्र नहीं है। जब मैं समाचारों के बारे में पढ़ रहा था, मैंने बिजली पैदा करने के अधिक व्यवहार्य तरीकों के बारे में सोचना शुरू किया, और तभी मैंने पहली बार वायरलेस तकनीक का उपयोग करने के बारे में सोचा। डा बारस्कर कहते है कि हमें पृथ्वी पर 24Ó7 बिजली की जरूरत है, लेकिन यह एक नवीकरणीय और टिकाऊ स्रोत से भी होनी चाहिए। तो, सौर ऊर्जा का उपयोग करके अंतरिक्ष में बिजली क्यों नहीं पैदा की जाती... ? उस समय, हमारे पास 3 जी नेटवर्क कनेक्शन थे। एक दशक पहले कई लोगों ने इसे असंभव माना होगा। भविष्य में यह तकनीक केवल और अधिक उभर कर आएगी। उसी तरह वायरलेस इलेक्ट्रिसिटी भी एक संभावना है ... यह एक महान विचार था, तकनीक का परीक्षण करने से पहले वैज्ञानिक को बहुत अधिक जमीनी कार्य करने की आवश्यकता थी। अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वैज्ञानिक ने विभिन्न विद्वानों को लिखना शुरू किया, जिनके अधीन वह अपने विचार पर काम कर सके। और तभी उन्हें अपनी मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए रूस के एक सैन्य संस्थान में आमंत्रित किया गया। जब मैं कॉलेज में था, मैंने एक रूसी प्रोफेसर के पेपर की आलोचना की थी, जो मेरे ज्ञान से काफी प्रभावित थे। इसलिए, मेरी डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने मुझे 2016 में मॉस्को एविएशन इंस्टीट्यूट (नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी) में शामिल होने के लिए कहा, जहां मैंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रॉकेट इंजीनियरिंग में मास्टर की पढ़ाई की। जैसा कि यह एक सैन्य संस्थान था, उनके पास कोई विदेशी छात्र नहीं था। मैं एमएआई में जाने वाले पहले दो अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से एक था। मॉस्को में अपने जीवन के बारे में एक अंतर्दृष्टि साझा करते हुए वैज्ञानिक डां आदित्य कहते है कि यह मेरे लिए एक बड़ा सांस्कृतिक झटका था, वैज्ञानिक हंसते हुए कहते हैं, तब तक मैं पूरी तरह से अपने माता – पिता पर निर्भर था, और अब अचानक मैं अपने मन। अपने शुरुआती दिनों में, मेरे पास बात करने के लिए कोई नहीं था और मुझे अपना खाना बनाना था, जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं थी, और अपना घर संभालना था। इसलिए, पहले कुछ हफ्तों के लिए फास्ट – फूड रेस्तरां मेरी शरणस्थली थे। हालाँकि, मेरा वजन बहुत बढने लगा और साथ ही रोजाना बाहर खाना मेरी जेब पर थोड़ा भारी पडने लगा। इसलिए, मैंने अंततः फोन पर अपनी मां से निर्देश लेकर अपने लिए एक बुनियादी भोजन बनाना सीखा। लेकिन मुझे यह जोडन्ना चाहिए कि रूसी बहुत गर्म लोग हैं। मैं वहां हर किसी से मिला। मेरे प्रोफेसरों से लेकर मेरे सहयोगियों तक ने मुझे शहर को समझने और इसके माध्यम से नेविगेट करने में मदद की। भले ही उन्होंने मास्को में अपने समय के दौरान बहुत कुछ सीखा, वैज्ञानिक साझा करते हैं कि रूस अपने विचारों को क्रियान्वित करने के लिए तकनीकी रूप से उन्नत नहीं था।

सफलता का सच

अंग्रेजी में कहा जाता है- पास्ट टेंस, प्रेजेंट टेंस और फ्यूचर टेंस। टेंस का मतलब काल खंड तो है ही, टेंस का एक अर्थ 'तनाव' भी होता है। अब यदि इस मतलब के साथ पास्ट, प्रेजेंट और फ्यूचर को जोड़ें तो हमारे पास आएगा- पास्ट टेंस, यानी तनाव भरा भूत काल, प्रेजेंट टेंस, यानी तनाव भरा वर्तमान काल, फ्यूचर टेंस, यानी तनाव भरा भविष्य काल। यानी, हमारे जीवन के तीनों मुख्य काल भूत, वर्तमान और भविष्य तनावपूर्ण हो जाते हैं। कुछ लोग अपने जीवन में अंग्रेजी के इस अनुवाद को हूबहू उतार लेते हैं और पूरा जीवन तनाव से ग्रसित रहते हैं। समय रहते वे समय की कद्र नहीं करते और जब समय बीत जाता है तो पछताते हैं और चिंतित होकर और भी समय बर्बाद करते हैं। हमारा जीवन समय से बना है, इसीलिए कहा जाता है कि फलां व्यक्ति इतने साल जिया।

समय यानी 'काल' को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। वे तीन हिस्से हैं- भूत (वह समय जो गुजर गया), वर्तमान (समय जो अभी चल रहा है) और भविष्य (समय जो अभी आएगा)। भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल। अंग्रेजी में कहा जाता है- पास्ट टेंस, प्रेजेंट टेंस और फ्यूचर टेंस। टेंस का मतलब काल खंड तो है ही, टेंस का एक अर्थ 'तनाव' भी होता है। अब यदि इस मतलब के साथ पास्ट, प्रेजेंट और फ्यूचर को जोड़ें तो हमारे पास आएगा- पास्ट टेंस, यानी तनाव भरा भूत काल, प्रेजेंट टेंस, यानी तनाव भरा वर्तमान काल, फ्यूचर टेंस, यानी तनाव भरा भविष्य काल। यानी, हमारे जीवन के तीनों मुख्य काल भूत, वर्तमान और भविष्य तनावपूर्ण हो जाते हैं। कुछ लोग अपने जीवन में अंग्रेजी के इस अनुवाद को हूबहू उतार लेते हैं और पूरा जीवन तनाव से ग्रसित रहते हैं। समय रहते वे समय की कद्र नहीं करते और जब समय बीत जाता है तो पछताते हैं और चिंतित होकर और भी समय बर्बाद करते हैं। हमारा जीवन समय से बना है, इसीलिए कहा जाता है कि फलां व्यक्ति इतने साल जिया। लेकिन ध्यान रखिए, साल दिनों से बने होते हैं और दिन घंटों से। एक दिन में

चौबीस घंटे होते हैं और आप कुछ भी कर लें, दिन का समय बढ़ा नहीं सकते, चौबीस घंटे, चौबीस ही रहेंगे, आप इन्हें 25 नहीं कर सकते, 26 नहीं कर सकते, 30 नहीं कर सकते। और हमारी काबीलियत इसी में है कि हम इन 24 घंटों का पूरा लाभ उठायें। इन 24 घंटों में इतना कुछ कर जाएं कि दुनिया याद करे। इस हफ्ते जब मैं अपनी अलमारी की सफाई कर रहा था तो रीडर्स डाइजेस्ट का एक बीस वर्ष पुराना अंक अचानक मेरे हाथ लग गया। दिसंबर 1996 के इस अंक में प्रकाशित एक लेख में मुंबई उच्च न्यायालय तथा मुंबई नगरपालिका कार्यालय पर लगे एक सूचनापट्ट का उल्लेख है, जिसने बरबस मेरा ध्यान खींचा। लेख में बताया गया है कि मुंबई उच्च न्यायालय की मुख्य सीढियों के पहले पायदान पर ही एक तरफ बड़े से पट्ट पर इमारत के निर्माण के विवरण दर्ज हैं। इस विवरण में जो सूचना दी गई है, वह इस प्रकार से है : कार्य का आरंभ 1 अप्रैल 1871, काम समाप्त हुआ नवंबर 1878, खर्च का स्वीकृत पूर्वानुमान 1647196 रुपए, खर्च जो वास्तव में हुआ 1644528 रुपए। इसके अतिरिक्त इस बोर्ड पर उन लोगों के नाम भी हैं जिन्होंने परियोजना को मंजूरी दी और इसका काम पूरा किया। इस सूचना के दो पहलू हमें तत्काल प्रभावित करते हैं, और वे हैं पारदर्शिता और जवाबदेही। इस सूचना पट्ट के माध्यम से इस परियोजना को मिले धन, समय और इसके लिए उत्तरदायी लोगों के बारे में जनता को बता दिया गया था, हालांकि इसमें यह उल्लेख नहीं है कि परियोजना को पूरा करने के लिए कितना समय दिया गया था, लेकिन जब वास्तविक खर्च एस्टीमेट से कम है तो यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि काम सख्त देखरेख में पूरा हुआ और परियोजना समय पर पूरी हुई। मजे की बात है कि जब यह लेख छपा था तो इमारत को बने 118 वर्ष गुजर चुके थे तो और वह इमारत तब भी मजबूती के साथ खड़ी थी। मुंबई नगर पालिका के कार्यालय पर भी ऐसा भी सूचना पट्ट लगा होने का उल्लेख है। ऐसे चमत्कार हम सिर्फ तब कर सकते हैं जब हम समय की कीमत समझें, समय का सदुपयोग करें, कठिनाइयों से न घबराएं, चिंतित न हों और अपने काम में लगे रहें। आशा के होते हुए भी अगर डर बना रहे तो आदमी आधे-अधूरे मन से कार्य करता है और अपनी असफलता की स्वयं ही गारंटी कर लेता है। डर हमारे आत्मविश्वास को हर लेता है और हम नाकारा होकर रह जाते हैं। डर और निराशा के कारण योग्य से योग्य व्यक्ति भी अपाहिजों का-सा जीवन जीने को विवश हो जाता है। यदि हम सिक्के के दूसरे पहलू पर दृष्टिपात करें तो हम पायेंगे कि डर के बावजूद हम आशा का दामन थामे रहें तो डर जाता रहेगा अथवा कम हो जाएगा। शा का दामन थामे रहने से आत्मविश्वास डिगेगा नहीं और हम पूरे मनोयोग से कार्य करेंगे तथा अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयत्न करेंगे। थोड़ा-सा डर हमारे लिए लाभदायक ही होता है। आशा के साथ थोड़ा डर मिला होने पर हम चौकन्ने रहते हैं और अति-विश्वास के कारण की जाने वाली गलतियों से बचे रहते हैं। भय और आशा का यह मिश्रण बड़ा कारगर साबित हो सकता है, बशर्ते कि हम भयाक्रांत ही न हो जाएं। भय हमें सावधान करता है, भय हमें अनावश्यक जल्दी में गलत निर्णय लेने से बचाता है, भय हमें अपनी खूबियों और खामियों तथा अपने साधनों और स्रोतों का सांगोपांग विश्लेषण करने को बाध्य करता है। आम स्थितियों में हम जिन बातों को नजरअंदाज कर जाते, भय हमें उनसे खबरदार रहने की अक्ल देता है। भय एक नकारात्मक घटक है, परंतु बुद्धिमान और विवेकी लोगों के जीवन में भय बड़े काम की चीज है।

देश दुनीया से

गुरु-शिष्य में सामंजस्य होना जरूरी

जिला ऊना के एक सीमावर्ती सरकारी स्कूल के छात्र व उसके पिता द्वारा स्कूल प्रिंसिपल के साथ मारपीट का मामला जब ध्यान में आता है, तो अनायास ही मुझे अपने स्कूल के दिन याद हो आते हैं। उस समय अन्य कई उपदेशक वाक्यों के साथ गुरु जी हमें स्कूल में यह वाक्य भी खूब रटाया करते थे, 'स्पेयर द रॉड, सपॉइल द चाइल्ड।' जो इसे याद न कर पाता, उसे गुरु जी छड़ी दिखा-दिखा कर याद करवा लेते। यदि फिर भी बात न बनती, तो छड़ी हथेली पर पड़ कर याद करवा देती। आज न मेरी इन उंगलियों में वो ताकत होती, न मेरी कलम में इस साफगोई से लिखने की सलाहियत होती, यदि मेरे पिता जी, जो मेरे अध्यापक भी रहे, इस कलम को इन उंगलियों के बीच में न भींचते। प्रिंसिपल से मारपीट की इस घटना का ध्यान आते ही अपना अब तक का 24 वर्षीय अध्यापन काल भी ज़ेहन में उभर आता है। इस दौरान अच्छा-बुरा, हर तरह का समय देखा, पर इस तरह की घटना से दो-चार नहीं होना पड़ा। इसलिए भगवान का शुक्रिया जरूर करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि बाकि का बचा हुआ अध्यापन काल भी बस सही-सही गुजर जाए! उक्त घटना के पीछे का कारण जांच का विषय है। मामला जो भी रहा हो, यह घटना सचमुच आधुनिक शिक्षा पद्धति पर शर्मनाक दाग है। सचमुच अब जमाना बदल गया है। तख्तियों से मोबाइल फोन तक आते-आते बहुत कुछ बदल गया। गुरु जी इतने मजबूर हो गए हैं कि बच्चा बिगड़े तो बिगड़े, पर छड़ी बची रहनी चाहिए। आधुनिक शिक्षा, विशेषज्ञ शिक्षाविद व मनोवैज्ञानिक ऐसा ही कह रहे हैं। सवाल पुरानी या नयी पद्धति का बेहतर और खराब होने का नहीं है, बल्कि सामंजस्य का है क्योंकि ध्यातव्य व व्यावहारिक बात यह भी है कि कुछ बच्चे प्यार से, कुछ दुलार से, कुछ डांट-डपट से व कुछ छड़ी की चोट से जीवन में आगे बढ़ते हैं। ऐसी घटनाओं की बात की जाए तो फेहरिस्त काफी लंबी है। कुछ महीनों पहले बड़सर के सरकारी स्कूल में भी अध्यापक से मारपीट का मामला सामने आया था। दिसंबर 2021 में हमीरपुर के एक सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक छात्र ने अध्यापक पर हाथ उठा दिया था। कुछ वर्ष पहले दिल्ली के सुलतानपुरी इलाके के एक सरकारी स्कूल में अध्यापक का उसके ही शिष्य ने कत्ल कर दिया था। यह घटना गुरु-शिष्य के बीच बिगड़ते रिश्ते की पराकाष्ठा है। दिसंबर 2014 में झारखंड के एक स्कूल के सातवीं कक्षा के तीन छात्रों ने अपने अध्यापक को इसलिए मार डाला क्योंकि उक्त अध्यापक ने उन्हें धूम्रपान न करने की सलाह दी थी। फरवरी 2012 में चिन्नई के एक स्कूल में नवीं कक्षा के छात्र ने चाकू से अपने अध्यापक की जान ले ली। हमारे प्रदेश में भी इस तरह की घटनाएं होती आयी हैं। 14 दिसम्बर 1998 में अरसू के एक सरकारी स्कूल के नवीं कक्षा के एक छात्र ने प्रधानाचार्य पर सरिये से वार किया जिसके कारण उनकी मौत हो गयी। अगस्त 2014 में संजौली कॉलेज में छात्रों ने प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षकों के साथ मारपीट की थी। कुछ वर्ष पहले गंगथ के सरकारी स्कूल के एक छात्र ने सुबह-सवेरे स्कूल ग्राउंड में प्रधानाचार्य का गला पकड़ लिया था। एक जमाना था जब स्कूल में की गई किसी शरारत के लिए शिक्षक तो सजा देते ही देते थे, पर साथ में माता-पिता भी कोई कसर नहीं छोड़ते थे। परंतु बदलते वक्त के साथ गुरु-शिष्य के संबंधों में बहुत खटास और दूरी आ गयी है। जिस देश में शिष्य अपने गुरु को देवतुल्य मानता आया है, वहीं आज इस रिश्ते में इतनी तल्खी और हिकारत आ गयी है कि नौबत मारपीट तक ही नहीं, बल्कि कभी कत्ल तक भी पहुंच जाती है। जिस देश का इतिहास गुरु-शिष्य की आदर्श परंपरा के उदाहरणों से भरा पड़ा है।

सवाल पुरानी या नयी पद्धति का बेहतर और खराब होने का नहीं है, बल्कि सामंजस्य का है क्योंकि ध्यातव्य व व्यावहारिक बात यह भी है कि कुछ बच्चे प्यार से, कुछ दुलार से, कुछ डांट-डपट से व कुछ छड़ी की चोट से जीवन में आगे बढ़ते हैं। ऐसी घटनाओं की बात की जाए तो फेहरिस्त काफी लंबी है। कुछ महीनों पहले बड़सर के सरकारी स्कूल में भी अध्यापक से मारपीट का मामला सामने आया था। दिसंबर 2021 में हमीरपुर के एक सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक छात्र ने अध्यापक पर हाथ उठा दिया था। कुछ वर्ष पहले दिल्ली के सुलतानपुरी इलाके के एक सरकारी स्कूल में अध्यापक का उसके ही शिष्य ने कत्ल कर दिया था। यह घटना गुरु-शिष्य के बीच बिगड़ते रिश्ते की पराकाष्ठा है। दिसंबर 2014 में झारखंड के एक स्कूल के सातवीं कक्षा के तीन छात्रों ने अपने अध्यापक को इसलिए मार डाला क्योंकि उक्त अध्यापक ने उन्हें धूम्रपान न करने की सलाह दी थी।

दृष्टिकोण

वंचित, प्रवंचित लोग

उन्होंने हमें अच्छी तरह समझा दिया है कि हमारा भला अपना किसी किस्म का अधिकार मांगने में नहीं है। हम तो पीढियों से वंचित, पिछड़े हुए और भूखे नंगे लोग हैं। कोरोना से लेकर डेंगू तक, अकाल से लेकर भूचाल तक अपने सींकिया बदन पर सहते आये हैं। हमें इससे पहले कभी कुछ नहीं मिला, तो आज अपनी मेहनत के लिए मांगने, उसका पूरा मूल्य चाहने का यह शौक कैसे पाल लिया? अरे पालना ही था तो कोई इज्जतदार शौक पालते। तीतर-बटेर लड़ाने का शौक पालते। वहां तक हाथ नहीं पहुंचता था, तो कनकौआ लड़ाने चले जाते। लेकिन तुम रहे, सदा फटी पतंगों के वारिस। आकाश में पतंगों के साथ उडने का सपना पालते हो। बेहतर हो इस डोर से बिछुड़ी पतंग को ही अपना मान अपने टूटे सपनों की आरती उतार लो। पतंगबाज तो वहां बैठे हैं ऊंची अट्टालिकाओं में। तुमने इनकी भ्रष्टाचार की पतंग नोटबंदी करके काटनी चाही, तो उन्होंने अपने काले नोटों को, देश की गरीबों की कतार में खड़े आखिरी आदमियों को बैंकों की नोट बदलने की कतार में खड़ा करके सफेद कर लिया। नोटबंदी का अभियान समाप्त हुआ तो पता चला कि बैंकों के पास जितने पुराने नोट पहले जमा थे, उससे अधिक नोट सफेद होकर बैंक खातों में जमा हो गये। सदियों से तुम जंगली लकड़ी बीन, उपले थाप अपना चूल्हा जलाते थे, उसके धुएं को फूंक-फूंक कर उससे अपनी आंखें गंवाते थे। उन्होंने तुम्हें चौका बासन क्रांति को उज्ज्वल करार देकर तुम में मुफ्त सिलेंडर बांट दिये। लेकिन बड़े लोगों के समूह ने पैट्रोल और गैस के उत्पादन में कटौती करके पैट्रोल और डीजल ही नहीं, गैस भी अनुपलब्ध करार दी। अब लाओ, भला कहां से लाओगे उनके रीफिल भरने के दाम? छोड़ो इस उज्ज्वलता के अंधेरे का दामन। लकड़ी और उपले जला कर अपना रोटी पकाने का गुर कहीं नहीं गया। अपनी जड़ों से टूटना हमेशा हानिकर होता है, बन्धु। कौआ मोर की चाल चला था, अपनी चाल भी भूल गया। इसलिए अब यह गैस का सिलेंडर और उसकी सबसिडियों की खैरात छोड़ो। वैसे भी यह अब कीमत बढने से घट कर कुछ सिक्के रह गई है। आधुनिकता का दामन छोड़ो। अतीत की ओर लौटो, बाबा आदम के जमाने का चूल्हा तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है। पुराने जमाने का चूल्हा, धौंकनी से उसकी आग फूंको। उसका धुआं निकल कर तुम्हारी अधमरी आंखों को धुएं की सौगात दे देगा। इस सौगात ने तुम्हारी आंखों को अंधराता और मोतियाबन्द दे दिया, तो अच्छा ही है। ऐसी अवश आंखों से अपनी गरीबी हरने वाले मसीहा का चेहरा भी सुन्दर लगने लगता है। उसने दया करके लंगर का पैकेट ही नहीं दिया, अच्छे दिन आने की सौगात भी दे दी। आओ, इस मधुर कल्पना के नीचे रौशनी का दिया जलाएं। कल्पना साकार लगने लगेगी। इन धुंधली आंखों से देखो तो लगेगा शहर के पैट्रोल पम्पों के बाहर पैट्रोल और डीजल भरवाने के इच्छुक वाहन चालकों की कतार लम्बी हो गयी। खबर फैल गई कि सरकारी कर कटौती के कारण पैट्रोल और डीजल के आकाश छूते दाम आधे रह गये। लोग अपने-अपने खटारा वाहनों की टंकी भरवाने के लिए लगी कतारों में धक्का-मुक्की कर रहे हैं। लेकिन यह धक्का-मुक्की तो सस्ते अनाज की बन्दरबांट के लिए हो रही थी। तुम्हारी धुंधली होती आंखों ने फिर तुम्हें धोखा दे दिया। पैट्रोल पम्पों के पाइप तो उसी तरह औंधे पड़े हैं। कभी-कभी कोई वाहन चालक वहां चला आता, जैसे किसी बहेलिये के जाल में अकेला पंछी फंसा हो। धनी देश भला क्यों अपना उत्पादन बढ़ा अपने पर्स को ढीला करेंगे। सरकार क्यों टैक्स घटा अपने खजाने को दीमक लगाये? आगे ही महामारी की वजह से राजस्व की राशि शर्मिंदा शर्मिंदा सी लगती है। ठेकेदारों को काम का मंदा लगा है। दलाल वैकल्पिक रोजगार तलाश रहे हैं और बड़े बाबू को अपने फल और मिठाई की डलिया खाली नजर आती है।

श्रीलंका की मदद जारी रखेगा भारत: विदेश मंत्री बोले- विकास में सहायता करेंगे; सांसदों ने आर्थिक तंगी के वक्त भारत के सपोर्ट को याद किया

कोलंबो।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत श्रीलंका में चल रहे संकट के बीच उसकी हर तरफ से मदद करना जारी रखेगा। जयशंकर वीडियो लिंक के जरिए श्रीलंका-भारत पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप एसोसिएशन के सांसदों को संबोधित कर रहे थे। विदेश मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हम भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए हर क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

इस दौरान श्रीलंका में भारत के डिप्लोमेट गोपाल बागले भी संसद में मौजूद थे। बागले ने कहा कि दोनों देशों के बीच फूड सिक्योरिटी, एनर्जी सिक्योरिटी, करेंसी सपोर्ट और लॉन्ग-टर्म इंवेस्टमेंट के क्षेत्रों में साझेदारी और बढ़ेगी। सांसदों ने पिछले साल श्रीलंका के आर्थिक संकट के समय भारत की तरफ से की गई मदद को याद किया।

श्रीलंका का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होगा - श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा था कि उनके देश का इस्तेमाल कभी भारत के खिलाफ नहीं किया जा सकेगा। ब्रिटेन और फ्रांस के दौरे पर रवाना होने से पहले रानिल ने कहा था- इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि हम चीन से कभी मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं करेंगे। चीन और श्रीलंका के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन हम ये भी साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे देश में चीन का कोई मिलिट्री बेस नहीं हैं और न होगा। हम एक न्यूट्रल देश हैं।

पिछले साल की थी 4 बिलियन डॉलर की मदद - भारत ने पिछले साल श्रीलंका को 4 बिलियन डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता दी थी। इसमें जरूरी चीजों और फ्यूल का निर्यात शामिल है। श्रीलंका में आर्थिक संकट का प्रमुख कारण फॉरेक्स रिजर्व की कमी का होना था। इसके कारण श्रीलंका की जनता पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ सड़कों पर उतर गई थी। आखिर में उन्हें देश छोड़कर भागना पड़ा था।

टैक्स में कटौती का फैसला भारी पड़ा - 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने टैक्स में कटौती का लोकलुभावन दांव खेला, लेकिन इससे श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा। एक अनुमान के मुताबिक, इससे श्रीलंका की टैक्स से कमाई में 30 प्रतिशत तक कमी आई, यानी सरकारी खजाना खाली होने लगा। 1990 में श्रीलंका की लष्ठक्कमें टैक्स से कमाई का हिस्सा 20 प्रतिशत था, जो 2020 में घटकर महज 10 प्रतिशत रह गया। टैक्स में कटौती के राजपक्षे के फैसले से 2019 के मुकाबले 2020 में टैक्स कलेक्शन में भारी गिरावट आई।

पिछले एक दशक के दौरान श्रीलंका की सरकारों ने जमकर कर्ज लिए, लेकिन इसका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया। 2010 के बाद से ही लगातार श्रीलंका का विदेशी कर्ज बढ़ता गया। श्रीलंका ने अपने ज्यादातर कर्ज चीन, जापान और भारत जैसे देशों से लिए हैं।

2018 से 2019 तक श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे रानिल विक्रमसिंघे ने हंबनटोटा पोर्ट को चीन को 99 साल की लीज पर दे दिया था। ऐसा चीन के लोन के पेमेंट के बदले किया गया था। ऐसी नीतियों ने उसके पतन की शुरुआत की।

न्यूज ब्रीफ

वर्कर्स को बोनस के अलावा गिफ्ट्स भी दे रहीं कंपनियां: प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए रोलिंग अवार्ड और माइक्रो रिवार्ड प्रोग्राम का ट्रेंड बढ़ा

लंदन। जब तक आप किसी लग्जरी फैशन ब्रांड में काम नहीं करते, इस बात की बहुत कम संभावना है कि

आपकी कंपनी वेतन-बोनस के साथ आपको कोई लग्जरी हैंडबैग दे। लेकिन लंदन स्थिति कम्युनिकेशन मैनेजर जैकी को उनकी कंपनी के रिवार्ड सिस्टम में ऐसा ही एक महंगा हैंडबैग जीतने का मौका मिला। जैकी की कंपनी कर्मचारियों को उनकी सफलता पर पॉइंट्स देती है, जिन्हें वे इसी तरह के सामान के रूप में रिडीम करवा सकते हैं। जैकी कहती हैं- मैं सैलरी से कभी भी 950 पाउंड (99,658 रुपए) का ये बैग नहीं खरीद पाती। लेकिन पॉइंट्स पा कर आप ऐसी चीजें ले सकते हैं, जिसे खरीदने के बारे में सोच भी नहीं सकते। दुनियाभर में अब कुछ कंपनियां कर्मचारियों को खुश, मोटिवेटेड और प्रोडक्टिव बनाए रखने के लिए सालाना बोनस के साथ-साथ, रोलिंग अवार्ड और माइक्रो रिवार्ड प्रोग्राम भी चला रही हैं। कर्मचारी इन्हें कैश कर रहे हैं। उन्हें कंपनी के लिए वैल्यूएबल होने का अहसास कराने के साथ-साथ ये सुविधाएं कंपनियों को प्रोडक्शन बढ़ाने में भी मदद कर रही हैं। लॉ, कंसल्टेंसी, फाइनेंस और कंप्यूटर साइंस सहित कई सेक्टरों में ग्रेजुएट्स को इतनी सैलरी मिल रही है, जितनी कई लोग कभी नहीं कमा पाएंगे। माइक्रो रिवार्ड प्रोग्राम के तहत कुछ कंपनियां कर्मचारियों को किसी उपलब्धि पर कैश इंसेंटिव देती हैं। हालांकि,ज्यादातर कंपनियों में पॉइंट सिस्टम चलता है। मैनेजर्स इन्हें इंप्लॉइज को गिफ्ट कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि माइक्रो रिवार्ड प्रोग्राम कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रखने के साथ ही उन्हें रोके रखने में भी मदद करता हैं।

अमेरिका में फिर हुई गोलीबारी, कैलिफोर्निया के बार में अंधाधुंध फायरिंग में पांच की मौत

वॉशिंगटन । अमेरिका के कैलिफोर्निया में गोलीबारी की खबर आई है। खबर के अनुसार, कैलिफोर्निया के बार में एक शख्स ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हुई है और छह अन्य घायल हुए हैं। गोलीबारी करने वाला व्यक्ति भी मारा गया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना कैलिफोर्निया के ट्रेबुको केनयन स्थित बाइकर बार कुक कॉर्नर की है। जहां एक शूटर ने गोलीबारी कर पांच लोगों की जान ले ली। छह लोग घायल भी हुए हैं। ऑरेंज काउंटी के पुलिस अधिकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोलीबारी करने वाला पूर्व सुरक्षा अधिकारी है। अभी तक पुलिस ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी है कि शूटर की मौत कैसे हुई लेकिन माना जा रहा है कि बार में ही किसी ने शूटर को गोली मार दी। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। बता दें कि बीती जनवरी में भी कैलिफोर्निया में गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल चीन के लूनर न्यू ईयर उत्सव के दौरान लॉस एंजेल्स में एक व्यक्ति ने मॉनेटरी पार्क इलाके में जाकर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी थी। जिस जगह गोलीबारी हुई, वहां एशियाई मूल के लोग बड़ी तादाद में रहते हैं। यही वजह रही कि इस गोलीबारी में एशियाई मूल के लोग मारे गए थे। इनके अलावा भी अमेरिका में गोलीबारी की कई घटनाएं हो चुकी हैं और वहां से आए दिन इस तरह गोलीबारी की घटनाएं होती रहती हैं। इसकी वजह वहां की बंदूक संस्कृति को माना जाता है। अमेरिका में बंदूक खरीदना बेहद आसान है। यही वजह है कि मामूली से झगड़ों में भी कई बार लोग अंधाधुंध गोलीबारी कर कई लोगों की जान ले लेते हैं।

हम पहले से ही चांद पर हैं, भारत के चंद्रयान-3 की सफलता पर बोला पाकिस्तानी शख्स

इस्लामाबाद । भारत ने एक बार फिर इतिहास रचा है। चंद्रयान-3 ने बुधवार को चांद पर सफल लैंडिंग की। इसी के साथ, भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला देश बन गया। वहीं, आप हैरान रह जाएंगे कि पाकिस्तान भी चांद पर पहुंच गया है। यह हम नहीं, बल्कि खुद वहां के लोग बता रहे हैं। पड़ोसी देश में रह रहे लोगों का कहना है कि वह तो पहले से ही चांद पर रह रहे हैं। दरअसल, जब से चंद्रयान-3 ने सफल लैंडिंग की है, तब से ही इससे संबंधित कई पोस्ट सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इस बीच, एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के लोग तो चांद पर पहले से ही रह रहे हैं। भारत के चांद पर पहुंचने को लेकर पाकिस्तान के लोगों से राय ली जा रही थी, तभी एक पाकिस्तानी व्यक्ति ने कहा कि भारत तो पैसे लगाकर चांद पर जा रहा है। हम तो पहले से ही चांद पर रह रहे, क्या यह आपको नहीं पता। ऐसे में पहले तो सभी चौक गए फिर पूछा कैसे, तो शख्स ने लोगों से पूछा कि चांद पर पानी हैं नहीं हैं ना यहां भी नहीं है।

पुतिन के बागी वैगनर चीफ की मौत

रूस में हुआ प्लेन क्रैश, प्रिगोजिन समेत 10 लोग मारे गए; बाइडेन बोले- मैं सरप्राइज्ड नहीं

मॉस्को।

जून में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाले येवगेनी प्रिगोजिन की बुधवार देर रात एक प्लेन क्रैश में मौत हो गई। वो प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ थे। क्रैश में 10 लोगों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, यह क्रैश मॉस्को के उत्तरी इलाके में बुधवार दोपहर हुआ। रूस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने सिर्फ इतना कहा कि येवगेनी का नाम पैसेंजर लिस्ट में शामिल था। यह एम्बरर एयरक्राफ्ट मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा था। प्रिगोजिन के अलावा इस प्लेन में प्राइवेट आर्मी के को-फाउंडर और पूर्व रूसी स्पेशल फोर्स कमांडर दिमित्री उत्किन भी सवार थे। वहीं वैगनर के और भी अधिकारी विमान में मौजूद थे।

प्रिगोजिन की मौत पर अलग-अलग देशों का रिएक्शन - अमेरिका- वैगनर चीफ की मौत की खबर पर बाइडेन ने कहा- मुझे नहीं पता है कि क्या हुआ है, पर मैं इस खबर से सरप्राइज्ड नहीं हूं। रूस में शायद ही ऐसा कुछ होता है, जिसके पीछे पुतिन का हाथ न हो। हालांकि, मैं इस मामले में इतना नहीं जानता हूं कि कुछ जवाब दे सकता हूं। यूक्रेन- राष्ट्रपति जेलेंस्की के सहयोगी मिखाइलो पोडल्यक ने कहा- ये इस बात का सबूत है कि जो क्रेमलिन का वफादार नहीं होता, उसका क्या हश्र होता है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पुतिन से सिग्नल दिया है कि अगर कोई उनके खिलाफ गया तो उसको मार दिया जाएगा। पोलैंड- विदेश मंत्री ज्बिग्निऊ राउ ने कहा- जो भी पुतिन की सत्ता के लिए खतरा पैदा करता है, उसकी कभी नैचुरल डेथ नहीं होती। जो भी राजनीतिक लेवल पर पुतिन के लिए चुनौती बनते हैं उनकी कभी भी प्राकृतिक मौत नहीं होती।

पुतिन के खिलाफ बगावत की थी - प्रिगोजिन ने जून में पुतिन के खिलाफ बगावत की थी और इसके बाद वो बेलारूस चले गए थे। लिहाजा, यह साफ नहीं है कि वो रूस कब और कैसे पहुंचे। एक रूसी अफसर ने कहा- हमने क्रैश की जांच शुरू कर दी है। सिर्फ दो दिन पहले प्रिगोजिन का एक वीडियो भी सामने आया था।

9 साल जेल में रहने के बाद बिजनेस - प्रिगोजिन का जन्म 1 जून 1961 को सेंट पीटर्सबर्ग में हुआ था। पुतिन की तरह येवगेनी भी सेंट पीटर्सबर्ग में पले-बढ़े।

रूसी कोर्ट के डॉक्यूमेंट के मुताबिक, येवगेनी को 1981 में मारपीट, डकैती और धोखाधड़ी में दोषी ठहराया गया था और 13 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, सोवियत यूनियन के पतन के 9 साल बाद येवगेनी को रिहा कर दिया गया। येवगेनी ने जेल से बाहर आने के बाद बिजनेस करने का फैसला किया। सबसे पहले हॉट डॉग का स्टॉल लगाना शुरू किया। इसके बाद रेस्तरां खोला।

प्रिगोजिन रेस्तरां में जाते थे पुतिन - येवगेनी का रेस्तरां जल्द ही काफी पॉपुलर हो गया। यह सेंट पीटर्सबर्ग का सबसे फैशनेबल डाइनिंग स्पॉट बन गया। पॉपुलैरिटी का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि पुतिन खुद वर्ल्ड लीडर्स के साथ इस रेस्तरां में जाते थे। पुतिन ने 2001 में फ्रांस के राष्ट्रपति जैक शिराक और उनकी पत्नी और 2002 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश की मेजबानी की। 2003 में पुतिन ने अपना बर्थडे भी इसी रेस्तरां में मनाया। पुतिन के संपर्क में आने के बाद येवगेनी ने कॉनकॉर्ड कैटरिंग की शुरुआत की। इसके बाद येवगेनी को रूस के स्कूलों और सेना को खिलाने के लिए बड़े गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्ट मिलने लगे। उन्हें राष्ट्रपति के भोज की मेजबानी करने का अवसर भी मिला। इसी के बाद से उन्हें पुतिन का रसोइया या शेफ कहा जाने लगा। एंटी करप्शन फाउंडेशन के मुताबिक, पिछले 5 सालों में येवगेनी को 3.1 अरब डॉलर यानी 26 हजार करोड़ रुपए के गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्ट मिले थे।

2016 के अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने का आरोप - अपने रेस्तरां और कैटरिंग के बिजनेस से बड़ी संपत्ति बनाने के बाद येवगेनी ने बाहर कदम रखा। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, येवगेनी रूस की ट्रोल फैक्ट्री को फंडिंग देने वाली कंपनी इंटरनेट रिसर्च एजेंसी के मालिक थे। इसका काम सोशल मीडिया पर काल्पनिक नाम से अमेरिका के खिलाफ झूठ फैलाना था। आरोप है कि इसी कंपनी ने 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन और हिलेरी क्लिंटन की आलोचना वाले मैसेज किए। यानी एक तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2013 में जब ट्रोल फैक्ट्री का बनाई गई, तो मेन टास्क सोशल मीडिया को उन आर्टिकल और कमेंट्स से भर देना था, जो बताते थे कि नैतिक रूप से भ्रष्ट पश्चिमी देशों की तुलना में पुतिन का शासन ज्यादा अच्छा है।

रूस में भाड़े के सैनिकों यानी वैगनर आर्मी के लिए फंडिंग करते थे - येवगेनी रूसी सरकार के समर्थन वाले लड़ाकों के खतरनाक ग्रुप वैगनर से भी जुड़े हैं। कई सालों की अटकलों के बाद सितंबर 2022 में खुद येवगेनी ने इसे स्वीकार किया था। रूस की प्राइवेट आर्मी कही जाने वाली वैगनर आर्मी को 2014 में बनाया गया था। यूरोपीय संघ और अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के मुताबिक, इस प्राइवेट आर्मी को एक कंपनी की शक्ल में प्रिगोजिन फंड करते हैं। प्रिगोजिन कई साल तक वैगनर आर्मी के साथ किसी भी इंवॉल्वमेंट से इनकार करते रहे थे। यहां तक कि जब एक पत्रकार ने वैगनर के साथ उनके जुड़े होने का दावा किया तो उन्होंने उस पर केस कर दिया था। संडे गार्जियन के मुताबिक, यूक्रेन की सीमा से लगे रूसी इलाके बेलगोरोड और कुर्स्क में येवगेनी प्रिगोजिन ने सेना के बराबर का मिलिट्री स्ट्रक्चर खड़ा करना चाहा था। यहीं पर वैगनर आर्मी की ट्रेनिंग फैसिलिटी और रिक्रूटमेंट सेंटर भी हैं। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी के प्रवक्ता जॉन किर्बी के मुताबिक, येवगेनी की वैगनर आर्मी खुद ही रूसी सेना के लिए एक प्रतिद्वंद्वी शक्ति केंद्र के रूप में उभर रही थी। रशियन पॉलिटिक्स के एक्सपर्ट और वॉशिंगटन स्थिति कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के सीनियर फेलो आंद्रेई कलाश्निकोव कहते हैं कि येवगेनी का प्रभाव रूस के राजा जार निकोलस-2 के दरबार में ग्रेगोरी रासपुतिन जैसा दिखने लगा था।

ब्रिक्स में जिनपिंग अफसरों को खोजते रहे

रेड कार्पेट पर सिक्योरिटी कमांडो को एंट्री नहीं मिली, चीनी राष्ट्रपति पीछे मुड़कर देखते रह गए

जोहान्सबर्ग।

साउथ अफ्रीका जोहान्सबर्ग में चल रही 15वीं ब्रिक्स समिट में दो अहम घटनाएं कैमरे में कैद हो गईं। एक घटना हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ी है, तो दूसरी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से। मोदी ने ग्रुप फोटो सेशन से पहले तिरंगे को जमीन पर देखा तो फौरन उसे उठाया और सम्मान के साथ उसे जेब में रख लिया। जिनपिंग जब इनॉगरल सेशन में पहुंचे तो सिक्योरिटी स्टाफ ने उनके साथ किसी चीनी अफसर को नहीं जाने दिया। जिनपिंग पलटकर अपने स्टाफ को खोजते रहे, लेकिन कोई नहीं दिखा। चलिए यहां विस्तार से इन घटनाओं को समझते हैं।

अकेले पड़े जिनपिंग तो बैचेन हो गए

ब्रिक्स समिट के इनॉगरल सेशन में सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष पहुंचे। इनमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल थे। जिनपिंग मंगलवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम इवेंट में शामिल नहीं हुए थे। चीन के ऑफिशियल्स ने इसकी वजह भी नहीं बताई थी। बहरहाल, बुधवार को जब वो इवेंट हॉल के एंट्री गेट पर पहुंचे तो वहां मौजूद साउथ अफ्रीकी प्रोटोकॉल ऑफिसर्स ने उन्हें एस्कॉर्ट किया। इसके बाद जिनपिंग रेड कार्पेट पर धीमे कदमों से चलते हुए कॉरिडोर में दाखिल हुए। चीनी प्रेसिडेंट के ठीक पीछे उनका स्टाफ और सिक्योरिटी कमांड थे। जैसे ही इन्होंने गेट से कॉरिडोर में दाखिल होने की कोशिश की तो वहां मौजूद प्रोटोकॉल टीम ने उन्हें न सिर्फ रोक दिया, बल्कि एंट्री गेट भी बंद कर दिया। अब आगे जिनपिंग थे और पीछे बंद दरवाजा। हैरान-परेशान

जिनपिंग बार-बार पलटकर अपने अफसरों को खोजते रहे, लेकिन उन्हें कोई नहीं दिखा। यह तमाम नजारे वीडियो में कैद हुए और कुछ ही देर में वायरल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि दरअसल, जिनपिंग के कमांडो उनसे थोड़ा पीछे रह गए थे। जब वो कुछ सेकेंड देरी से पहुंचे तो तेजी से जिनपिंग की तरफ बढ़ते नजर आए, जिससे ब्रिक्स के सिक्योरिटी अफसरों को उन पर शक हुआ। इसी वजह से सुरक्षा को देखते हुए उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया। साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 15वीं ब्रिक्स समिट शुरू हो गई है। ब्रिक्स देशों के नेता लावरोव सैंड्टन कन्वेंशन सेंटर में हाथ पकड़कर तस्वीर खिंचवाते नजर आए। इस दौरान एक घटना ने हर किसी का ध्यान खींचा। ग्रुप फोटो सेशन के दौरान हर लीडर के खड़े होने की जगह तय थी। मोदी जब साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट के साथ मंच पर पहुंचे तो उन्हें तिरंगा जमीन पर दिखा। प्रधानमंत्री ने फौरन राष्ट्रीय ध्वज उठाया और सलीके से जैकेट की जेब में रख लिया। दूसरी तरफ, साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट ने भी अपने देश का फ्लैग उठाया, लेकिन यह स्टाफ को सौंप दिया। इस अफसर ने मोदी से भी तिरंगा देने की गुजारिश की, लेकिन उन्होंने नम्रता से इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए बहस के दौरान घिरे विवेक रामास्वामी, नेताओं ने कहा- अनुभवहीन ओबामा

वाशिंगटन ।

न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने अपने साथी प्रतिद्वंद्वी भारतीय-

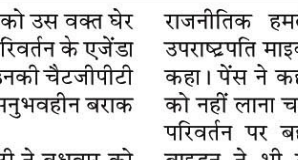

अमेरिकी विवेक रामास्वामी को उस वक्त घेर लिया, जब उन्होंने जलवायु परिवर्तन के एजेंडा को धोखा बताया। क्रिस्टी ने उनकी चैटजीपीटी से तुलना की। साथ ही उन्हें अनुभवहीन बराक ओबामा बताया।

बता दें, 60 वर्षीय क्रिस्टी ने बुधवार को पहली रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस के दौरान यह बात कही। गौरतलब है, हाल ही में एक नया सर्वे सामने आया था, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद दूसरे नंबर पर लगातार विवेक रामास्वामी बने हुए हैं। क्रिस्टी रामास्वामी के उस बयान पर भड़क गए, जब उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का एजेंडा एक धोखा है। क्रिस्टी ने कहा कि रुको, मैं आज रात एक ऐसे व्यक्ति को देख चुका हूं, जो चैटजीपीटी जैसा लगता है।

उन्होंने कहा एक बार पूर्व नेता ब्रेट ने कहा था कि अजीब सरनेम वाला आदमी यहां क्या कर रहा है। उस समय वो शख्स बराक ओबामा थे। उन्होंने कहा कि मुझे डर है कि हम आज रात फिर से उसी तरह के अनुभवहीन व्यक्ति का सामना कर रहे हैं। रामास्वामी की बढ़ती लोकप्रियता के बीच उनपर लगातार राजनीतिक हमले किए जा रहे है। पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने भी उन्हें नौसिखिया कहा। पेंस ने कहा कि हमें अनुभवहीन लोगों को नहीं लाना चाहिए। इतना ही नहीं,जलवायु परिवर्तन पर बहस के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी रामास्वामी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी।

रामास्वामी द्वारा जलवायु परिवर्तन के एजेंडा को धोखा बताए जाने के तुरंत बाद राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह वास्तविक है। रामास्वामी ने बहस के दौरान कहा था कि मंच पर मैं एकमात्र व्यक्ति हूं जिसे खरीदा नहीं जा सका। इसलिए मैं यह कह सकता हूं कि जलवायु परिवर्तन एजेंडा एक धोखा है और वास्तविकता यह है कि कार्बन विरोधी एजेंडा हमारी अर्थव्यवस्था पर केवल एक गीला कंबल है। इसलिए वास्तविकता यह है कि खराब जलवायु की बजाय बुरी जलवायु परिवर्तन नीतियों के कारण अधिक लोग मर रहे हैं।

जापान में ह्यूमन डिजिटल क्लोन: ऑनलाइन मीटिंग के साथ ही इंटरव्यू ले सकेगा, मरीजों की स्क्रीनिंग भी करेगा; इसकी कीमत 1.16 करोड़ रुपए

टोक्यो।

विज्ञान ने पशुओं की क्लोनिंग को तो संभव बना दिया पर इंसान का क्लोन कब तैयार होगा, यह कोई नहीं जानता। हालांकि टोक्यो के एक स्टार्टअप ने इंसान का डिजिटल क्लोन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। यह हूबहू कंपनी के मालिक की तरह दिखता है, उनकी तरह बात करता है। व्यक्ति के व्यवहार और पसंद में बदलाव के हिसाब से अपडेट भी होता है। यह इनोवेशन जापानी कंपनी ऑल्ट इंक ने किया है। कंपनी के सीईओ कजुताका योनेकुरा ऐसी दुनिया का सपना देखते हैं, जहां सबका डिजिटल 'क्लोन' हो। योनेकुरा का दावा है कि यह क्लोन हमारे रोज के कामों की जिम्मेदारी उठा सकता है। जैसे जूम मीटिंग अटेंड करना। कम्प्यूटर स्क्रीन पर योनेकुरा ने कृत्रिम आवाज वाला अपना क्लोन दिखाया। योनेकुरा ने कहा- यह आपको उन सभी नियमित कामों से मुक्त कर देता है जो आपको कल,

परसों और उसके अगले दिन करने चाहिए। 46 साल के योनेकुरा कहते हैं- यह टेक्नोलॉजी सिरी, चैटजीपीटी या गूगल एआई से ज्यादा व्यक्तिगत है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आपका है, उस टेक कंपनी का नहीं जिसने इसे बनाया है। आपकी प्राइवेसी को किसी तरह का जोखिम नहीं होगा। उन्होंने कहा- ऑल्ट के बनाए क्लोन की लागत करीब 1.16 करोड़ रुपए आई है। इसलिए बड़े पैमाने पर इसे तैयार करने में अभी समय लगेगा। जिस व्यक्ति का डिजिटल क्लोन बनाना है, उसके बारे में जानकारी सोशल मीडिया साइट और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिकॉर्ड से हटाकर सॉफ्टवेयर में स्टोर की जाती है। योनेकुरा ने कहा- साउथ कैलिफोर्निया और टोक्यो यूनिवर्सिटी के सहयोग के अलावा ऑल्ट को करीब 330 करोड़ रुपए घरेलू निवेश भी मिला है। जापानी बैंकों के वेंचर कैपिटल फंड से भी इसे मदद मिली है। टेक एक्सपर्ट यू तमुरा कहते हैं- जापानी एनिमेशन की तरह ही डिजिटल क्लोन टेक्नोलॉजी भी दुनिया में अलग जगह बनाएगी। आपके मूल्यों और लक्ष्यों को समाहित किए डिजिटल क्लोन बदलाव के शक्तिशाली एजेंट बन सकते हैं। व्यक्तिगत मान्यताओं व सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करके क्लोन करुणा, सहानुभूति के प्रतीक के रूप में दूसरों के जीवन को छूने के साथ वैश्विक स्तर पर सकारात्मक बदलाव को प्रेरित कर सकते हैं। योनेकुरा कहते हैं- डिजिटल क्लोन इस तरह डिजाइन किया गया है कि वह ओरिजिनल व्यक्ति के ज्यादा से ज्यादा काम संभाल सके। वह मीटिंग ले सके, हायरिंग करनी है तो उम्मीदवारों का शुरुआती इंटरव्यू ले सकें। अगर क्लोन डॉक्टर का है तो वह मरीजों की शुरुआती स्क्रीनिंग करने में समर्थ होगा।

जापान ने समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी छोड़ना शुरू किया

133 करोड़ लीटर पानी अगले 30 साल रिलीज होगा; इससे क्यों डरे चीन-साउथ कोरिया के लोग

टोक्यो।

जापान ने समुद्र में फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट का रेडियोएक्टिव पानी पैसिफिक महासागर में छोड़ना शुरू कर दिया। बताया है कि पहले दिन करीब 2 लाख लीटर पानी छोड़ा जाएगा। इसके बाद इसे बढ़ाकर 4.60 लाख लीटर कर दिया जाएगा। न्यूक्लियर प्लांट को मेंटेन करने वाली कंपनी ने बताया कि सबसे पहले सैंपल के तौर पर शुरुआती टैंक से थोड़ा पानी छोड़ा गया। इसके पहले और बाद में सभी कंडीशन्स चेक की गई। इसमें कोई गड़बड़ी नजर नहीं आई। प्लांट से पानी को रिलीज करने वाला पंप 24 घंटे एक्टिव रहेगा।

रेडियोएक्टिव पानी क्यों छोड़ा जा रहा - 12 साल पहले 2011 में आए भूकंप और सूनामी की वजह से फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में भयानक विस्फोट हुआ था। इसके बाद से ही वहां 133 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव पानी जमा है। अब जापान इसे निजात पाने के लिए इसे बहा रहा है। जमा पानी करीब 500 ओलंपिक साइज स्विमिंग पुल के जितना है। जैसे ही जापान ने इस पानी को समुद्र में मिलाने की बात कही, चीन और दक्षिण कोरिया के लोग डरे हुए हैं।

कहां से आया 133 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव पानी - 11 मार्च को 3 बजकर 42 मिनट पर जापान में 9.1 तीव्रता का भूकंप आया। इससे समुद्र की परत खिसकने से सुनामी आ गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही फुकुशिमा में समुद्र किनारे बने न्यूक्लियर प्लांट के रिएक्टर बंद कर दिए गए। रिएक्टर की कूलिंग के लिए जनरेटर स्टार्ट कर दिए गए। इमरजेंसी जनरेटर गर्म रिएक्टर को ठंडा कर पाता, इससे पहले ही पानी प्लांट में घुस आया। इसके बाद इमरजेंसी जेनरेटर बंद हो गया जिससे गर्म रिएक्टर पिघलने लगा। कुछ देर बाद न्यूक्लियर पावर प्लांट में भयानक विस्फोट

होने लगे। आने वाले कई महीनों तक न्यूक्लियर रिएक्टर्स में चेन रिएक्शन होने से रोकने के लिए उसे 133 करोड़ लीटर समुद्र के पानी से ठंडा रखा गया। इससे पानी में 64 तरह के रेडियोएक्टिव मटेरियल घुल गए। इनमें कार्बन-14, आयोडिन-131, सीजियम- 137, स्ट्रोनटियम-90 कोबाल्ट , हाइड्रोजन-3 और ट्राइटियम ऐसे एलिमेंट्स हैं, जो इंसानों के लिए हानिकारक हैं। इनमें से ज्यादातर रेडियोएक्टिव मटेरियल्स की लाइफ काफी कम होती है। इससे इनका असर खत्म हो चुका है। हालांकि, कार्बन-14 जैसे कुछ मटेरियल हैं जिसका असर कम होने में 5 हजार साल लगते हैं। इसके अलावा न्यूक्लियर रिएक्टर पानी में अभी भी ट्राइटियम के कण मौजूद हैं।

जापान के रेडियोएक्टिव पानी छोड़ने पर दुनिया की प्रतिक्रिया - रेडियोएक्टिव पाना छोड़े जाने पर चीन साउथ कोरिया को डर है कि ये सी फूड यानी मछली, क्रैब और समुद्री जीवों के जरिए इंसानों के शरीर तक पहुंच सकता है। ट्राइटियम के स्किन पर गिरने से नुकसान नहीं होता, लेकिन शरीर में घुसने से कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। हांगकांग और चीन ने तो जापान से सी फूड इंपोर्ट करने पर ही पाबंदी लगा दी है। वहीं, साउथ कोरिया की स्टुडेंट यूनियन ने सियोल में जापान की दूतावास में घुसपैठ करने की कोशिश की। कई छात्रों को हिरासत में लिया गया है। चीन ने कहा है कि जापान ने मंसूबों ने दुनिया को खतरे में डालने का काम किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे जापान की पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर बुरा असर पड़ सकता है।

कब तक रहेगा रेडियोएक्टिव मटेरियल का असर - समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी रिलीज करने के प्लान को एटॉमिक एजेंसी अप्रूव कर चुकी है। रेडियोएक्टिव मटेरियल को रिलीज करने के लिए प्रोसेस पूरी करनी पड़ती है। इसे पूरा करने के बाद ही रेडियोएक्टिव पानी को समुद्र में छोड़ा जा रहा है। एक हजार टैंक्स से रखे पानी को एक साथ नहीं बल्कि 30 साल तक रिलीज किया जाएगा। रोज 5 लाख लीटर रेडियोएक्टिव पानी समुद्र में मिलाया जाने का लक्ष्य रखा है।

पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों व कांग्रेस नेताओं सहित अट्ठारह लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक कार्यों, जनकल्याणकारी नीतियों और प्रदेश में कांग्रेस सरकार के जंगलराज से आहत होकर बिना किसी शर्त के गुरुवार को विभिन्न समाजों और राजनीतिक दलों से आए 18 प्रशासनिक अधिकारियों और नेताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एंव रैगर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवरलाल नवल, बैरवा महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष लालाराम बैरवा, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कैलाश वर्मा, सेवानिवृत आईएएस हनुमान सिंह भाटी, कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष कमल राठौर, पूर्व आईपीएस डॉ. महेश भारद्वाज, कुंवर राव गगन सिंह, सेवानिवृत आयुक्त ओमप्रकाश मीणा, सेवानिवृत डीईओ राजाराम मीणा, सेवानिवृत शिक्षा निदेशक बहादुरसिंह गुर्जर, ओमप्रकाश बागड़ा, रिटायर्ड आयकर आयुक्त नरेंद्र गौड़, भूदेव देवड़ा, दयानंद सक्खवाल, सेवानिवृत पुलिस अधिकारी खेमराज खोलिया, धनेश्वर आहारी और प्रशासनिक सेवा के माताराम रिणवा को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने माला और भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। कार्यक्रम में मंच संचालन विधायक वासुदेव देवनानी ने किया। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी समाजों में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने को लेकर उत्साह और उत्सुकता है। कांग्रेस सरकार के जंगलराज से आज प्रदेश का हर तबका तंग है। इसलिए सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में भी दलित समाज से बड़ी संख्या में पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। विभिन्न समाजों से आए लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में विश्वास रखते हुए बिना किसी शर्त के भाजपा को चुना है। प्रदेश की जनता अब मन बना चुकी है, आगामी चुनावों में युवा, किसान और दलित विरोधी कांग्रेस सरकार को प्रदेश की जनता उखाड फेंकेगी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के अलग अलग क्षेत्रों से भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों को भाजपा परिवार स्वागत करता है। राजस्थान में एक सिलसिला चल पडा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में लोगों की भाजपा के प्रति अटूट आस्था है। आज प्रदेश में कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार ने बिजली कटौती, महंगे बिजली बिल, पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल पर वैट, महिला अपराध, युवाओं और किसानों से वादाखिलाफी के साथ प्रदेश के हर वर्ग को चोट पहुंचाई है। सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों को पता है कि सुशासन देने वाली कोई पार्टी देश और प्रदेश में है तो वह भाजपा है। केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देशसेवा करने के लिए हमें किसी माध्यम से फर्क नहीं पड़ता। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों का भाजपा परिवार में स्वागत और अभिनंदन करता हूं। आज देश को प्रधानमंत्री मोदी के रूप में मजबूत नेतृत्व वाली सरकार मिली है। कल का दिन भारतवासियों के लिए गौरव का दिन था। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना। दूसरी ओर प्रदेश में कांग्रेस राज को देखने पर लगता है कि पर्यटन और शौर्य के लिए अपनी पहचान रखने वाला राजस्थान बदहाल कानून व्यवस्था, महिला और दलित उत्पीड़न के चलते शर्मसार हुआ है। हम सभी को विजय संकल्प लेकर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से सत्ता में लाने के लिए जुट जाना चाहिए।

टोल प्लाजा आंदोलनकारियों की रिहाई के लिए बड़ी ब्राह्मणा में रहा बंद, कई जगह प्रदर्शन

बड़ी ब्राह्मणा (हिंस)। वामने दी बड़ी जिस को आजकल बड़ी बड़ी ब्राह्मणा में भी कहा जाता है, के दुकानदारों ने गुरुवार को अपनी दुकानें बंद रख कर युवा राजपूत सभा के सदस्यों की रिहाई की मांग करते हुए कहा कि आज तो बाद दोपहर तक ही बंद रखा है पर अगर सरकार ने टोल बंद नहीं किया या गिरफ्तार निर्दोष युवकों को रिहा नहीं किया तो वह लगातार बंद रखेंगे। विशनाह रोड व्यापार मंडल प्रधान क्रांति चांडक ने इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि साम्बा डीसी ने गलत कदम उठाये हैं। वहीं पूर्व चेयरमैन नगर पालिका रमन महाजन ने कहा कि युवक शांतिपूर्ण धरना पर बैठे थे उनको गिरफ्तारी पूरी तरह से गलत है। इस अवसर पर योगराज सिंह ने भी विरोध जताते हुए कहा कि दुकानदार लंबी लड़ाई लड़ने को भी तैयार हैं पर टोल बंद करवा के ही चैन से बैठेंगे। क्रांति चांडक ने सरकार को चेताते हुए कहा कि उनको तीन माह दुकान बंद करने का अनुभव पहले ही है। आज दोपहर दो बजे तक यहां की सब दुकानें बंद रहीं व सारा युवा वर्ग आक्रोश में था कि प्रशासन ने अड़ियल नीति बनाई हुई है। मीडिया को सड़क की दुर्दशा दिखाते हुए व्यापारियों ने कहा कि ये हालत है सडक की और ये जबरन टोल वसूल रहे हैं। सबने बिना देरी गिरफ्तार लोगों को बिना शर्त छोड़ने की बात कही व कहा वर्ना आगे फिर बंद घोषित किया जाएगा। उधर पुरमंडल मोड, सरोर आदि में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं ग्रेटर कैलाश में भी लोगों ने युवकों की रिहाई और टोल प्लाजा को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसके अलावा नगरोडटा में भी भाजपा नेता डॉ. रंदीप सिंह परिहार के नेतृतव में लोगों ने टोल प्लाजा और युवकों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

फिरोजपुर सीमा से पकड़ा चाइनीज ड्रोन, 21 करोड़ की हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ व पंजाब पुलिस ने भारत-पाक सीमा पर सर्च ऑपरेशन चलाकर चाइनीज ड्रोन बरामद किया है, जिस पर करीब 21 करोड़ रुपए की हेरोइन थी। बीएसएफ के अनुसार बुधवार रात फिरोजपुर के गांव हजारे सिंह वाला में ड्रोन गतिविधि देखने को मिली, जिसके बाद बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन शुरू किया। देर रात सर्च के दौरान गांव हजारे सिंह वाला के खेतों में ड्रोन मिला। उसके साथ पीले रंग का एक पैकेट भी बंधा था, जो ड्रोन गिरने के कारण फट चुका था। पीले रंगे के बड़े पैकेट में छोटे पैकेट थे, जिनमें हेरोइन की खेप थी। इसका कुल वजन 3.4 किलोग्राम आंका गया और इसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीबन 21 करोड़ रुपए बताई जा रही है। फिलहाल

खेप को जांच के लिए लैब में भेज दिया गया है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। ड्रोन भी कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

पेयजल समस्या से गुस्साए कुलाना के ग्रामीणों ने जड़ा जलघर को ताला

हिसार (हिंस)। पीने के पानी की समस्या से गुस्साए हांसी क्षेत्र के कुलाना के ग्रामीणों ने गांव के जलघर को ताला जड़ दिया। महिलाओं ने जलघर के बाहर खाली मटके तोड़ कर जनस्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जलघर को ताला जड़ने की सूचना मिलने पर जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ आशीष कुंडू तथा जेई बीर सिंह पहुंचे। ग्रामीणों को जल्द समस्या का समाधान किए जाने का आश्वासन देकर ग्रामीणों ताले को खुलवाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों के मौके पर आकर समस्या का समाधान नहीं करने तक जलघर के गेट पर लगाए गए ताले को खोलने से स्पष्ट इंकार कर दिया। हांसी क्षेत्र के गांव कुलाना में गुरुवार

को हुए इस प्रदर्शन के दौरान एसडीओ आशीष कुंडू ने ग्रामीणों की जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता से मोबाइल फोन का स्पीकर ऑन कर ग्रामीणों से बातचीत करवाई परंतु ग्रामीण विभाग के कार्यकारी अभियंता के मौके पर आकर पीने के पानी की समस्या का समाधान किए जाने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि जब तक जनस्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी मौके पर आकर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे तब तक जलघर पर ताला लगा रहेगा। जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता ने ग्रामीणों को शुक्रवार सुबह में पहुंच समस्या के समाधान करने का आश्वासन दिया है। कार्यकारी अभियंता ने ग्रामीणों से कहा कि वह आज निजी कार्य से रोहतक आए हुए हैं और कल सुबह आप लोगों के बीच आकर पीने के पानी समस्या का समाधान किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से जलघर को लगाए गए ताले को खोलने का आग्रह किया, जिसके बाद ग्रामीणों ने यह कहते हुए जलघर पर लगाए गए ताले को खोल दिया कि यदि जल्द ही उनकी पीने के पानी की समस्या समाधान नहीं किया गया तो वे जलघर को दोबारा ताला लगाने से गुरेज नहीं करेंगे।

2025 तक राजस्थान को क्षयमुक्त बनाना हमारा ध्येय : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान 29 ग्राम पंचायतों को टीबीमुक्त घोषित करने वाला पहला राज्य है। टीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 4-4 जिलों को राष्ट्रीय स्तर पर रजत एवं कांस्य पदक दिए गए हैं। यह क्षय रोग के उन्मूलन की दिशा में हमारे गंभीर प्रयासों कों इंगित करता है। उन्होंने कहा कि निरोगी राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने एवं 2030 तक राजस्थान को स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में नंबर वन राज्य बनाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रत्येक गांव में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाकर अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता है। गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर टीबी मुक्त राजस्थान सम्मेलन, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के द्वितीय चरण, चिकित्सा संस्थानों के शिलान्यास व लोकार्पण तथा 104-108 एम्बुलेन्स सेवाओं के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टीबी एक घातक रोग है। क्षय रोगी का जीवन काफी कष्टमय होता है। विश्व के 26 प्रतिशत टीबी के मरीज भारत में हैं तथा इनमें से 6 प्रतिशत राजस्थान में हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक

राजस्थान को क्षयमुक्त बनाना हमारा ध्येय है। जिस प्रकार प्रदेश में सभी ने मिलकर कोविड-19 महामारी का सामना किया उसी तरह सभी को साथ लेकर प्रदेश को टीबीमुक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने और पंचायत स्तर तक रोगियों को चिन्हित कर उपचार करने के लिए *टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान* संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष राज्य की ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए प्रदेष की 7000 ग्राम पंचायतों में *टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान* के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने *म्हारे गांव टीबी न पसारे पांव* क्षय रोग जागरूकता पोस्टर तथा पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही, श्री गहलोत ने वर्ष 2022 में टीबी उन्मूलन की दिषा में रजत पदक प्राप्त करने वाले बारां, भीलवाड़ा, जालोर और जैसलमेर तथा कांस्य पदक प्राप्त करने वाले बांसवाड़ा, चित्तौडगढ़, राजसमंद और उदयपुर जिला कलक्टर को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा 29 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में 442 करोड़ रुपए की लागत के 224 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। गहलोत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप जिला अस्पतालों सहित कुल 122 करोड़ रुपए की लागत से बने 109 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण किया। साथ ही, उन्होंने 320 करोड़ रुपए की लागत के 115 चिकित्सा संस्थानों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 50 नई 108 एम्बुलेंस तथा 20 नई 104 जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में अंगदान महाभियान के तहत प्रदेश में 1.43 करोड़ से अधिक लोगों के द्वारा अंगदान की शपथ लेने पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन एवं ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा सर्टिफिकेट दिया गया। इस दौरान गहलोत ने अंगदान महाभियान के दौरान सर्वाधिक अंगदान की शपथ लेने वाले जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अंगदान महाभियान से संबंधित वीडियो फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

देश की विकास-प्रक्रिया में युवाओं को बड़ी भूमिका निभानी होगी : अनुराग ठाकुर

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि युवा भारत की ताकत हैं। दुनिया को भारत से और भारत को युवाओं से बहुत उम्मीद है। युवाओं को देश का वर्तमान और भविष्य बताते हुए ठाकुर ने कहा कि देश की विकास प्रक्रिया में युवाओं को बड़ी भूमिका निभानी होगी। केन्द्रीय मंत्री ठाकुर गुरुवार को नेहरू युवा केंद्र संगठन जयपुर की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत के सामर्थ्य को देखती है और भारत के युवाओं के सामर्थ्य को देखती है और भारत में अपना भविष्य देखती है, भारत के युवाओं में अपना भविष्य देखती है। युवा उत्सव की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में नवाचार हो, जिसमें युवाओं को हर स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले। इसी उद्देश्य के साथ जिला स्तर पर, फिर राज्य स्तर पर और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर युवा अपनी प्रतिभा दिखा सकें, ऐसी कार्ययोजना बनाई गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि जब देश का युवा जागरुक होगा, तो भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में होगा। उन्होंने युवाओं को पंच प्रण-भारत को विकसित देश बनाना, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना, गुलामी की मानसिकता से छुटकारा पाना, एकता व एकजुटता बनाए रखना, और हर नागरिक को अपने कर्तव्य का पालन करना- की प्रतिज्ञा भी दिलवाई। एक भारत श्रेष्ठ भारत को आगे बढ़ाते हुए युवा उत्सव में भाग ले रहे युवाओं से अपने प्रदेश और देश में यात्रा करने का आह्वान करते हुए केंद्रीय युवा कार्यक्रम मंत्री ने कहा कि इससे देश को जानने का अवसर मिलता है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र में भी यात्रा करने की अपील की ताकि इन क्षेत्रों में जो कठिनाइयां हैं, उन्हें जानने का युवाओं को अवसर मिले। अपने संसदीय क्षेत्र का उल्लेख करते हुए ठाकुर ने कहा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र से कुछ युवा चुनते हैं और उन्हें 6 दिन की यात्रा कराते हैं, जो उनके व्यक्तित्व विकास में बड़ी भूमिका निभाता है। इस अवसर पर जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, नेहरू युवा केंद्र संगठन के निदेशक भुवनेश जैन और राज्य निदेशक महेंद्र सिंह सिसोदिया ने भी अपने विचार रखे। प्रदेशभर से आए विजेता युवाओं ने इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियां शुरू

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में गोविंददेवजी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में कृष्ण जन्माष्टमी सात सितम्बर मनाई जाएगी। इसको लेकर आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का श्रीगणेश शुरू हो गया और मंदिर में उल्लास नजर आने लग गया है। महोत्सव के तहत गुरुवार को गिर्राज परिक्रमा मंडल की ओर से भजन-संकीर्तन किया गया। वहीं शाम को ठाकुरजी के विशेष उत्सव दर्शन हुए। मंदिर परिसर को बांदरवाल आदि से सजाया जा रहा है। मंदिर में अलग-अलग लाइनों के लिए बेरिकेडिंग की जा रही है। जन्माष्टमी की तैयारियों के बीच मंदिर में भजन-संकीर्तन शुरू हो चुके है। महोत्सव के तहत 25 अगस्त को सुबह श्री निंबार्क परिषद मंडल की ओर से भजन-संकीर्तन किया जाएगा। वहीं शाम को श्री नारायण नाम संकीर्तन मंडल की ओर से भजन कीर्तन होगा।

हिसार के युवा विज्ञानी व उनकी टीम रही चंद्रयान की सेफ लेंडिंग टीम का हिस्सा

हिसार (हिंस)। मिशन चंद्रयान की सफलता से हर देशवासी गौरवांवित है। मिशन की सफलता के बाद देशवासियों के हर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर किसी के सोशल मीडिया अकाउंट पर मिशन की सफलता से जुड़ी तस्वीर लगी हुई है। खास बात यह है कि मिशन में हिसार का भी प्रमुख योगदान है। मिशन का सफल करने वाली टीम में हिसार का युवा वैज्ञानिक शामिल है। बेटे व उसकी टीम की सफलता से परिवारजन फूले नहीं समा रहे हैं। जी हां, हिसार के युवा वैज्ञानिक मिशन चंद्रयान टीम का हिस्सा रहे हैं। मिशन की सफलता के बाद युवा वैज्ञानिक के परिजनों के पास बधाई संदेश आ रहे हैं। हर कोई वैज्ञानिकों की इस सफलता से उत्साहित व खुश नजर आ रहा है और हिसार के पटेल नगर निवासी वैज्ञानिक के माता, पिता व अन्य परिजनों

को फोन करके बधाई दे रहे हैं। युवा वैज्ञानिक के पिता मुनीष कुमार ने गुरुवार को बताया कि युवा वैज्ञानिक ने प्लस टू तक की शिक्षा यहां के सेंट सोफिया स्कूल से हासिल की है। इसके बाद उसने जेईई मेन व जेईई एडवांस की तैयारी करने लगा। इसी के साथ वह इसरो में जाने की तैयारी करने लगा और उसकी लग्न व मेहनत से उसे यह मुकाम भी हासिल हो गया। पिता के अनुसार युवा वैज्ञानिक बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि रहा और हमेशा कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में रखा और उसी जज्बे का परिणाम है कि वह मिशन चंद्रयान टीम का हिस्सा बना। युवा वैज्ञानिक के पिता मुनीष मलिक गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में कार्यरत है, वहीं माता श्रीमती प्रवीण मलिक प्राचार्या है। युवा वैज्ञानिक की उपलब्धि पर पिता मुनीष मलिक, माता प्रवीण मलिक, दादा ओमप्रकाश मलिक व ताउ ईश आर्य सहित अन्य परिजन उत्साहित है। परिजनों के अनुसार जैसे ही मिशन चंद्रयान सफल हुआ तो युवा विज्ञानी ने उन्हें फोन करके कहा कि मां-पिता जी, हमने वो कर दिखाया, जिसका काफी दिनों से इंतजार था। परिजनों के अनुसार युवा विज्ञानी की तरफ से तैयार तकनीक ये चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सुरक्षित लेंडिंग करवाई गई।

पंजाब के पूर्व मंत्री व अधिकारियों के घर ईडी की छापेमारी

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गुरुवार सुबह पंजाब के पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु के लुधियाना स्थित आवास पर छापेमारी की। आशु पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री थे। ईडी की टीमों ने पूर्व मंत्री के विभाग के कई अधिकारियों के घरों में भी सर्च की। आशु पर मंत्री रहते अनाज ढुलाई समेत कई अन्य घोटालों में शामिल होने के आरोप लगे थे। पंजाब सरकार ने लुधियाना समेत अन्य जगहों पर आशु के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। इन मामलों में आशु को कई महीने जेल काटनी पड़ी और अब वह जमानत पर बाहर हैं। ईडी ने विजिलेंस से अनाज घोटाले के कागज लिए थे। इसके बाद जांच प्रक्रिया के तहत आज छापेमारी की गई है। ईडी की छापेमारी के दौरान आशु की पत्नी मंदिर गई हुई थी। वह जब वापस आईं तो मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें घर के अंदर नहीं जाने दिया। इसके साथ ही पूर्व मेयर बलकार सिंह को भी बाहर रोक दिया गया। ईडी लुधियाना तथा पंजाब में कई स्थानों पर रेड कर रही है।

सरकारी स्कूल की इमारत गिरने के मामले में ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा

चंडीगढ़ (हिंस)। लुधियाना में सरकारी स्कूल की इमारत गिरने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ठेकेदार भाजपा नेता अनमोल कत्याल है, जिसने यह इमारत बनाई थी। अनमोल अभी फरार चल रहा है। बुधवार को लुधियाना के बद्दोवाल स्थित सरकारी स्मार्ट स्कूल की इमारत गिरने से एक अध्यापिका रविंदरपाल कौर की मौत हो गई थी जबकि नरिंद्रजीत कौर, सुखजीत कौर और इंदू रानी घायल हो गई थी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुरुवार को ठेकेदार अनमोल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

चौटाला कर रहे हैं पिता व दादा के नाम पर राजनीति:मेयर मदन चौहान

अजय चौटाला के बयान पर पलटवार

यमुनानगर (हिंस)। इनेलो नेता अजय चौटाला के बयान पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को मेयर मदन चौहान ने पलटवार करते हुए कहा कि वह बड़ा आदमी है। जो झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। वह अपने पिता और दादा के नाम पर राजनीति कर रहा है। मेरे तो न पिता ने राजनीति की और न ही दादा ने की। उन्होंने कहा कि मैं तो बहुत गरीब घर से निकलकर आया हूं। न मेरे पिता विदेश में रहे। मेरे पिता तो एक मजदूर थे। न उन्होंने कभी भ्रष्टाचार किया और न ही उन्होंने किया। जो लोग इस तरह के काम करते है। वह उन पर आरोप लगा रहे है। ऐसी मनघडंत बाते कर रहे है। जो अपने पिता व दादा के नाम पर राजनीति कर रहे है। उन्हें इस तरह की बातें करना शोभा नहीं देता। मेयर ने कहा कि हमने शहर का विकास कराने का काम किया है। हर वार्ड में करोड़ों रुपए के विकास कार्य कराए गए है और करोड़ों रुपए के ही काम अभी किए जा रहे है। बीते चार साल में हमने निगम क्षेत्र में लगभग 400 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए है। अप्रूव्ड हुई 69 कॉलोनियों में विकास कार्य करवाए जा रहे है। इसके अलावा 92 और कॉलोनियों को अप्रूव्ड कराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हम शहर को व्यवस्थित तरीके से बसाने का काम कर रहे है। सभी मार्गों पर जाम का कारण बनने वाले स्ट्रीट वेंडर्स के लिए स्ट्रीट वेंडिंग जोन बनाए गए है। चांदपुर में ऑटो मार्केट बनाई जा रही है। शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में सुधार किया गया है। इसके अलावा जल्द ही वार्ड एक से सात में 23 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाएं जाएंगे।

जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक में बोले पीयूष गोयल

ऐसे काम किए जाएं जो परिणाम दे सकें

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यहां जी-20 में शामिल देशों के व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक (टीआईएमएम) के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में बाधाओं को कम करने तथा उत्पादकता और आउटपुट को बढ़ावा देने में मदद कर सभी के लिए आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ाने पर फोकस रहेगा। ठोस, निर्णायक और सामूहिक रूप से ऐसे काम किए जाएं जो परिणाम दे सकें। गोयल ने कहा कि टीआईएमएम में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली, समावेशी व्यापार और व्यापार तथा व्यवसाय को आसान बनाने से जुड़े मुद्दों पर साझा परिणाम प्राप्त करने पर फोकस रहेगा। इन मुद्दों पर भारत की जी-20 अध्यक्षता में आयोजित चार व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) की बैठकों में विचार-विमर्श किया गया है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि बैठकों का उद्देश्य निष्पक्ष, समावेशी और टिकाऊ व्यापार तथा इससे संबंधित निवेश नीतियां तैयार करना है। उन्होंने बताया कि टीआईएमएम में वैश्विक विकास और समृद्धि के

लिए बहुपक्षीय व्यापार, समावेशी और लचीले व्यापार व पेपरलेस ट्रेड के लिए तकनीक का लाभ उठाने जैसे विषयों पर सत्र होंगे। मौजूदा बहुराष्ट्रीय चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए इन सत्रों में होने वाली चर्चा से महत्वपूर्ण परिणाम सामने आएंगे। वणिज्य मंत्री ने कहा कि टीडब्लूआईजी बैठकों में पांच प्राथमिकता वाले मुद्दों जैसे विकास और समृद्धि के लिए व्यापार, रेजिलिएंट ट्रेड और ग्लोबल वेल्यू चेन्स (जीवीसी), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को विश्व व्यापार से जोड़ने, व्यापार के लिए लॉजिस्टिक्स और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधार पर जी-20 तथा अन्य आमंत्रित देशों के बीच गहन चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि आज की आपस में जुड़ी दुनिया में ग्लोबल वेल्यू चेन्स की अवधारणा ने राष्ट्रों के व्यापार और निवेश में शामिल होने के तरीके में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और ऐसे ही अन्य बड़े घटनाक्रमों ने ग्लोबल वेल्यू चेन्स को बाधित कर दिया है और हमें समावेशी और सस्टेनेबल ग्लोबल वेल्यू चेन्स को बढ़ावा देने के महत्व का एहसास कराया है। गोयल ने कहा कि भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के तहत वैश्विक अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को पहचाना है और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एमएसएमई नवाचार को बढ़ावा देने वाली अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ हैं, ये नौकरियां पैदा करते हैं और समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। मंत्री ने कहा कि विकास के नए रास्ते खोलने के लिए वैश्विक व्यापार में एमएसएमई की समान पहुंच और भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विष्णु प्रकाश का आईपीओ ओपन हुआ: प्राइस बैंड 94 से 99, 150 शेयर्स का मिनिमम लॉट साइज; इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 55 प्रतिशत रिटर्न

मुंबई। विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। इस आईपीओ में इन्वेस्टर्स 28 अगस्त यानी सोमवार तक इन्वेस्ट कर सकते हैं। विष्णु प्रकाश इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कंपनी है। आइए इस आईपीओ के बारे में जानते हैं।

विष्णु प्रकाश के आईपीओ का प्राइस बैंड 94 से 99 - विष्णु प्रकाश के आईपीओ के लिए कंपनी ने 94-99 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। इन्वेस्टर्स को कंपनी के शेयर्स 4 सितंबर को डीमैट अकाउंट में क्रेडिट किए जाएंगे। इसके शेयर्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों पर 5 सितंबर को लिस्ट होंगे।

मैक्सिमम 13 लॉट के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक - विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड के आईपीओ में रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 150 शेयरों के लिए अप्लाय कर सकते हैं। यदि वह आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 99 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो उनको 14,850 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं निवेशक इसमें मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1950 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,93,050 रुपए खर्च करने होंगे।

इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 55 प्रतिशत रिटर्न - लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 55 प्रतिशत यानी 54 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्राइस के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड 99 के लिहाज से इसकी लिस्टिंग (99+54 =153) 152 के प्रीमियम के साथ हो सकती है। जीएमपी के हिसाब से इस आईपीओ में इन्वेस्टमेंट करने से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा कई मार्केट एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि इस कंपनी के आईपीओ में इन्वेस्टमेंट करना चाहिए। विष्णु प्रकाश के आईपीओ यानी पब्लिक इश्यू का साइज 308.88 करोड़ (31,200,000 शेयर्स) का है। यानी कंपनी इश्यू से 308 करोड़ जुटाएगी। इस आईपीओ में 31,200,000 शेयर्स का फ्रेश इश्यू ही है। विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड भारत के 9 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकारों, ऑटोनॉमस बॉडीज और प्राइवेट बॉडीज के लिए डिजाइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम करती है। कंपनी ने प्रमुख बिजनेस को मुख्य रूप से 4 भागों- वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट, रेलवे प्रोजेक्ट, रोड प्रोजेक्ट और सिंचाई नेटवर्क में बांटा है।

न्यूज़ ब्रीफ

आयुष्मान भारत स्कीम कार्ड होल्डर हैं और अस्पताल नहीं कर रहा इलाज तो तुरंत करें ये काम

नई दिल्ली। भारत के गरीब परिवारों को अच्छे अस्पतालों में ट्रीटमेंट की सुविधा सरकार की ओर से फ्री में मिलती है। अच्छे अस्पतालों में फ्री ट्रीटमेंट की यह सुविधा आयुष्मान भारत स्कीम के तहत ली जा सकती है। आयुष्मान भारत स्कीम की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक सरकार इस स्कीम के तहत 50 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य पर काम कर रही है। भारत सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए इस योजना को सितम्बर 2018 में लॉन्च किया था। स्कीम के तहत रजिस्टर्ड लोगों को 5 लाख रुपये तक के हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा मिलती है। फ्री इलाज करने से अस्पताल नहीं कर सकते मना आयुष्मान भारत स्कीम के तहत आने वाले भारत के किसी भी अस्पताल में कार्ड होल्डर को फ्री इलाज की सुविधा मिलती है। आयुष्मान भारत स्कीम कार्ड होल्डर हैं और इस स्कीम के तहत आने वाला अस्पताल मरीज का इलाज करने से मना कर देता है तो आप अस्पताल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। शिकायत दर्ज करवाने पर सरकार की ओर से अस्पताल के खिलाफ उचित कार्रवाही की जाती है। कब नहीं कर सकते हैं शिकायत हालांकि, यहां समझने की जरूरत है कि शिकायत केवल एक ही शर्त पर की जा सकती है, शर्त यह कि अस्पताल के पास मरीज के लिए स्पेसिफिक ट्रीटमेंट होना चाहिए। अगर मरीज के इलाज के लिए अस्पताल के पास स्पेसिफिक ट्रीटमेंट की सुविधा नहीं है तो आप शिकायत दर्ज करवा नहीं करवा सकते हैं। कैसे और कहां कर सकते है शिकायत आयुष्मान भारत स्कीम कार्ड होल्डर नेशनल टोल-फ्री नंबर 14555 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। आयुष्मान भारत स्कीम के तहत अलग-अलग राज्यों के लिए शिकायत दर्ज करवाने के लिए टोल-फ्री नंबर की सुविधा मिलती है। उत्तरप्रदेश के लिए टोल फ्री नंबर 180018004444, बिहार के लिए 104 और उत्तराखंड के लिए टोल फ्री नंबर 155368 और 18001805368 है।

आरबीआई उदगम पोर्टल लिंक: 35 हजार करोड़ अनक्लेम अमाउंट पाना हुआ अब आसान, आरबीआई का ये पोर्टल आएगा आपके काम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने मई 2023 में अनक्लेम्ड अमाउंट के आंकड़े जारी किये हैं। इन आंकड़ों के अनुसार देश में 35 हजार करोड़ से ज्यादा अकाउंट अनक्लेम्ड पड़े हैं। इन अनक्लेम्ड अमाउंट को लोगों तक पहुंचाने के लिए आरबीआई ने ऑनलाइन पोर्टल उदगम पोर्टल शुरू किया है। यह पोर्टल 16 अक्टूबर 2023 को फुल फ्लज से काम करना शुरू होगा। कई लोगों के मन में सवाल है कि आखिर अनक्लेम्ड अमाउंट क्या है अभी तक देश के 7 बैंक इस पोर्ट पर लिस्ट हुए हैं। उदगम पोर्टल पर देश के 7 बैंक लिस्ट हो गए है। इन बैंकों ने अनक्लेम्ड अकाउंट की जानकारी देनी शुरू कर दी है। इन बैंकों की लिस्ट आप उदगम पोर्टल पर देख सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को 15 अक्टूबर 2023 तक इस पोर्टल से जुड़ने के लिए कहा है। अभी तक भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, धनलक्ष्मी बैंक लिमिटेड, साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड, डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड, सिटी बैंक लिस्ट हुए है। आइए, जानते हैं कि अनक्लेम्ड अमाउंट क्या है भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार बैंक में डिपॉजिट अमाउंट तब लावारिस या फिर अनक्लेम्ड अमाउंट तब माना जाता है जब उसे कई सालों तक उस अकाउंट में कोई भी गतिविधि नहीं होती है।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स में निवेश करेगी कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी: करीब 1 प्रतिशत की मिलेगी हिस्सेदारी, ईशा अंबानी बोलीं- ग्लोबल एक्सपीरियंस के लिए एक्साइटेड

नई दिल्ली। कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स में 8,278 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस निवेश के तहत क्यूआईए को रिलायंस रिटेल वेंचर्स में 0.99 प्रतिशत की हिस्सेदारी मिलेगी। आरआईएल ने बुधवार (23 अगस्त) को इसके बारे में जानकारी दी। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की डॉयरेक्टर ईशा अंबानी ने कहा, हमें रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में एक निवेशक के रूप में क्यूआईए का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। हम क्यूआईए के ग्लोबल एक्सपीरियंस और वैल्यू क्रिएशन के मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड से लाभ उठाने के लिए एक्साइटेड हैं। ईशा अंबानी ने कहा कि हम रिलायंस रिटेल वेंचर्स को एक वर्ड क्लास इंस्टीट्यूशन के रूप में विकसित कर रहे हैं, जो भारत के रिटेल सेक्टर में बदलाव ला रहा है।

जियो फाइनेंशियल में लगातार चौथे दिन लोअर-सर्किट

कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत गिरकर 213 पर आया, 30,000 करोड़ कम हुआ मार्केट कैप

मुंबई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर में गुरुवार (24 अगस्त) को लगातार चौथे दिन भी लोअर सर्किट देखने को मिला। कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 213.45 रुपए पर आ गया है। जेएफएस की लिस्टिंग 21 अगस्त को हुई थी, तब से ही कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा हुआ है। बीते चार दिन में कंपनी का शेयर अब तक करीब 20 प्रतिशत तक गिर चुका है। इस वजह से जियो फाइनेंशियल का मार्केट कैप करीब 30 हजार करोड़ रुपए कम हो गया है। जेएफएस का शेयर अब अगले तीन दिन तक इंडेक्स से बाहर नहीं होगा, क्योंकि इसमें लगातार चौथे दिन 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा हुआ है। इससे पहले बीएसई ने बताया था कि जेएफएस का शेयर लिस्टिंग के शुरुआती दो दिनों तक लोअर सर्किट पर रहता है तो ये शेयर सभी बीबीएसई इंडेक्स से 29 अगस्त को बाहर हो जाएगा। वहीं कंपनी के शेयर में अगर दो और दिन लोअर सर्किट लगा रहा, तो इंडेक्स से बाहर होने की तारीख अगले तीन दिनों के लिए टाल दी जाएगी।

चार दिन में कंपनी का मार्केट कैप 30,000 करोड़ कम हुआ - जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर में लगातार गिरावट की वजह से इसका मार्केट कैप भी लगातार गिर रहा है। कंपनी के मार्केट कैप में 7,115.68 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। वहीं बीते 3 दिन में कंपनी का मार्केट कैप 23,000 करोड़ रुपए से ज्यादा गिरा था। इस हिसाब से चार दिन में कंपनी के मार्केट कैप में टोटल 30,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। अब कंपनी का मार्केट कैप घटकर 1.36 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

बीएसई पर 265 और एनएसई पर 262 पर लिस्ट हुआ था जेएफएस का शेयर - जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर 3 दिन पहले यानी सोमवार (21 अगस्त) को बीएसई 265 रुपए और एनएसई पर 262 रुपए पर लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग के बाद पहले दिन ही कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 251.75 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, एनएसई पर भी इसका शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 248.90 रुपए बंद हुआ था। इसके बाद दूसरे दिन मंगलवार (22 अगस्त) को भी कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 239.20 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई पर यह 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 236.45 रुपए पर बंद हुआ था। फिर तीसरे दिन तीसरे दिन बुधवार (23 अगस्त) को कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ बीएसई पर 227.25 रुपए और एनएसई पर 224.65 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था।

रिलायंस के शेयरहोल्डर्स को 1:1 के रेश्यो में जेएफएस के शेयर मिले थे - 19 जुलाई के कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे, उन्हें 1:1 के रेश्यो में जियो फाइनेंशियल के शेयर मिले थे। उदाहरण के लिए, यदि किसी निवेशक के पास आरआईएल के 100 शेयर थे, तो उसे जेएफएस के 100 शेयर दिए गए थे।

पिछले महीने आरआईएल से अलग हुई थी कंपनी - रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस पिछले महीने अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुआ था। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था।

10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में है शेयर - जियो फाइनेंशियल सर्विसेज 21 अगस्त से 10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में है। जब तक इस सेगमेंट में स्टॉक रहता है तो उस शेयर की इंट्राडे ट्रेडिंग नहीं हो सकती है। इस सेगमेंट के हर एक को खरीदने के लिए पूरा पेमेंट देकर डिलीवरी लेनी पड़ती है।

कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान - जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था।

पिछले साल मुकेश अंबानी ने किया था ऐलान - पिछले साल मुकेश अंबानी ने जियो फाइनेंशियल को एक अलग यूनिट बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने इस बात की घोषणा करते हुए कहा था कि जियो फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बेस्ड बिजनेस होगा, जो देशभर में डिजिटल तरीके से फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स ऑफर करेगा।

रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में 6 कंपनियां शामिल हैं...

- रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स लिमिटेड
- रिलायंस पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड
- जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
- रिलायंस रिटेल फाइनेंस लिमिटेड
- जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज लिमिटेड
- रिलायंस रिटेल इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड का इन्वेस्टमेंट

शुगर के एक्सपोर्ट पर सरकार रोक लगा सकती है

कम बारिश से गन्ने की पैदावार गिरी, इससे शक्कर उत्पादन में कमी आई

नई दिल्ली। अक्टूबर से शुरू होने वाले क्रॉप सीजन से सरकार शक्कर के एक्सपोर्ट पर बैन लगा सकती है। सरकार से जुड़े 3 लोगों ने बताया है कि बारिश की कमी के चलते गन्ने के प्रोडक्शन में कमी आई है। इसलिए देश में चीनी की कीमतों को काबू में रखने और इथेनॉल प्रोडक्शन के लिए पर्याप्त गन्ना बचाने के लिए, सरकार यह फैसला ले सकती है। इस फैसले से ग्लोबल मार्केट में कीमतें बढ़ सकती हैं। सरकार ने इसके पहले 2016 में चीनी एक्सपोर्ट को कम करने के लिए 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट टैक्स लगा दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीजन में शुगर का प्रोडक्शन 3.3 प्रतिशत कम हो कर 31.7 मिलियन टन तक रह सकता है। इसलिए सरकार ने 30 सितंबर तक केवल 6.1 मिलियन टन एक्सपोर्ट की अनुमति दी है। यह पिछले सीजन के 11.1 मिलियन टन के मुकाबले लगभग आधा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में शक्कर के उत्पादन में आधे से ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले महाराष्ट्र और कर्नाटक के जिलों में इस बार 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसलिए, इस सीजन (2023-24) में उत्पादन कम रहेगी और अगले सीजन (2024-25) के लिए प्लांटिंग (रोपण) भी कम होगी। रिपोर्ट में बताया गया कि इस हफ्ते चीनी की कीमतें लगभग दो सालों की उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। इसलिए, सरकार ने शुगर मीलों को 2 लाख टन ज्यादा शक्कर बेचने की परमिशन दी है। देश में खाने-पीने की चीजों की महंगाई पहले से ही ज्यादा है। ऐसे माहौल में वह एक्सपोर्ट की अनुमति नहीं देगी। 20 जुलाई को भारत ने डोमेस्टिक सप्लाई को बढ़ाने और त्योहार के वक्त रिटेल कीमतों को कंट्रोल में रखने के लिए गैर-बासमती सफेद चावल की सप्लाई में रोक लगा दी थी। देश से करीब 25 प्रतिशत सप्लाई गैर-बासमती सफेद चावल की होती है। देश में खुदरा महंगाई जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई और फूड इनफ्लेशन 11.5 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो तीन वर्षों में सबसे ज्यादा है।

सोने-चांदी में तेजी

सोना 59 हजार और चांदी 74 हजार के करीब पहुंची, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 267 रुपए चढ़कर 58,787 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,849 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 1,130 रुपए महंगी होकर 73,809 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को ये 72,679 रुपए पर थी।

इस महीने अब तक सोने-चांदी में गिरावट

इस महीने अब तक सोने और चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 अगस्त को सोना 59,583 प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 58,787 रुपए पर आ गया है। यानी इसकी कीमत 796 रुपए प्रति 10 ग्राम कम हुई है। वहीं चांदी भी 74,428 रुपए प्रति किलोग्राम से 73,809 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए, अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इसलिए सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है।

ईडी के नोटिस को चुनौती देगा ज्वेलरी ब्रांड कैरेटलेन: फेमा नियमों के उल्लंघन का आरोप, कंपनी ने कहा- नियमों के तहत फंड लिया

नई दिल्ली। ऑनलाइन ज्वेलरी रिटेल ब्रांड कैरेटलेन ईडी के कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी पर आरोप है कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट यानी विदेशों से निवेश लेने के लिए उसने साल 2011 से 2014 के बीच फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के नियमों का उल्लंघन किया है। इस मामले में ईडी ने 28 मार्च 2022 को नोटिस जारी किया था। नोटिस जारी होने के करीब डेढ़ साल बाद कंपनी इसे चुनौती देने की तैयारी में है। कंपनी ने कहा कि उसने नियमों के अनुसार ही विदेशों से फंड लिया है।

कंपनी पर ईडी के ये हैं आरोप

कैरेटलेन पर ईडी का आरोप है कि उसने साल 2011 से 2014 के बीच टाइगर ग्लोबल नाम की कंपनी से इन्वेस्टमेंट लिया। उस समय सिंगल-ब्रांड रिटेल को इस तरह के फंड लेने की परमिशन नहीं थी।

कैरेटलेन ने ईडी के आरोपों पर कहा कि जब उसने एफडीआई लिया उस समय यानी 2011 तक भारत में मल्टी-ब्रांड रिटेल में एफडीआई पर रोक थी। लेकिन, सिंगल ब्रांड रिटेल में 51 प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति थी। फिर 20 सितंबर 2012 के बाद एफडीआई के नियमों में संशोधन किया गया। जिसमें कुछ शर्तों के साथ मल्टी-ब्रांड रिटेल को भी 51 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दे दी गई थी। जबकि हमारी कंपनी रिटेल बिजनेस करती है। इसलिए विदेशी निवेश लेने में किसी तरह के नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है। टाइटन ने अगस्त में कैरेटलेन की बची हुई 27.18 प्रतिशत स्टेक 4,621 करोड़ रुपए में खरीद ली है। इस डील के बाद कंपनी की 98.28 प्रतिशत हिस्सेदारी टाइटन की हो गई है। टाइटन ने पहली बार 2016 में कैरेलेन में इन्वेस्ट किया था, उस समय उसने कंपनी का 62 प्रतिशत स्टेक अपने पास रख लिया था।

2008 में प्योर ऑनलाइन ब्रांड के रूप में कैरेटलेन की शुरुआत के बाद 2022-23 में कंपनी का टोटल टर्नओवर 2177 करोड़ रुपए था। इस कंपनी में टाइटन ने पहली बार 2016 में इन्वेस्ट किया था। फिर तनिष्क के साथ मिलकर कंपनी ने काफी तेजी से ग्रोथ की थी। वहीं पिछले 3 फाइनेंशियल ईयर में कंपनी ने 74 प्रतिशत की ग्रोथ की है। कैरेटलेन एक अनलिस्टेड प्राइवेट कंपनी है, जो ज्वेलरी बनाने और बेचने का काम करती है। यह कंपनी टाइटन की सब्सिडियरी भी है।

लाइव लोकेशन शेयरिंग वाला पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस एक्स लॉन्च

फुल चार्ज पर 140केएम की रेंज का दावा, कीमत 2.50 लाख रुपए

नई दिल्ली। टू-व्हीलर बनाने वाली भारतीय कंपनी टीवीएस मोटर ने नया इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस एक्स लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि ये लाइव लोकेशन शेयरिंग फीचर के साथ आने वाला भारत का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर है।

कंपनी ने इसकी एक्स शोरूम, बेंगलुरु कीमत 2.50 लाख रुपए रखी है। इसके साथ ही ये देश का सबसे मंहगा इलेक्ट्रिक स्कूटर है। टीवीएस एक्स की बुकिंग शुरू कर दी गई है। बायर्स कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट से 16,275 रुपए की टोकन मनी पेमेंट कर बुक कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी नवंबर के अंत से 15 शहरों में अलग-अलग फेज में की जायेगी।

ये कंपनी का दूसरा इलेक्ट्रिक स्कूटर है, इससे पहले 2020 में आइक्यूब को भारतीय मार्केट में उतारा था। टीवीएस एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर 2018 ऑटो एक्सपो में शो किए गए क्रेऑन कॉन्सेप्ट पर बेस्ड है।

सिंगल चैनल वाला देश का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर

कंपनी का दावा है कि ये स्कूटर सिंगल चैनल और क्रूज कंट्रोल वाला देश का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। ब्रेकिंग के लिए टीवीएस एक्स के फ्रंट में सिंगल चैनल (एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) वाला 220डिस्क ब्रेक और रियर में 195 के नॉर्मल डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इसके अलावा इसमें ऑटो होल्ड फंक्शन जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

टीवीएस एक्स के डिजाइन एलीमेंट्स

टीवीएस एक्स इस मैक्सी स्टाइल वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर को कंपनी ने एक्सलेटन प्लेटफॉर्म पर डेवलप किया है। इसे तैयार करने के लिए एल्युमिनियम फ्रेम का इस्तेमाल किया गया है और कंफर्ट राइडिंग के लिए रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन दिया है। वहीं सीट हाइट 770 है।

टीवीएस एक्स के डिजाइन की बात करें तो सामने वर्टिकल एलईडी हेडलाइट दिए गए हैं। इसके हेडलाइट के दोनों किनारों पर इंडिकेटर मिलते हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर को चारों ओर से बेहद शार्प डिजाइन दिया गया है, इसमें स्प्लिट सीटें, एक रियर टायर हगर और 12-इंच ब्लैक-आउट अलॉय व्हील शामिल हैं।

टीवीएस एक्स: मोटर, पावर और टॉप स्पीड

बेहतर परफॉरमेंस के लिए टीवीएस एक्स में परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस एयर कूल्ड मोटर दी गई है, जो 11 की पावर और 40 का पीक टॉर्क जनरेट करती है। स्कूटर में तीन राइडिंग मोड- एक्सटेल्थ, एक्सट्राइड, एक्सोनिक मिलते हैं। कंपनी का दावा है कि स्कूटर सिर्फ 2.6 सेकेंड में 0-40 की स्पीड प्राप्त करती है। इसकी टॉप स्पीड 105 की है।

टीवीएस एक्स: बैटरी, रेंज और चार्जर

मोटर को पावर देने के लिए स्कूटर में 4.44 की बैटरी दी गयी है, जिसे फुल चार्ज करने पर 140केएम की रेंज का दावा किया गया है। चार्जिंग की बात करें तो स्कूटर को 3000 के स्मार्ट एक्स होम रैपिड चार्जर से 50 मिनट में 0-50 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। 950 के पोर्टेबल चार्जर से 4:30 घंटे में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है, जिसकी कीमत 16,275 रुपए है। वहीं चार्जिंग के लिए इसमें 3 का फास्ट चार्जर भी मिलता है।

टीवीएस एक्स के फीचर्स

टीवीएस एक्स में 10.2-इंच का फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ नया नेविगेशन सिस्टम नावप्रो दिया गया है। टीवीएस एक्स पहला इलेक्ट्रिकल स्कूटर है, जिसमें लाइव व्हीकल लोकेशन शेयरिंग फीचर दिया गया है। यह फीचर जियो फेंसिंग के जरिए काम करता है।

वहीं पहली बार किसी इलेक्ट्रिक स्कूटर में प्लेटेक एंटरटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, कंपनी का दावा है कि इसकी मदद से आप रील्स देख सकते है, गेम खेल सकते है या म्यूजिक का मजा ले सकते है।

कंगना ने बांधे ऐश्वर्या के तारीफों के पुल

-एक्ट्रेस का एक वीडियो भी किया शेयर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड में पंगा क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस कंगना रणौत ने एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन का एक वीडियो शेयर कर उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर महिलाओं की खूबसूरती पर बात की करते हुए फिल्म पोन्नियिन सेलवन 1 का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ऐश्वर्या के साथ तृषा कृष्णन भी नजर आ रही हैं। कंगना ने कैप्शन में लिखा- बॉलीवुड के गीतकारों ने सोलह साल की बाली उमरिया (युवा) के बारे में काफी कुछ लिखा है, लेकिन चालीस या पचास की उम्र वाली महिला में सेंसुअलिटी, सेक्सुअलिटी और सिडक्शन का इस्तेमाल करने असफल रहे, क्योंकि वह न केवल सुंदर हैं बल्कि स्मार्ट और अनुभवी भी हैं। ये एक शानदार कॉम्बिनेशन है। दो फुल मून। बता दें कि पोन्नियिन सेलवन 1 यानी पीएस-1आई फिल्म से अभिनेत्री ऐश्वर्या राय कमबैक कर रही हैं। वह इस फिल्म में रानी नंदिनी के किरदार में नजर आएंगी। सिल्क साड़ी और ट्रेडिशनल ज्वेलरी में एक्ट्रेस का रानी लुक बेहद शानदार है। फिल्म में साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विक्रम, जयम रवि, तृषा, ऐश्वर्या लक्ष्मी, कार्थी और ऐश्वर्या राय बच्चन नजर आएंगे। मालूम हो कि कंगना रणौत के अंदाज इन दिनों बदले- बदले से लग रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से उनके मुंह से सिर्फ तारीफें ही निकल रही है। संजय लीला भंसाली की तारीफों के बाद अब उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन के लिए भी काफी अच्छी बातें लिखी हैं।

कंगना ने भंसाली को बताया भगवान और लीजेंड

- कंगना ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया

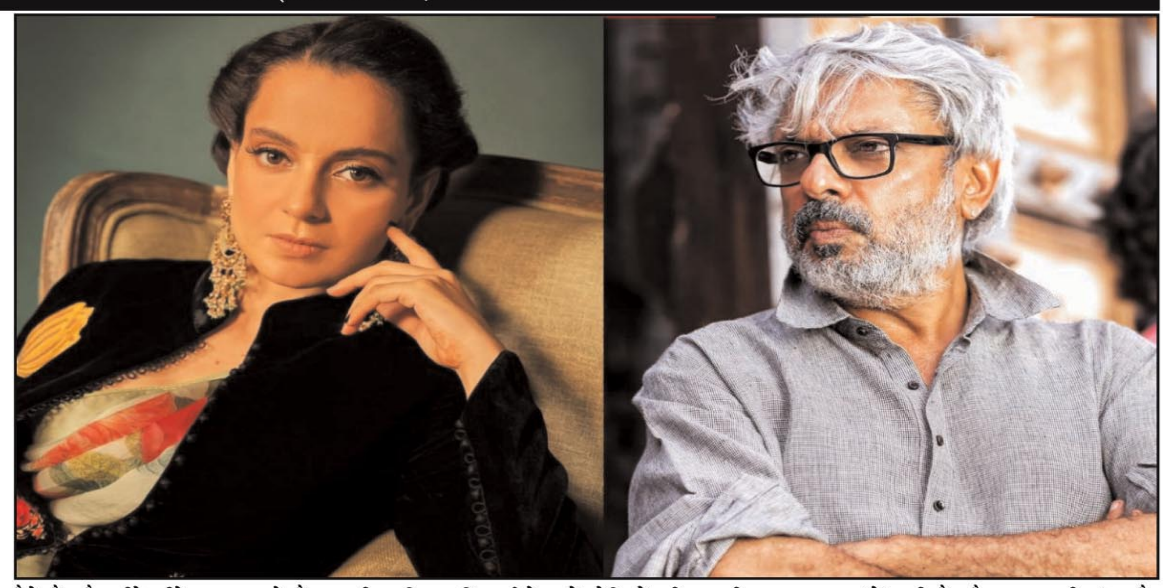

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के मशहूर फिल्म निमार्ता संजय लीला भंसाली की एक्ट्रेस कंगना रनौत ने जमकर प्रशंसा की है। एक्ट्रेस ने भंसाली को भगवान और लीजेंड कहा। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने एक नोट पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि कैसे वह फिल्म निमार्ता द्वारा दी गई भूमिकाएं और नंबर नहीं ले सकीं। अभिनेत्री ने लिखाः एक कलाकार के रूप में मैं संजय लीला भंसाली की गहराई से प्रशंसा करती हूं, वह कभी भी सफलता या महिमा का दिखावा नहीं करते... वह इस समय फिल्म उद्योग में रहने वाले सबसे सच्चे कलाकार हैं... मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानती जो सिनेमा से इतना प्यार करता हो और अपने जुनून से इतना प्रेरित हो... सबसे बढ़कर वह अपने काम से काम रखते है, वह लीजेंड है... मैं सिर्फ संजय सर से प्यार करती हूं... प्यार।उन्हें भगवान कहते हुए उन्होंने कहा, सालों से एसएलबी प्रोडक्शन द्वारा मुझे कुछ सॉन्ग/रोल ऑफर किए गए, किसी न किसी कारण से मैं उन्हें नहीं कर सकी, आज भी अगर मैं उन्हें देखना चाहती हूं या उनके साथ बातचीत करने के लिए उनके घर जाना चाहती हूं, तो वह मेरे सामने लिविंग गॉड की तरह बैठे हैं और धीरे-धीरे मुस्कुरा रहे हैं, अपनी आंखों से दया और प्रशंसा की बारिश कर रहे हैं, कम शब्दों में बोलने वाले एसएलबी जी अद्भुत हैं। यह 2020 में एक इंटरव्यू के दौरान कहा था, जब एक्ट्रेस ने साझा किया था कि फिल्म निमार्ता ने उन्हें गोलियों की रासलीला राम लीला में एक सॉन्ग की पेशकश की थी, लेकिन वह काम नहीं कर सकी। इसपर उन्होंने अफसोस जाहिर किया। इस बीच, कंगना अगली बार चंद्रमुखी 2 में दिखाई देंगी, जिसमें राघव लॉरेंस भी हैं और यह रजनीकांत और ज्योतिका अभिनीत ब्लॉकबस्टर तमिल फिल्म चंद्रमुखी की अगली कड़ी है। उनके पास सर्वेश मेवाड़ा की तेजस भी है, जो 20 अक्टूबर को रिलीज होने की उम्मीद है।

घूमर का क्लाइमेक्स सीन बताया है बिग बी की पोती ने

- निर्देशक आर. बाल्की हुए आराध्या के मुरीद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की घूमर रिलीज हो गई। कई क्रिकेट स्टार इस फिल्म को काफी अच्छा रिव्यू दे चुके हैं। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि घूमर का क्लाइमेक्स सीन अभिषेक-ऐश्वर्या राय की 11 साल की प्यारी बिटिया आराध्या बच्चन के आइडिया से तैयार हुआ है। अभिषेक ने कहा कि फिल्म का ये सीन मेरे लिए सबसे खूबसूरत था। डायरेक्टर आर. बाल्की ने भी इस बारे में बताते हुए कहा कि अभिषेक, आराध्या को इस क्लाइमेक्स के बारे में बता रहे थे। सीन सुनने के बाद आराध्या ने कहा कि क्यों न इस सीन में आप थोड़ा सा घूमर करें और फिर चुप-चाप वहां से निकल जाएं। सभी को आराध्या का ये आइडिया काफी पसंद आया। एक बच्ची के लिए ऐसा आइडिया और चीजों को समझना बहुत प्यार और गहराई दशार्ता है। इसके लिए आराध्या का बहुत शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।दरअसल घूमर में अभिषेक एक कोच की भूमिका में हैं। वे एक ऐसी क्रिकेटर लड़की को ट्रेंड करते हैं, जो एक्सीडेंट में दायां हाथ गंवा चुकी है। कड़े संघर्ष के बाद वह ट्रॉफी जीतने में सफल हो जाती है। इसके बाद क्लाइमैक्स में अभिषेक विक्ट्री डांस करने लगते हैं। अब अभिषेक ने खुलासा किया है कि डांस कराने का आइडिया आराध्या का था।

अपने पति आदिल खान के आरोपों पर बरसीं राखी सावंत, बताई झगड़े की वजह

एक्ट्रेस राखी सावंत हमेशा किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं, लेकिन अब राखी अपने पति आदिल खान दुरार्नी के गंभीर आरोपों के जाल में फंस गई हैं। 6 महीने बाद जेल से बाहर आने के बाद आदिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राखी के कारनामों का खुलासा किया, तो राखी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आदिल पर गंभीर आरोप लगाए। शुरूआत में राखी और उनके वकील ने आदिल के ड्रग्स देने के आरोप का जवाब दिया। राखी ने कहा, अगर इसमें सच्चाई है, तो उन्होंने इस मुद्दे को कोर्ट में क्यों नहीं उठाया? क्या तब उन्हें इस बारे में याचिका दायर नहीं करनी चाहिए थी? अब 6 महीने बाद उन्हें ये बात क्यों याद आई है। बिग बॉस क्वीन पर लगे ये सभी आरोप झूठे हैं। राखी ने आगे कहा, उसने सिर्फ मुझे ही निशाना क्यों बनाया? क्योंकि वह प्रचार चाहते हैं। वह बिग बॉस में जाना चाहते हैं। वह एकता कपूर के शो में भी जाना चाहते हैं। वह एक स्टार बनना चाहता है।

आदिल ने मेरे न्यूड वीडियो बनाए और बेचे - राखी ने कहा, मेरे पति आदिल खान दुरार्नी ने मेरे न्यूड वीडियो बनाए और 50 लाख रुपये में बेचे। उसने मेरे हनीमून पर बाथटब में बैठे, नहाते हुए, आदिल के साथ बिस्तर पर मेरे सारे वीडियो शूट किए और उन्हें एक अरब आदमी को बेच दिया। उनके पास बैठे वाहिद खान कहते हैं, हम आपको सबकुछ नहीं बता सकते। कुछ चीजें हैं जिन्हें हमें अदालत के सामने पेश करना है।

राखी सावंत के पहले पति रितेश का तीखा जवाब - आदिल के आरोपों पर रितेश ने कहा, मैं क्षत्रिय हूं, अगर आदिल सबूतों के साथ साबित कर दें कि मैं उस दिन लंदन के एक होटल में राखी के साथ था, तो मैं आज पूरी मीडिया से कह रहा हूं कि मैं थूक कर चाटने से नहीं हिचकिचाऊंगा। अगर उसने यह साबित कर दिया तो मैं खुद को मार डालूंगा। अगर वह ऐसा करता है, और अगर वह इसे साबित नहीं कर पाता है, तो मैं उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा।

राखी सावंत के भाई का गंभीर आरोप - राखी के भाई राकेश सावंत ने कहा, आदिल ने राखी को बहुत परेशान किया है। आदिल पीटता था, उसके अश्लील वीडियो लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की धमकी देता था। जब मुझे ये बातें पता चलीं, तो मेरा मन किया कि जाकर आदिल को मार डालूं। आज राखी के पास पैसे नहीं हैं...इसलिए उसके साथ कोई नहीं है। राखी को मीडिया के सपोर्ट की जरूरत है, लेकिन जब मां को कैंसर हुआ तो राखी हर वक्त रोती रहती थीं। हमारी मां की मौत का जिम्मेदार आदिल खान है। किसी ने राखी के शरीर पर चोट के निशान नहीं देखे...आदिल ने उसे बहुत तकलीफ दी थी।

राखी सावंत का पति को लेकर बड़ा खुलासा - एक वीडियो में राखी कहती हैं, मेरे पास अपनी मां के इलाज के लिए पैसे नहीं थे। मैंने ये बात भाई को बताई जिसके बाद मेरी मां को इलाज के लिए मदद मिली। आदिल बिग बॉस में जाना चाहते हैं। वह एक स्टार बनना चाहता है। आदिल तुम दो-तीन सी-ग्रेड फिल्में करोगे, लेकिन मुझे अच्छी तरह पता है कि इंडस्ट्री में कैसे टिके रहना है।

राजामौली ने पत्नी रमा के साथ नॉर्वे में पल्पिट रॉक का किया दौरा

मुंबई (ईएमएस)। सुपरस्टार टॉलीवुड निर्देशक एस.एस. राजामौली की आरआरआर को काफी प्रशंसा मिली है। हाल ही में निर्देशक को स्टैवेंजर ओपेरा हाउस में बाहुबली : द बिगिनिंग की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान अपनी पत्नी रमा राजामौली के साथ नॉर्वे के पल्पिट रॉक में देखा गया था। निर्देशक ने अपनी पत्नी के साथ क्षेत्र के दौरे की तस्वीरें शेयर कर पोस्ट को कैप्शन दिया, मगधीरा के लिए रिसर्च करते समय इस पल्पिट रॉक की तस्वीरें देखीं। तब से यहां आना चाहता था। बाहुबली फिल्म के कॉन्सर्ट की बदौलत आखिरकार ऐसा हुआ। पोस्ट में कहा, राजामौली अपनी 2009 की तेलुगु एपिक फिल्म मगधीरा के स्क्रीन पर आने के बाद से ही इस क्षेत्र का दौरा करना चाहते थे, क्योंकि फिल्म का एक स्थान प्रतिष्ठित नॉर्वेजियन लैंडमार्क से प्रेरित था। राजामौली की पत्नी रमा उनके फिल्म निर्माण में एक बड़ी भागीदार रही हैं, और उन्होंने निर्देशक की कई तरह से मदद की है, यह बात उन्होंने कई बार खुलकर कही है। स्टैवेंजर हाउस में फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले निर्देशक ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में बाहुबली : द बिगिनिंग की जादुई स्क्रीनिंग को नहीं भूल सकता, जो अभी भी मेरी आंखों में बसी हुई है। उन्होंने कहा, और अब हम नॉर्वे में 18 अगस्त को स्टैवेंजर ओपेरा हाउस में एक और शानदार कॉन्सर्ट में फिल्म बाहुबली-1 की स्क्रीनिंग के लिए उत्साहित हैं, जिसमें स्टैवेंजर सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा का प्रदर्शन होगा।

स्टांप पेपर घोटाले की कहानी पर बनी सीरीज 'स्कैम 2003-द तेलगी स्टोरी' का दमदार ट्रेलर रिलीज

देश में 2003 के दौरान हुए सबसे बड़े स्टांप पेपर घोटाले की कहानी दर्शकों को सीरीज के रूप में देखने को मिलेगी। अब्दुल करीम तेलगी के कांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस पॉपुलर सीरीज का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। सीरीज स्कैम 2003-द तेलगी स्टोरी की पूरी कहानी अब्दुल करीम तेलगी पर आधारित है। पूरे देश को झकझोर देने वाली इस घटना की कहानी पत्रकार और रिपोर्टर संजय सिंह की हिंदी किताब रिपोर्टर की डायरी से ली गई है। स्कैम 2003-द तेलगी स्टोरी सीरीज के ट्रेलर में अगर किसी देश की अर्थव्यवस्था कुबेर का खजाना है, तो स्टाम्प पेपर उसकी चाबी हैं, पैसा कमाया जाए या नहीं बनाया जाए जैसे कई डायलॉग ध्यान खींचते हैं। इस सीरीज को दर्शक सोनी लिव पर देख सकेंगे। इस सीरीज के लिए एक्टर शशांक केतकर ने एक खास फोटो शेयर की है। उन्होंने कहा, स्कैम 2003-द तेलगी स्टोरी का ट्रेलर देखकर मैं खुश हो गया। इस बीच ट्रेलर के अंत में दर्शकों को भरत जाधव की झलक देखने को मिल रही है। श्रृंखला हंसल मेहता द्वारा निर्मित और तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित है। अभिनेता गगन देव रियार श्रृंखला में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका निभाएंगे।

सुपरस्टार रितेश पांडेय का नया गाना 'यार का नखरा बारिश जैसा' हुआ रिलीज

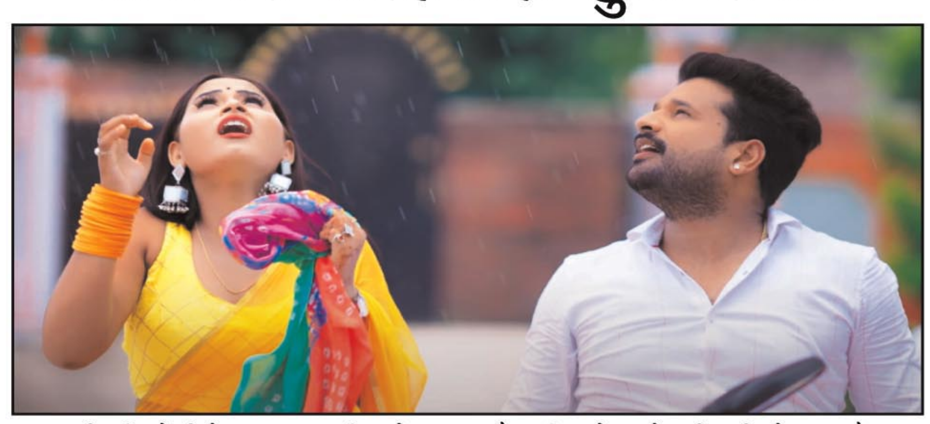

मानसून की बारिश में भीगते हुए सुपर स्टार रितेश पांडेय इन दिनों बेहद रोमांटिक मूड में नजर आ रहे हैं। रितेश ने बारिश की तुलना अपने यार यानी प्रेमिका से कर दी है, जिसके बाद इसका वीडियो वायरल होना शुरू हो गया है। रितेश ने अपनी इस फीलिंग्स को गाने के रूप में प्रस्तुत किया है, इसमें वे बारिश में भीगते हुए अपने महबूब को याद कर रहे हैं। गाना है - यार का नखरा बारिश जैसा। गाने की प्रस्तुति बेहद रोमांटिक हैं। इस गाने के कैच लाइन के रूप में कहा गया है, इस गीत से हर मौसम लगे सुहाना, मनन करेगा अपने यार संगे एक शाम चुराना। बॉलीवुड म्यूजिक ने मानसून और बारिश को खूब अपने गानों में भुनाया, ऐसे में भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री कहां पीछे रहने वाली थी। रितेश पांडेय ने भोजपुरी में गाना यार का नखरा बारिश जैसा से इस कमी को पूरी कर दी और अब यह गाना भोजपुरी के संगीत प्रेमियों को पसंद भी आ रही है। रितेश पांडेय ने अपने इस गाने को लेकर कहा कि बरसात का मौसम है और लोगों के लिए यह मौसम भी रोमांटिक फील देने के लिए उपयुक्त है। हमने अपने गाने में इसी फील को गीत-संगीत के माध्यम से सजाया है। यह भोजपुरी दर्शकों को जरूरी पसंद आएगी। हमने इस गाने को बड़ी उम्मीद से बनाया है। इश्तर भोजपुरी के ऑफिसियल यू-ट्यूब से रिलीज गाना यार का नखरा बारिश जैसा को लेकर रितेश पांडेय ने कहा कि जिस तरह से कभी बारिश बूंद-बूंद बरसती है और कभी ना चाहते हुए भी झमाझम बरस जाती है। ठीक उसी तरह प्रेमिका का भी प्यार मिलता है। ठीक उसी तरह प्रेमिका के खुले बाल और उनका आलिंगन बादल और बारिश की अनुभूति देता है। इसलिए मुझे लगता है कि प्रेम और बारिश में बेहद समानताएं हैं, जो आपको इस गाने में मिलेगा। हमने इस गाने को बड़ी खूबसूरती से बनाया है।

भोजपुरी फिल्म 'एक परिंदा' का फर्स्ट लुक आउट, बढ़ी दर्शकों की जिज्ञासा

भोजपुरी फिल्म जगत में अच्छी और हटके फिल्मों का निर्माण करने वाली म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स ने अपनी आगामी नई भोजपुरी फिल्म एक परिंदा का फर्स्ट लुक आउट कर दिया है। इसमें फिल्म के मुख्य कलाकार एक दम इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक आउट होते ही भोजपुरिया दर्शकों के मन में जिज्ञासा बढ़ गई है। इस फिल्म की कहानी भी कुछ हटके होगी। फर्स्ट लुक में अभिनेता अवधेश मिश्रा, अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और रागिनी मिश्रा बहुत ही गंभीर मुद्रा में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण भोजपुरी फिल्मों बेहतरी फिल्म निमार्ता रत्नाकर कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने अब तक कई सुपर-डुपर हिट फिल्मों का निर्माण किया है। इसके निर्देशन की कमान खुद अवधेश मिश्रा ने संभाल रखी है। फिल्म के फर्स्ट लुक से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ये फिल्म एक अलग जॉनर की होने वाली है, क्योंकि इस पोस्टर को देखकर ऐसा लग रहा है कि ये फिल्म अब तक भोजपुरी की सभी फिल्मों से हल के होने वाली है। कुछ समय पहले ही इसके मुहूर्त की कुछ तस्वीरे सोशल मीडिया में वायरल हुई थी, तभी से भोजपुरी दर्शक इस फिल्म की स्टार कास्ट का वेट कर रहे थे। अब फिल्म की पूरी स्टारकास्ट के साथ टेक्निकल टीम की भी जानकारी रत्नाकर कुमार ने सोशल मीडिया में शेयर कर दी है। वर्ल्डवाइड चैनल एंड जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत एक परिंदा के निमार्ता रत्नाकर कुमार, सह निमार्ता निवेदिता कुमार है। फिल्म लेखन व निर्देशन अवदेश मिश्रा ने किया है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में अवधेश मिश्रा, माही श्रीवास्तव, रागनी मिश्रा, हर्षित, अनिता रावत, अनिल रस्तोगी, अनूप अरोरा, महेश आचार्य, रिंकू यादव, संतोष पहलवान, विशेष सिंह, योगेश पांडेय, जुबैर शाह, निशा पांडेय, सीमा यादव, प्रिय बिस्वास और चाइल्ड आर्टिस्ट प्रियांशी पायल है। इसकी टेक्निकल टीम में असिस्टेंट डायरेक्टर डीराज सिंह, विशेष सिंह, जोया खान, डीओपी जगमिंदर सिंह हुंदल, बिजनेस हेड इमरोज अख्तर(मुन्ना), कैमरा असिस्टेंट राजीव शर्मा, म्यूजिक अमन श्लोक, लिरिक्स प्यारेलाल यादव(कवि जी), साहिल सुल्तानपुरी, सिंगर प्रियंका सिंह, सुगम सिंह, मनोरंजन झा, आस्था लोहार, आर्ट डायरेक्टर सिकंदर विश्वकर्मा, एक्शन दिनेश यादव, पीआरओ रंजन सिन्हा, ब्रजेश मेहर और रामचंद्र यादव हैं।

सूडोकु नवताल- 6532

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6531 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7279

म	म	मा	गौ	त	म	बु	द्ध	गु	क	वि
हा	हा	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	को	ज
त्मा	वी	रा	द	अं	त	त	र	मो	ल	अ
गां	र	दा	णा	ल	क	वा	दा	ह	व	र
धी	स्वा	न	ष	प्र	म	डे	र	म्म	सी	विं
दि	मी	य	स	जि	ता	क	प	द	गु	दो
ने	ह	बु	मां	या	म	प	टे	र	रु	घो
टी	पू	सु	ल्ता	न	पं.	सौ	ल	ट	ना	ष
मों	रे	त	सू	ह	रे	ने	ने	जे.	न	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	ह	न	क	थ
या	अ	क	ब	र	बा	इ	र	रु	ह	धी

शब्दजाल में 'महापुरुषों' के 10 नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गौतमबुद्ध, महावीर स्वामी, महाराणा प्रताप, अकबर, महात्मागांधी, टीपू सुल्तान, गुरुनानक, अरविंदो घोष, सरदार पटेल, पं.नेहरू

शब्दजाल - 7278 का हल

अ	व	र	सु	चे	ता	कृ	प	ला	नी	इ
न	सुं	क	ज	इं	डे	ने	ह	ति	म	श्त
अ	ध	आ	ज	य	ल	लि	ता	ह	प	उ
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	ह	इ	मा
ब	रा	ब	ड़ी	दे	वी	क	र	क	त्ते	भा
द	जे	कि	र	क	दा	का	को	ड	क	र
शी	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ती
ला	दे	श	शि	न	प	य	रा	घु	व	ला
दी	दि	ल	क	ले	दा	र	जा	या	वी	दे
क्षि	ज	ति	ला	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	ष	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6232

	4		5			1
	38	6	32	1	30	
7	5		3		4	2
1	25	2	32		34	
	1		6	7		4
3	26	4	38	5	36	
4						3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6231 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	27	1	29	6	38	5
5	6	7	1	2	3	4
4	36	2	30	1	26	6
3	5	4	6	7	1	2
6	42	6	39	4	23	3
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

टीम इंडिया का छह दिन का कैम्प : एशिया कप के लिए सिलेक्टेड 18 खिलाड़ियों में से 15 बेंगलुरु पहुंचे; राहुल की फिटनेस पर नजर

मुंबई।
एशिया कप की तैयारी के लिए बेंगलुरु में टीम इंडिया का कैम्प शुरू होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया कप के लिए जाने वाले 18 खिलाड़ियों में से 15 बेंगलुरु पहुंच गए हैं। वहीं आयरलैंड से आने के बाद जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन और प्रसिद्ध कृष्णा भी उनके साथ जुड़ जाएंगे। कैम्प अलूर में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के श्री ओवल कैंपस में शुरू होगा। कैम्प का मकसद वर्ल्ड कप की तैयारियां भी होंगी।

पहले दिन इनडोर सेशन में हिस्सा लेंगे खिलाड़ी

बुमराह, सैमसन और कृष्णा डबलिन से बेंगलुरु पहुंचने वाले हैं। बाकी 15 खिलाड़ी शुरूआती दिन इनडोर सेशन में हिस्सा लेंगे। शुक्रवार से खिलाड़ियों को बैचों में डिवाइड कर दिया जाएगा और आउटडोर कंडीशनिंग प्रोग्राम शुरू हो जाएगा। जो सीनियर खिलाड़ी वेस्टइंडीज में टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे, उन्हें पिछले दो हफ्तों में पेर्सोनालिज्ड फिटनेस और डाइट प्लान का पालन करने को कहा गया था। हालांकि इसमें कुछ भी नया नहीं है, सीरीज के बीच में जब खिलाड़ी ब्रेक लेते हैं तो ये फिटनेस और डाइट प्लान का पालन करना होता है।

राहुल के फिटनेस पर नजर होगी

पूरे कैम्प में केएल राहुल के फिटनेस पर नजर होगी। राहुल को एशिया कप टीम में चुना गया है लेकिन उन्हें एक छोटी चोट लग गई है, जिससे उनका कम से कम एशिया कप के पहले दो मैचों में खेलना संदिग्ध हो गया है। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने सोमवार को टीम की घोषणा करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, जिसमें इसकी भी पुष्टि की थी। रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल क्रिकेट एकेडमी की मेडिकल टीम राहुल के बल्लेबाजी से खुश है, लेकिन उनके विकेटकीपिंग की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रही है। पिछले सप्ताह में एक प्रैक्टिस मैच के बाद उन्होंने दर्द की शिकायत की थी।

श्रेयस अय्यर पूरी तरह से फिट

वहीं श्रेयस अय्यर पूरी तरह से फिट हैं और वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रेयस मार्च के बाद पहली बार टीम इंडिया के कैम्प का हिस्सा होंगे। वो मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में चोटिल हो गए थे तब से घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं।

एशिया कप में भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

टीम इंडिया एशिया कप के लिए 30 अगस्त को बेंगलुरु से कोलंबो के लिए रवाना हो सकती है। एशिया कप में भारत का पहला मैच 2 सितंबर को पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया एशिया कप के बाद वर्ल्ड कप में अपना अभियान शुरू करने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में अमनप्रीत सिंह ने जीता गोल्ड: विमेंस पिस्टल ट्रायो को मिला ब्रॉन्ज, पॉइंट्स टेबल में भारत दूसरे नंबर पर पहुंचा

बाकू। बाकू में आयोजित आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में अमनप्रीत सिंह ने मेंस 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल

इवेंट में जीत हासिल कर गोल्ड मेंडल जीता। साथ ही विमेंस स्टैंडर्ड पिस्टल ट्रायो ने टीम में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसी के साथ भारत ने अब तक वर्ल्ड कप में कुल 5 गोल्ड और 9 ब्रॉन्ज जीते। पॉइंट्स टेबल में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीन 24 मेडल के साथ टॉप पर है, जिनमें से 13 गोल्ड मेडल हैं। अमनप्रीत ने मेंस स्टैंडर्ड पिस्टल इवेंट में 577 पॉइंट्स स्कोर किए, जो सिल्वर मेडल विनर कोरियाई ली गुनह्योक से तीन पॉइंट्स ज्यादा थे। गुनह्योक ने 574 पॉइंट्स स्कोर किए थे। भारतीय टीम में अमनप्रीत के अलावा हर्ष गुप्ता और अक्षय जैन शामिल थे। हर्ष 573 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे। जबकि, अक्षय जैन ने 545 पॉइंट्स हासिल किए और 41वें नंबर पर रहे। विमेंस 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल इंडिविजुअल इवेंट में भारत की तियाना 538 पॉइंट्स के 11वें, याशिता शौकीन 536 पॉइंट्स के साथ 12वें और कृतिका शर्मा 527 के साथ 14वें नंबर पर रही। इनमें से कोई भी खिलाड़ी मेडल नहीं जीत सका। तीनों खिलाड़ियों ने 1601 के टीम टोटल के साथ टीम ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन ने गोल्ड और मेजबान अजरबैजान ने सिल्वर मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में शूटिंग के अलग-अलग इवेंट के एक दर्जन कोटा दांव पर हैं।

बैडमिंटन बीडब्लूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची त्रिशा-गयत्री की जोड़ी: विमेंस डबल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की पेयर को हराया

कोपनहेगन। डेनमार्क के कोपनहेगन में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप चल रही है। भारत की त्रिषा जॉली और

गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विमेंस डबल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने खेले गए मैच में चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिंग तुन को सीधे गेम में हराया। 38 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी को 21-18, 21-10 से हराया। कॉमनवेल्थ गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट जॉली और गायत्री को पहले राउंड में बाई मिला था। जबकि प्री क्वार्टर फाइनल में दोनों का सामना टॉप सीड चीनी जोड़ी चेन किंग चेन और जिया यी फैन से होगा। जॉली और गायत्री पहले गेम में चीनी ताइपे की जोड़ी चांग चिंग हुई और यांग चिंग तुन से 2-5 से पीछे चल रही थी। लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 8-6 की बढ़त बनाने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और अंत में इसे 21-18 से जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में शुरुआत से बढ़त ली और गेम 21-10 से जीत लिया। पीवी सिंधु क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाईं। वह चैम्पियनशिप से बाहर हो चुकी हैं। उन्हें दूसरे राउंड में जापान की नाजोमी ओकुहारा ने सीधे गेम में 21-14, 21-14 से हराया। ऐसा पहली बार हुआ जब वह इस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाईं। सिंधु इस चैम्पियनशिप के इतिहास में अब तक पांच मेडल जीत चुकी हैं।

अंबाती रायुडू ने सीपीएल में खेलकर हासिल की विशेष उपलब्धि, लेकिन कभी याद नहीं रखना चाहेंगे अपना डेब्यू

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू इस समय कैरेबियाई प्रीमियर लीग में व्यस्त हैं, जहां वो

सेंट किट्स एंड नेविस पेट्रियट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कुछ दिन पहले सीपीएल में रायुडू ने डेब्यू करके इतिहास रचा। रायुडू सीपीएल में प्रवीण तांबे के बाद खेलने वाले दूसरे भारतीय क्रिकेटर बने। रायुडू ने इस साल आईपीएल से संन्यास लिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज का डेब्यू बारिश के कारण प्रभावित रहा। सेंट किट्स एंड नेविस पेट्रियट्स का पहला मैच 19 अगस्त को ट्रिनबागो नाइटराइडर्स के खिलाफ था, जहां तीन ओवर का मैच संभव हुआ। इसके बाद पेट्रियट्स का अगला मुकाबला सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। अंबाती रायुडू को आखिरकार सेंट किट्स एंड नेविस पेट्रियट्स के तीसरे मैच में जमैका तालावास के खिलाफ पहली बार बल्लेबाजी करने का मौका मिला। एक तरह से उनका यह बल्लेबाजी में डेब्यू मैच रहा। मगर वो इस मौके को भुनाने में नाकाम रहे। अंबाती रायुडू बिना खाता खोले आउट हुए। रायुडू 3 गेंदों में बिना खाता खोले डगआउट लौट गए। पाकिस्तान के 27 साल के तेज गेंदबाज सलमान इरशाद ने पारी के पांचवें ओवर में रायुडू को अपना शिकार बनाया। सलमान इरशाद का यह ओवर भी खास रहा। उन्होंने इस ओवर में तीन विकेट निकाले।

डिफेंडिंग चैम्पियन इंग्लैंड से वॉर्म-अप मैच खेलेगा भारत

वनडे वर्ल्ड कप वॉर्म-अप मुकाबलों का शेड्यूल जारी; 5 दिन, 3 स्टेडियम...10 मुकाबले

मुंबई।
वनडे वर्ल्ड कप के वॉर्म-अप मैचों का शेड्यूल आईसीसी ने जारी कर दिया है। 29 सितंबर को बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में पहला वॉर्म-अप मैच होगा। भारत 30 सितंबर को डिफेंडिंग चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ गुवाहाटी में ही वॉर्म-अप मुकाबला खेलेगा। 10 वॉर्म-अप मैच 5 दिन में 3 अलग-अलग स्टेडियम पर होंगे।वनडे वर्ल्ड कप में लीग स्टेज के मुख्य मुकाबले 5 अक्टूबर से शुरू होंगे। टूर्नामेंट 19 नवंबर तक भारत के 10 अलग-अलग स्टेडियम में खेला जाएगा।

हैदराबाद, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में वॉर्म-अप मैच -वनडे वर्ल्ड कप से पहले 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक 10 वॉर्म-अप मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने सभी 10 टीमें 2-2 मैच खेलेंगी। गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में 4-4 मैच होंगे। जबकि हैदराबाद में 2 ही मैच होंगे। यहां वर्ल्ड कप लीग स्टेज के 3 मुकाबले भी होंगे। जबकि बाकी 9 स्टेडियम को लीग स्टेज के 5-5 मुकाबले मिले हैं।

टीम इंडिया नीदरलैंड से भी वॉर्म-अप मैच खेलेगी - भारत का पहला वॉर्म-अप मैच 30 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ गुवाहाटी के बाराबाती स्टेडियम में होगा। टीम फिर 3 नवंबर को तिरुवनंतपुरम में नीदरलैंड के खिलाफ भिड़ेगी। टीम इंडिया वॉर्म-अप और लीग स्टेज में भी हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर कोई मैच नहीं खेलेगी।

हैदराबाद में पाकिस्तान के दोनों मैच होंगे - हैदराबाद में पाकिस्तान टीम के दोनों वॉर्म-अप मुकाबले होंगे। 29 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ और 3 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के दोनों वॉर्म-अप मैच होंगे। पाकिस्तान टीम लीग स्टेज में भी अपने शुरुआती 2 मुकाबले हैदराबाद में ही खेलेगी। पाकिस्तान टीम 6 अक्टूबर को नीदरलैंड और 10 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में ही भिड़ेगी।

तिरुवनंतपुरम में साउथ अफ्रीका 2 मैच खेलेगा - गुवाहाटी में 29 सितंबर को साउथ अफ्रीका और

अफगानिस्तान के बीच पहला वॉर्म-अप मुकाबला तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। शहर में कुल 4 मैच खेले जाएंगे। 30 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के बीच मैच होगा। फिर 2 अक्टूबर को न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका के बीच और 3 अक्टूबर को भारत-नीदरलैंड के बीच शहर में आखिरी वॉर्म-अप मैच होगा।

गुवाहाटी में पहला वॉर्म-अप मैच होगा - बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच 29 सितंबर को पहला वॉर्म-अप मैच होगा। मुकाबला गुवाहाटी के बाराबाती स्टेडियम में होगा। 30 सितंबर को यहां भारत-इंग्लैंड मैच होगा। फिर 2 अक्टूबर को इंग्लैंड-बांग्लादेश और 3 अक्टूबर को अफगानिस्तान-श्रीलंका मैच होगा।

बुमराह ने की विराट और पंड्या के एक रिकार्ड की बराबरी

मालाहाइड । भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली 2-0 की जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह विराट कोहली और हार्दिक पंड्या के बाद आयरलैंड में टी20 सीरीज 2-0 से जीतने वाले तीसरे कप्तान बन गये हैं। विराट की कप्तानी में भारत ने 2018 में जबकि पंड्या की अगुआई में टीम इंडिया ने 2022 में यहां जीत दर्ज की थी। इस सीरीज से वापसी करने वाले बुमराह ने कहा कि उन्हें शुरुआत में बारिश की उम्मीद नहीं थी। इस सीरीज में पहले भी बारिश के कारण बाधा आई थी। भारत ने पहला मैच डकवर्थ-लुईस पद्धति के आधार पर दो रन जबकि दूसरा मैच 33 रन से जीता था। बुमराह ने मैच रद्द होने के बाद कहा, 'मैच नहीं होने से सभी को निराश हुई। हमने इसकी उम्मीद नहीं की थी क्योंकि पहले मौसम ठीक था।' बुमराह के अलावा युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी इस सीरीज के जरिए क्रिकेट में वापसी की है।

भारत आ सकते है फुटबॉल स्टार नेमार जूनियर

एफसी चैंपियंस लीग में मुंबई सिटी एफसी और नेमार का क्लब अल-हिलाल एक ही ग्रुप में

मुंबई।
ब्राजीलियाई स्टारर फुटबॉलर नेमार जूनियर भारत आ सकते है। इंडियन सुपर लीग की टीम मुंबई सिटी एफसी एशियन फुटबॉल कन्फेडरशन चैंपियंस लीग के ड्रॉ में अल-हिलाल के ग्रुप में है। नेमार हाल ही में साउदी अरब के क्लब अल-हिलाल में शामिल हुए है। मुंबई सिटी एफसी अपना घरेलू मैच पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में खेलेगी। नेमार की टीम अल-हिलाल मुंबई के खिलाफ अपना अवे मैच खेलने पुणे आएगी। इसमें नेमार भी टीम के साथ आ सकते है। अभी टूर्नामेंट मैच का शेड्यूल जारी नहीं हुआ है। इन दोनों टीम के अलावा ग्रुप डी में अन्य दो टीमें ईरान की एफसी नासाजी मजांदरान और उज्बेकिस्तान की पीएफसी नवबहोर नामांगन हैं। अल-हिलाल टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम अल-हिलाल एशियन चैंपियंस लीग के इतिहास की सबसे सफल टीम रही है। इस साल टीम ने ट्रांसफर विंडो में नेमार के साथ ही रूबेन नेव्स, कालिडौ कौलीबली, और क्रोएशिया के सर्गेज मिलिनकोविक सैविक जैसे अन्य बड़े खिलाड़ियों को अपने क्लब में जोड़ा है। भारत के दो क्लब ही अब तक चैंपियंस लीग में खेले एशियन चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज में अब तक भारत के दो ही क्लब पहुंच पाए है। इसमें गोवा एफसी और मुंबई सिटी एफसी शामिल है। इससे पहले क्वालिफिकेशन स्टेज में बेंगलुरु एफसी, चेन्नई सिटी, मिनरवा पंजाब और आइजॉल सिटी एफसी प्रेमिलिनरी राउंड में खेल चुके है। अल-हिलाल ने 818 करोड़ रुपए में ट्रांसफर कर दो साल की डील की सऊदी कल्ब अल हिलाल ने नेमार के लिए फ्रेंच क्लब पीएसजी के साथ 9.8 करोड़ डॉलर (करीब 818 करोड़ रुपए) में ट्रांसफर डील की है। यह रकम नेमार के लिए सऊदी क्लब पीएसजी को देगा। नेमार की सैलरी अलग है।

भारत और आयरलैंड तीसरा टी-20 बारिश के कारण रद्द : भारत ने सीरीज 2-0 से जीती; कप्तान जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे

मुंबई।
भारत और आयरलैंड के बीच टी-20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। बारिश के कारण मैच में टॉस तक नहीं हो सका। शुरुआती 2 टी-20 के नतीजों के आधार पर भारत ने 3 मैचों की सीरीज 2-0 से जीती। 2 मैचों में 4 विकेट लेने वाले टीम इंडिया के कप्तान जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लिए। भारत के ही ऋतुराज गायकवाड ने सीरीज में सबसे ज्यादा 77 रन बनाए। डबलिन में शुरू हुई बारिश होती रही। द विलेज स्टेडियम बारिश के कारण गीला हो चुका था। लेकिन बारिश रुकते नहीं देख अंपायर्स ने मैच को रद्द घोषित कर दिया। भारत ने आयरलैंड को लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हराई है। इससे पहले 2018 और 2022 में टीम ने आयरलैंड का व्हाइट वॉश किया था। टीम इंडिया बारिश के कारण पहली बार आयरलैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप नहीं कर सकी। 2018 में भारत ने 3-0 और 2022 में 2-0 से जीत दर्ज कर थी। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में भारत ने पहला मैच तहत 2 रन और दूसरा मैच 33 रन से जीता था। बुमराह, रवि बिश्नोई और प्रसिद्ध कृष्णा ने सीरीज में सबसे ज्यादा 4-4 विकेट लिए। बुमराह की इकोनॉमी महज 4.87 रही, इसलिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। टीम इंडिया से ऋतुराज गायकवाड ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए। उन्होंने पहले टी-20 में

नॉटआउट 19 रन और दूसरे मैच में 58 रन बनाए थे। उनके बाद ओपनर यशस्वी जायसवाल ने भारत से सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। आयरलैंड की टीम पहले टी-20 में बैटिंग और दूसरे टी-20 में बॉलिंग से कुछ खास नहीं कर सकी। टीम से एंड्रयू बालबर्नी ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाए। उनके बाद कर्टिस कैंपर ने 57 रन बनाए। गेंदबाजों में क्रेग यंग ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। पहले टी-20 में गेंदबाज बैरी मैक्कार्थी ने नंबर-8 पर उतरकर 51 रन की पारी खेली थी। इनके अलावा टीम के बाकी प्लेयर्स कुछ खास नहीं कर सके। मैच से पहले शाम 6 बजे भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग की। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग की, इसी के साथ भारत चांद के साउथ पोल पर लैंड करने वाला दुनिया का पहला देश बना।

कोहली की इंस्टाग्राम पोस्ट पर सूर्यकुमार का कमेंट: लिखा - भैया थोड़ा रनिंग टेक्निक हल्का पड़ रहा; फोटो में अनुष्का से पीछे रहे विराट

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को टी-20 के नंबर-1 बैटर सूर्यकुमार यादव ने ट्रोल किया। सूर्या ने कोहली की इंस्टाग्राम पोस्ट पर कमेंट करते हुए कहा, भैया थोड़ा रनिंग टेक्निक हल्का पड़ रहा है आपका। कोहली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ कुछ फोटो पोस्ट किए। इन्हीं में से एक फोटो पर सूर्यकुमार का मजाकिया कमेंट देखने को मिला। कोहली ने 22 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्पोर्ट्स वियर कंपनी के प्रचार के लिए 4 फोटो पोस्ट किए। इनमें उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी नजर आईं। 4 में से एक फोटो में दोनों रनिंग करते हुए नजर आए, जिसमें कोहली पत्नी अनुष्का से पीछे दिखे। इस पर सूर्यकुमार ने लिखा, भैया थोड़ा रनिंग टेक्निक हल्का पड़ रहा है आपका। सूर्यकुमार मजाकिया

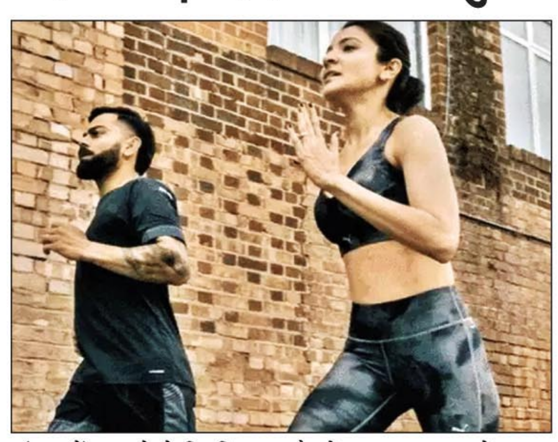

अंदाज में कह रहे थे कि विराट अगर तेज भागते तो अनुष्का से आगे निकल जाते। उन्होंने हंसने का इमोजी भी यूज किया यानी उन्होंने सिर्फ मजाक के लिए ऐसा कमेंट किया। सूर्यकुमार यादव के कमेंट पर 7 हजार से ज्यादा यूजर्स ने लाइक कर दिया है। उनके कमेंट पर 250 से ज्यादा लोगों ने रिप्लाई भी किया है। वहीं कोहली के पोस्ट पर 45 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। टीम इंडिया इस वक्त आयरलैंड में आयरलैंड के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज खेल रही है। इस सीरीज में विराट कोहली, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। इस ब्रेक में कई खिलाड़ी अपने स्पॉन्सर के लिए एडवरटाइजमेंट शूट कर रहे हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में सूर्या और विराट कोहली दोनों को शामिल किया गया है। एशिया कप इस बार वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए वनडे में खेला जाएगा। इस बार एशिया कप पाकिस्तान और श्रीलंका में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट 30 अगस्त से शुरू होगा। शुरुआती चार मैच पाकिस्तान में होंगे। जबकि सेमीफाइनल और फाइनल सहित 9 मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के साथ करेगा। सूर्यकमार वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले तीन वनडे में महज 78 रन बना सके, उनका बेस्ट स्कोर 35 रन था। यह प्रदर्शन तब आया जब उन्हें घरेलू सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे में तीन गोल्डन डक होने के बावजूद मौका दिया गया था।

भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का डब्लूएफआई चुनाव न कराने पर एक्शन, एचसी के स्टे से अटके हैं चुनाव

चंडीगढ़।
यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है। 30 मई को भारतीय कुश्ती संघ को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया था कि अगले 45 दिन यानी 15 जुलाई तक भारतीय कुश्ती संघ का चुनाव नहीं किया गया तो सदस्यता सस्पेंड कर दी जाएगी। डब्लूएफआई अपने पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर कुछ महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए यौन शोषण के आरोपों के बाद पहले से ही मुश्किलों में घिरी हुई है। अब संघ की सदस्यता जाने के बाद भारतीयों पहलवानों के लिए यह बड़ा झटका है। इस फैसले के बाद भारतीय पहलवान अब 16 से 22 सितंबर के बीच सर्बिया में होने वाली पुरुषों की वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय झंडे के तले नहीं खेल पाएंगे। भारतीय पहलवानों को इस ओलिंपिक-क्वालिफाइंग चैंपियनशिप में बैनर तले ही खेलना होगा। इन्हें 'ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट की कैटेगरी में गिना जाएगा।

क्या है ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट -

ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट कैटेगरी के तहत किसी विवाद की सूरत में संबंधित देश के एथलीट इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इस कैटेगरी में एथलीट अपने देश के झंडे तले नहीं बल्कि प्रतियोगिता कराने वाली इंटरनेशनल संस्था के बैनर तले खेलते हैं। यही नहीं, 'न्यूट्रल एथलीट के रूप में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी यदि पदक जीतते हैं तो उन पदक को उनके देश के मेडल्स में भी काउंट नहीं किया जाता। मेडल जीतने की सूरत में होने वाली अवॉर्ड सेरेमनी में उनके देश का राष्ट्रगान भी नहीं बजाया जाता। डब्लूएफआई की सदस्यता रद्द होने के बाद 16 सितंबर से सर्बिया में शुरू होने वाली वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों को भी अब 'ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट के रूप में खेलना होगा। वह भारत के झंडे या डब्लूएफआई के बैनर तले इसमें भाग नहीं ले सकेंगे। वर्ष 2017 की आईएएएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में रूस के 19 एथलीटों को न्यूट्रल एथलीट के रूप में खेलने की मंजूरी दी गई थी। 2018 की आईएएएफ वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप में 8 और 2018 की ही आईएएएफ वर्ल्ड 20 चैंपियनशिप में कुल 9 एथलीटों ने न्यूट्रल एथलीट के रूप में हिस्सा लिया। 2019 की यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कुल 30 और 2019 में ही दोहा में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में कुल 29 एथलीटों ने बतौर न्यूट्रल एथलीट भाग लिया था।

हाईकोर्ट ने 28 अगस्त तक चुनाव पर रोक लगा रखी है - इस साल जनवरी और अप्रैल में साक्षी मलिक, विनेश फोगाट व बजरंग पुनिया की अगुआई में पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। पहलवानों ने डब्लूएफआई के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। विवाद के बाद इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन ने डब्लूएफआई को भंग करते हुए एडहॉक कमेटी बनाकर उसे डब्लूएफआई के नए पदाधिकारियों के चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंप दी। एडहॉक कमेटी ने 12 अगस्त को मतदान की तारीख तय कर दी। वोटिंग से एक दिन पहले कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा की अगुवाई वाली हरियाणा कुश्ती संघ ने इसे पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दे दी। का तर्क था कि चुनाव में उसे वोटिंग का अधिकार नहीं दिया गया है, जबकि वह डब्लूएफआई और हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन से एफिलिएटेड हैं। का कहना था कि उसकी जगह हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन को वोटिंग का अधिकार दिया गया है जो गलत है। की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने डब्लूएफआई के चुनाव पर 28 अगस्त तक के लिए रोक लगा दी। कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होनी है।

मां-बाप का गाना सुन कोमा से जागी 4 साल की बच्ची

ब्रिटेन में एक चार साल की बच्ची ने अपने माता पिता का गाना सुनकर मौत को भी मात दे दी और कोमा से बाहर आ गई। इस बच्ची का नाम है मिली मोरन। मिली मोरन को कई बीमारियों ने जन्म से ही घेर रखा है। मिली जब पैदा हुई थी तब से ही उसकी रीढ़ की हड्डी के बीच आठ सेंटीमीटर का गैप था। इसके साथ ही उसके पैंक्रियाज क्षतिग्रस्त थे। इसके अलावा भी उसको कई समस्याएं थी। मिली मोरन के अब तक 27 आपव्हरेशन हो चुके हैं। मिली मोरन को 22 दिसंबर 2014 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उसके चेस्ट इंफेक्शन था। क्रिसमस के दिन उसके लंग्स ने भी काम करना बंद कर दिया था जिससे वह कोमा में चली गई। चिकित्सकों ने हार मान ली लेकिन उसके माता पिता ने हार नहीं मानी। मोरन की मां एम्मा जेनी और पिता माइकल मोरेन पे मशीन के माइक्रोफोन पर डिज्नी का म्यूजिकल सॉन्ग गाया। वे फोजन सॉन्ग गाते रहे क्योंकि बच्ची को यह गाना बहुत पसंद था। यह गाना सुनकर मिली कोमा से बाहर आ गई।

त्वचा के लिए फायदेमंद है कोकोआ बटर

कोकोआ बटर को हम सभी सौंदर्य में निखार पाने के लिए अपनाते है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है। साथ ही ये हमारे स्वास्थ्य लाभ के लिए भी फायदेमंद है। कोकोआ बटर को कोको बीन्स से प्राप्त किया जाता है। इसका रंग पीला होता है और इसे थियाब्रोंमा तेल के नाम ले जाना जाता है। इससे त्वचा सम्बंधी समस्याएं जैसे कि परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत की जाती है।

हाथ ऊपर ले जाने पर हो दर्द तो हो सकता है रोटेटर कफ

कंधे से जुड़ी रोटेटर कफ की परेशानी ज्यादातर टेनिस, फुटबॉल प्लेयर, स्वीमर और पहलवानों को हो सकती है। गंभीर डायबिटीज के मरीजों में भी इसके मामले देखे जाते हैं। रोटेटर कफ कंधों के जॉइंट्स को हाथ से जोड़ने वाली चार मांसपेशियों (सुपरास्पिनेटस, इंफ्रास्पिनेटस, टेरेस माइनर और सब्सकैपुलरिस) के क्षतिग्रस्त होने पर होती है। जानें कारण व इलाज-

कारण- खेल के दौरान गोल करते हुए जोड़ों में खिंचाव, कंधे के बल गिरना, हाथ का गलत दिशा में मुड़ना, अधिक वजन उठाते समय कंधे पर दबाव मुख्य कारण हैं। इस दौरान अचानक खिंचाव से कंधे की मांसपेशियां क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। ऐसे व्यवसाय जिनमें कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग हो जैसे पेंटर को भी यह समस्या होती है। डायबिटिज के मरीजों में अक्सर मांसपेशियों में सूजन या दर्द की समस्या रहती है। जिससे इनकी मसल्स में हल्का खिंचाव भी परेशानी को बढ़ाता है।

लक्षण- हाथ को ऊपर या पीछे लाने पर तेज दर्द, सूजन, सोते समय करवट लेने पर दर्द मुख्य लक्षण हैं। दिनचर्या से जुड़े काम जिसमें कंधे के जोड़ों का मूवमेंट जरूरी है, करते समय दर्द होना।

इलाज- पेन मैनेजमेंट दर्द व सूजन कम करने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं या स्टेरॉयड इंजेक्शन देते हैं। यदि प्लेयर के पास इलाज के लिए 30 दिन से कम का समय है तो स्टेरॉयड इंजेक्शन के बजाय पेनकिलर देते हैं। ऐसे में इस इंजेक्शन से खिलाड़ी का डोपिंग टैस्ट पॉजिटिव आ सकता है।

सावधानी- कंधे से व्यायाम करते रहें खिलाड़ी या कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग करने वाले लगातार काम न करें। कोशिश करें कि हर दो घंटे में 10-15 मिनट का ब्रेक लें। कंधे से जुड़े व्यायाम रेगुलर करें। स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज इस इंजरी में फायदेमंद है। अचानक दर्द होने पर कपड़े में बर्फ रखकर प्रभावित हिस्से की 10-15 मिनट तक सिंकाई करें।

सर्जरी- एंथ्रोस्कोपी कंधे के जोड़ों में पांच माह से लगातार दर्द हो तो क्षतिग्रस्त मसल्स व दर्द की स्थिति के अनुसार एंथ्रोस्कोपी करते हैं। जिसमें मसल्स के प्रभावित हिस्से को रिपेयर करते हैं। इसके बाद करीब 20-22 दिन मरीज को देखरेख में रखकर कुछ व्यायाम कराते हैं व दवाएं देते हैं।

टैस्ट- ज्यादातर मामलों का फिजिकल चेकअप कर लक्षणों के आधार पर इलाज करते हैं। इसके अलावा मस्क्युलर स्केलेटल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई से क्षतिग्रस्त मांसपेशी का पता लगाते हैं।

एक्सरसाइज- दर्द कम होने के बाद मसल्स स्ट्रेचिंग व स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज कराते हैं। इंजरी से जो मांसपेशी जुड़ी हैं उसके अनुसार व्यायाम कराते हैं। इससे क्षतिग्रस्त मांसपेशी रिपेयर होती है।

कानों के लिए खतरा बन सकती है ईयर कैंडलिंग

कान की सफाई जरूरी होती है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी ये बात है कि आप कैसे उसको साफ करते है। अक्सर घरों में सलाई में रूई लगाकर या हेयर पिन से कान साफ करते रहे है। ये ठीक नहीं है। इससेस कानों को नुकसान पंहुचता है। आजकल आज कल सैलून और ब्यूटी पार्लर मे ईयर कैंडलिंग का काफी चलन में है। इसका प्रयोग कान का मैल निकलाने के लिए किया जाता रहा है। प्राचीन ईजिप्ट में ईयर कैंडलिंग की प्रक्रिया बहुत पापुलर रही है। हालांकि इसे भी सुरक्षित नहीं माना जाता है।

क्या होती है ईयर कैंडलिंग

कानों की मैल को दूर करने के लिए ईयर कैंडलिंग का तरीका लंबे समय से अपनाया जा रहा है। इस नुस्खे के तहत टिशु से कान को कवर करके मोमबत्ती जलाई जाती है। इसमें मोमबत्ती का एक कोना कान के भीतर होता है और दूसरे पर चिंगारी रहती है। इसमें नीचे की तरफ भाप आती है जो सीधे कान में जाती है। जिससे कान का मैल गर्म होकर पिघल जाता है। यह उपाय वे लोग अकसर अपनाते हैं जिनके कान में खुजली या जलन रहती है।

ये होते हैं नुकसान

मोमबती के सिरे पर लगी आग की वजह से यह प्रक्रिया काफी खतरनाक साबित हो सकती है। कान में मोमबत्ती जलाकर मोम डालने से भी मैल नहीं निकलेगी। इससे कान जाम हो सकते हैं या फिर संक्रमण का खतरा रहता है। एफडीए इस मामले में चेतावनी देती है कि ऐसा करने से न केवल कान की नली बंद हो सकती है वरन कान का पर्दा भी फट सकता है। इससे त्वचा के अनय अंगों के जल जाने का खतरा भी रहता है। अगर कान की मैल को हटाना चाहते हैं तो गर्म पानी से ऊपर-ऊपर साफ करें और अपने कानों को शॉवर में कभी कभी रखें। इस तरीके से कान में जमा कड़ी से कड़ी मैल को गर्म किया जा सकता है और उसे ढीला बनाया जा सकता है। कान की मैल साफ करने की कोशिश अच्छी होने की बजाय बुरी साबित होती है। अगर मैल को निकालने के दौरान कान की नली में और गहरे धकेल दिया जाता है तो यह नुकसानदेह होती है।

स्टेम सेल जैल से जुड़ेंगी टूटी हड्डियां

स्टेम सेल तकनीक दुर्घटनावश अगर किसी की हड्डी टूट जाए, तो उसे जुड़ने में न सिर्फ काफी वक्त लगता है, बल्कि वह पहले जितनी मजबूत भी नहीं हो पाती हैं। लेकिन अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हड्डी में आयी दरार को भरने के लिए नया तरीका खोज निकाला है। वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल से लैस एक ऐसा जैल बनाया है, जो हड्डी में आई दरार को भरने में सक्षम होगा।

वैज्ञानिकों के मुताबिक जैल में मौजूद स्टेम कोशिकाओं की सतह पर बेहद सूक्ष्म चुंबकीय कण जोड़े गए हैं। इंजेक्शन के जरिए जब इस जैल को हड्डी में पहुंचाया जाता है। इसके बाद उसके ऊपर चुंबकीय गुणों से लैस पट्टी बांध दी जाती है। पट्टी के बांधने के साथ ही चुंबकीय कण सक्रिय हो जाते हैं। और हड्डियों में आई दरार को भरने में स्टेम सेल मदद करते हैं। यह परिस्थिति बहुत हद तक वैसी ही होती है, जैसी बच्चों में कार्टिलेज और हड्डियों के विकास के दौरान देखी जाती है। शोधकर्ताओं ने परीक्षण के स्तर पर इस जैल के खरा उतरने का दावा किया है। उनकी मानें तो इसकी मदद से चूहे और मुर्गियों की टूटी हड्डियों को जोड़ने में सफलता हाथ लगी है। अब हम साल के अंत तक इनसानी हड्डियों पर इसका असर आंकने की तैयारी कर रहे हैं। हज के अनुसार हड्डियों को जोड़ने के लिए जब प्लास्टर चढ़ाया जाता है तो शरीर में सबसे पहले एक कार्टिलेज बनता है। यह एक ढांचे की तरह काम करता है, जिसके इर्दगिर्द हड्डी विकसित होती है। व्यक्ति जितना व्यायाम करेगा हड्डी उतनी ही मजबूत बनेगी। हालांकि आमतौर पर ऐसा नहीं हो पाता। हड्डी टूटने पर मरीज को असहयनीय दर्द होता है। हमने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए स्टेम सेल से भरपूर जैल बनाया है। इसका इंजेक्शन लगाने पर मरीज को बिस्तर से उठने की जरूरत तक नहीं पड़ेगी और उसकी टूटी हड्डी न सिर्फ जुड़ेगी, बल्कि उसका घनत्व भी अधिक होगा।

सेहत पर कैसे भारी पड़ सकता है पापड़ खाना

हम अक्सर होली पर अपने घरों की छतों पर आलू या साबूदाने के पापड़ सुखाया करते थे। पर जब से बाजार में पापड़ मिलने शुरु हो गए हैं, हमने अब घर पर पापड़ बनाना बंद कर दिए हैं।

आज कल आपको बाजार में तरह तरह के स्वाद और रंग वाले पापड़ और चिप्स बिकते हुए दिख जाएंगे। अक्सर लोग अपने भोजन के साथ साथ एक रोस्टेड पापड़ या फिर फ्राई किया हुआ पापड़ खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है।

यहां तक कि कॉकटेल स्नैक के तौर पर भी मसालेदार पापड़ ही सर्व किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पापड़ हमारी सेहत के लिए कितने खराब हैं, आइए जानते हैं...

पापड़ बढ़ा सकता है मोटापा

दो पापड़ एक रोटी के समान होता है। अगर आप कैलारी नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो पापड़ खाने की गलती कभी ना करें। 13 ग्राम पापड़ में 35-40 कैलोरी, सोडियम- 226 एमजी और कार्बोहाइड्रेट 7.8 ग्राम पाया जाता है।

प्रीज़र्वटिव का होता है प्रयोग

पापड़ को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए पापड़ बनाने वाली फैक्टीरियां उसमें प्रीज़र्वटिव आदि मिलाती हैं। साथ ही इसमें नमक के साथ साजी नामक सोडियम साल्ट मिलाया जाता है, जिससे इसका स्वाद तो बढ़ता है। यह साल्ट हार्ट और किडनी की बीमारी के साथ हाई बीपी भी पैदा कर सकता है।

एसिडिटी की समस्या

दुकान से खरीदे हुए पापड़ों में अक्सर आर्टिफीशियल फ्लेवर और मसाले मिलाए जाते हैं जो कि पेट के लिये खराब तो होते ही हैं साथ में ज्यादा खाने पर एसिडिटी भी हो जाती है।

फ्राई किए पापड़ और भी घातक

फ्राई किए पापड़ों में तेल और फैट दोनों ही हाई होते हैं। रिसर्च के अनुसार पाया गया है कि फ्राई और आग पर भुने हुए पापड़ में एक्रिलामाइड जो एक टॉक्सिन है, उसकी मात्रा बढ़ जाती है, इसे कार्सीनोजिन भी कहते। इससे आपको बेचैनी, घबराहट और मूड सविंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मगर माइक्रोवेव में पकाए पापड़ आपकी सेहत को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

पापड़ बनाने की प्रक्रिया

पापड़ बनाई जाने वाली फैक्ट्रियां कभी साफ नहीं होती। इन्हें हाथों से बनाया जाता है और फिर इन्हें सुखाने के लिए धूप में खुले स्थान पर रखा जाता है, जहां इनमें धूल मिट्टी पड़ती रहती है।

जूतों की शॉपिंग ऐसी हो कि आपको देखकर सब हो जाएं हैरान

फुटवियर्स से आउटफिट बनाएं ग्लैमरस

हिलाओं की पसंदीदा क्सेसरीज में से एक हैं नके फुटवियर्स। ड्रेस ाहे कितनी भी खूबसूरत यों न हो, सही फुटवियर बिना अधूरी रह जाती । अब इसका यह तलब भी नहीं है कि ाप ढेरों जूते खरीद कर र ले आएं। हम आपको ूतों की शॉपिंग के लिए से टिप्स देंगे कि ापकी वार्डरोब देखकर ापकी सहेलियां भी ापसे ईर्ष्या करने लगें। वो पेयर्स हैं जो आपकी र आउटफिट की पीयरेंस और भी लैमरस बना देंगे।

ईवनिंग पार्टी के लिए क्लासी ब्लैक

ईवनिंग पार्टी और आम मौकों पर पहनने के लिए हर लड़की के पास क्लासी ब्लैक पम्पस का एक पेयर जरूर होना चाहिए। इसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जा रही हैं, तो भी ये फुटवियर बढ़िया च्वाइस रहेगी। ये शूज़ फॉर्मल हैं, लेकिन ईवनिंग वियर के साथ बेहतरीन लुक देंगे। हल्की हील वाले ये शूज़ काफी आरामदायक होते हैं और पैरों को आराम भी देते हैं। इन्हें पहन कर चलना आसान रहता है। आजकल ट्रैंडी फुटवियर में कोल्हापुरी चप्पलें और मोजरी का फैशन इन है।

बैली निखारेगी पर्सनैलिटी, पैरों के लिए आरामदायक

अगर आप फुटवियर्स के मामले में ज्यादा झमेले में नहीं पड़ना चाहतीं और बहुत सिंपल शूज़ चाहती हैं लेकिन साथ ही एलिगेंट लुक भी चाहती हैं तो बैली आपकी सभी अज़माइशों पर खरी उतरती है। ये आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारेगी। आप इन्हें सारा दिन पहन सकती हैं, इसके बावजूद आपके पैरों में दर्द नहीं होगा क्योंकि ये बेहद आरामदेय होती हैं। आप इन्हें फॉर्मल आउटफिट के साथ पहन सकती हैं और अगर चाहें तो फ्रॉक के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

स्ट्रैपी सैंडल्स से मिलेगा बोल्ड लुक

अगर आप सोशल हैं तो बहुत सारे विशेष अवसरों पर आपको जाना पड़ता है, ऐसे में आप अपना फैशन दिखा सकती हैं। फंक्शंस में थोड़ी-सी एक्सट्रा ब्लिंग की जरूरत होती है। ग्लैम लुक के लिए गोल्ड या सिल्वर में स्ट्रैपी सैंडल्स ट्राई करें। इस पर बड़े बोल्ड स्टोंस लगे हो सकते हैं। मोती भी इनकी चमक को और बढ़ाएंगे और आपको सैक्सी व बोल्ड लुक देंगे। अगर आपको एथनिक वियर्स ज्यादा पसंद हैं या जींस और स्कर्ट पहनना आपको ज्यादा भाता है तो बेसिक कलर्स जैसे बेज, ब्लैक या कैमल ट्राई करने चाहिए। ये भारतीय परिधानों और लॉन्ग स्कर्ट्स के साथ सुंदर दिखते हैं। न्यूट्रल कलर्स से आप अधिकतर आउटफिट्स के साथ पेयर कर सकती हैं।

...तो अब ब्लड शुगर को कर सकेंगे नियंत्रित

हम में से अधिकांश खाना पकाने में ़फाइंड अनाज का प्रयोग करते हैं। यह ऐसा नाज है जिसकी बाहरी परत नहीं होती। इस ाहरी परत को व्हीट ब्रान कहते हैं। इसमें ़टामिन बी-1, बी-2, बी-3, विटामिन-ई, ायरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, ासफोरस, जिंक, कॉपर तथा फाइबर भरपूर ात्रा में होते हैं। इसके बिना हमारा अनाज तना स्वस्थ नहीं होता जितना कि यह हो कता है। यदि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति भीर हैं तो आपको साबुत अनाज के बारे में ोचना होगा। आइए जानते हैं इसके स्वास्थ्य ाभों के बारे में।

लिवर को बनाता है स्वस्थ

एक स्वस्थ लिवर के लिए एक ऐसे पेट की जरूरत होती है, जिसमें भोजन आसानी से इधर-उधर आ-जा सके और जो विषैले तत्वों के निर्मित होने से रहित हो। साबुत अनाज का ब्रान वाला हिस्सा इस बात को यकीनी बनाता है कि इन विषैले तत्वों को प्रभावी ढंग से साफ किया जाए।

अधिक पोषक...

चूंकि व्हीट ब्रान साबुत अनाज में से हटाया नहीं जाता और सभी पोषक तत्व इसमें मौजूद रहते हैं इसलिए खिलाड़ियों, बढ़ रहे बच्चों, मां बनने वाली महिलाओं तथा स्वस्थ भोजन की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसकी सलाह दी जाती है। साबुत अनाज का ग्लाइसैमिक इंडेक्स सफेद आटे के मुकाबले ब्लड शूगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। व्हीट ब्रान भोजन को ब्लड शूगर में धीरे-धीरे परिवर्तित करता है और इसे शरीर के प्राकृतिक इंसुलिन हार्मोन मैकेनिज्म के लिए आसानी से मैनेज करता है।

कैंसर का खतरा कम

साबुत अनाज का आटा फाइबर का बहुत बढ़िया स्रोत है जो हमारी आंतों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है। भोजन में फाइबर वाला हिस्सा अधिक होना चाहिए ताकि यह पानी अधिक सोख सके। आंतों के प्रो-बायोटिक बैक्टीरिया को पेट के अल्केलाइन बैलेंस को नियंत्रित करने के लिए फाइबर की जरूरत होती है। जब फाइबर पेट में प्रविष्ट होता है तो फ्रेंडली बैक्टीरिया इसे इसके स्वास्थ्यवर्धक तत्व रिलीज करने के लिए तोड़ देता है।

रेसिपी

पालक कॉर्न सब्जी

सामग्री

3/4 कप पालक की प्युरी, 1/2 कप हल्की उबाली और कटी हुई पालक, 1 कप उबले हुए मीठी मकई के दाने, 1/2 टेबल-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसून, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून ताजा क्रीम, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में घी गरम करिए और उसमे जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे लहसून, लाल मिर्च का पाउडर और अदरक डालिए और मध्यम आंच पर 1 मिनट भूनिए। उसमे पालक की प्युरी, पालक, कॉर्न, नमक, 1/4 कप पानी, ताजी क्रीम, गरम मसाला और लाल मिर्च का पाउडर डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट बीच-बीच में हिलाते हुए, पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

लज़ानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 स्पून जैतून का तेल, 2 स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री:** 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज्जा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज्जा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लज़ानीया शीट रखें। व्हाईट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज्जा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज्जा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और ऊपर अच्छी तरह से चीज़ छिड़कें। पहले से गरम अवन में लज़ानीया को 200°c (400°f) के तापमान पर 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**